● वर्ष-4
● अंक-163
रायपुर, रविवार
16 फरवरी 2025
● पृष्ठ-8
● मूल्य-3 रु.

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

# समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

पेज-6» बॉक्स ऑफिस पर बड़ी ओपनर....

# 15 साल बाद ढहा कांग्रेस का किला

## मीनल चौबे ने दर्ज की ऐतिहासिक जीत, दीप्ति दुबे को 153290 वोट से हराया

**रायपुर.** छत्तीसगढ़ के नगरीय निकाय चुनाव में भाजपा ने जीत का परचम लहराया है. रायपुर में 15 साल बाद भाजपा ने कांग्रेस का किला ढहाया है. यहां बीजेपी महापौर प्रत्याशी मीनल चौबे ने 153290 वोट से कांग्रेस प्रत्याशी दीप्ति दुबे को मात दी है. महापौर चुनाव में कुल 509146 वोट पड़े थे. इसमें से भाजपा प्रत्याशी मीनल चौबे को 315835 वोट और कांग्रेस प्रत्याशी दीप्ति दुबे को 162545 वोट मिले.

ब्रिटिश शासन के दौरान 17 मई 1867 को रायपुर नगर समिति बनी. इसका प्राथमिक उद्देश्य तेजी से बढ़ती शहरी बस्ती में बुनियादी नागरिक सुविधाएं सुनिश्चित करना था. इसके बाद साल 1973 में इसका स्वरूप बदला और रायपुर नगर निगम बना. उस समय रायपुर नगर निगम में कुल 40 वार्ड थे. 1980 में पहली बार हुए नगर निगम चुनाव में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (आईएनसी) के स्वरूप चंद जैन महापौर बने. इसके बाद 1981 से 82 तक कांग्रेस के एसआर मूर्ति महापौर बने. 1982 से 1983 तक फिर स्वरूपचंद जैन महापौर रहे. 1983 से 84 तक कांग्रेस के ही तरुण चटर्जी, 1984-85 तक कांग्रेस के संतोष अग्रवाल महापौर चुने गए. 1985 से लेकर 1995 तक रायपुर नगर निगम में प्रशासक बैठे थे. फिर 1995 में वार्डों की संख्या बढ़कर 60 कर दी गई . 1995-2000 तक कांग्रेस के बलबीर एस जुनेजा महापौर चुने गए. पहले नगर निगम कार्यालय जयस्तंभ के पास था. इसके बाद नया नगर निगम कार्यालय सीटी कोतवाली के पास भव्य रूप में बनाया गया है, जिसे व्हाइट हाउस के नाम से भी जाना जाता है. वर्तमान में रायपुर नगर निगम में कुल 70 वार्ड हैं.

**2004 में पहली बार महापौर चुनाव में कांग्रेस को मिली थी हार:** साल 2000 में छत्तीसगढ़ गठन के बाद तरुण प्रसाद चटर्जी रायपुर के पहले महापौर थे. हालांकि बाद में उन्होंने भाजपा ज्वाइन कर लिया था. छत्तीसगढ़ राज्य बनने के बाद पहले स्थानीय निकाय चुनाव साल 2004 में हुआ. तब भाजपा के सुनील सोनी रायपुर नगर निगम के महापौर बने, जो वर्तमान में विधायक हैं. रायपुर नगर निगम के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ था, जब कांग्रेस को महापौर चुनाव में हार का सामना करना पड़ा था. 2010 से 2015 तक कांग्रेस नेत्री किरणमयी नायक महापौर रहीं. वे रायपुर नगर निगम की पहली महिला महापौर थीं. इसके बाद 2015 से 2020 तक कांग्रेस के प्रमोद दुबे महापौर रहे. 2020 से 2025 तक एजाज ढेबर महापौर रहे. भूपेश बघेल के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार में महापौर का अप्रत्यक्ष चुनाव हुआ. इस नियम को बदलते हुए वर्तमान साय सरकार ने इस बार महापौर का प्रत्यक्ष चुनाव कराया. सभी जगह ईव्हीएम से चुनाव संपन्न कराया गया.

### दीप्ति दुबे और मीनल चौबे थे आमने-सामने

इस बार रायपुर में कांग्रेस ने रायपुर में दीप्ति दुबे को मेयर प्रत्याशी बनाया था. दीप्ति दुबे वर्तमान सभापति प्रमोद दुबे की पत्नी है. वे साइकोलाजिस्ट हैं. उनका मेंटल हेल्थ क्लीनिक है. वे सामाजिक कार्यों में सक्रिय रही हैं. दीप्ति दुबे ने मास्टर्स इन साइकोलॉजी के साथ एमए हिंदी साहित्य की पढ़ाई की है. वर्तमान में पीएचडी कर रही हैं. पत्रकारिता में डिप्लोमा होने के साथ-साथ वह मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता के क्षेत्र में काम कर रही हैं. कांग्रेस पार्टी की सक्रिय सदस्य के रूप में दीप्ति दुबे ने पिछले 20 वर्षों में पार्टी के विभिन्न अभियानों और कार्यक्रमों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है. बीजेपी ने रायपुर नगर निगम महापौर का टिकट मीनल चौबे को दिया था. वह नगर निगम परिषद में नेता प्रतिपक्ष रह चुकी हैं. पार्षद, जिला और प्रदेश महिला भाजपा मोर्चा में कई पदों पर काम कर चुकी हैं. वे तीन बार बीजेपी पार्षद रह चुकी हैं.

# दिल्ली में सरकार गठन की तैयारियां तेज

## बस 24 से 36 घंटे का इंतजार

**नईदिल्ली।** दिल्ली के नए मुख्यमंत्री का शपथ ग्रहण समारोह 19 या 20 फरवरी को होने की उम्मीद है। दिल्ली के अगले मुख्यमंत्री के नाम को अंतिम रूप देने के लिए भाजपा विधायक दल की 17 या 18 फरवरी को बैठक होने की उम्मीद है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शुक्रवार देर रात राजधानी लौटने के बाद दिल्ली में सरकार गठन की तैयारियां तेज हो गई है। पार्टी के अंदरूनी सूत्रों से पता चला कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा है कि नए मुख्यमंत्री को निर्वाचित विधायकों में से चुना जाएगा। अंतिम फैसला विधायक दल की बैठक में होगा।

वहीं, आज केंद्रीय मंत्री और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने पार्टी मुख्यालय में पार्टी महासचिवों की बैठक की अध्यक्षता की। पार्टी ने पहले ही इस मुद्दे पर काम करना शुरू कर दिया है और नदी की सफाई के अपने वादे को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। एक और बड़ी पहल दिल्ली में आयुष्मान भारत योजना का कार्यान्वयन होगी, जिसका उद्देश्य वंचित आबादी को स्वास्थ्य कवरेज प्रदान करना है। यह योजना आम आदमी पार्टी के कार्यकाल में लागू नहीं की गई थी। दिल्ली के सीएम चेहरे पर बीजेपी सांसद योगेन्द्र चंदोलिया ने कहा कि ये फैसला पार्टी के संसदीय बोर्ड को लेना है। संसदीय बोर्ड की बैठक कल या परसों होगी, जिसके बाद मुख्यमंत्री के नाम पर फैसला लिया जाएगा।

उन्होंने कहा कि ये बैठक 24 से 36 घंटे में होगी और केंद्रीय नेतृत्व जो फैसला लेगा उस पर दिल्ली के सभी 48 विधायक सहमत होंगे...अगले 2 से 3 दिन में पूरी स्थिति साफ हो जाएगी। नड्डा ने यह भी संकेत दिया कि नए मुख्यमंत्री के शपथ लेने के बाद पहली कैबिनेट बैठक में महत्वपूर्ण नीतिगत निर्णय लिए जाएंगे। नड्डा की ओर से एक बड़ा ऐलान यह है कि दिल्ली की नई बीजेपी सरकार में कोई उपमुख्यमंत्री नहीं होगा। चुनाव नतीजों के बाद भाजपा पहले ही शीर्ष नेताओं के साथ कई बैठकें कर चुकी है। अगले दो दिनों में बैठकों का एक और दौर होने की उम्मीद है।

## काशी तमिल संगमम 3.0 का आज से हुआ शुभारंभ

**नईदिल्ली।** काशी तमिल संगमम 3.0 का उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज से वाराणसी में भव्य शुभारंभ किया है। इस कार्यक्रम का उद्घाटन से पहले उन्होंने महाकुंभ के पलट प्रवाह को देखते हुए काशी में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ का हवाई सर्वेक्षण किया। भीड़ की व्यवस्था और सुरक्षा प्रबंधों का जायजा लेने के बाद सीएम ने काशी विश्वनाथ धाम में पूजा-अर्चना की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने श्री काशी विश्वनाथ दरबार में विधि-विधान से अभिषेक कर महाकुंभ की सफलता का वरदान मांगा।कार्यक्रम के उद्घाटन समारोह के दौरान उनके साथ मंत्री रविंद्र जायसवाल, पिंडरा विधायक अवधेश सिंह और दक्षिणी विधायक नीलकंठ तिवारी भी मौजूद रहे। सीएम योगी गंगा द्वार से बाबा के दर्शन के लिए पहुंचे और श्रद्धा भाव से शीश नवाया। महाकुंभ के दौरान काशी में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के मद्देनजर मुख्यमंत्री ने हवाई सर्वेक्षण कर व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। अस्सी से नमो घाट तक के 84 घाटों पर भीड़ और यातायात व्यवस्था की समीक्षा की। उनके दौरे को लेकर प्रशासन अलर्ट मोड पर दिखाई दे रहा है।

# 41 साल बाद दोषी पाए गए सज्जन कुमार

**नईदिल्ली।** सुप्रीम कोर्ट प्लेसेस ऑफ वर्शिप एक्ट 1991 के समर्थन में दायर हस्तक्षेप पर 17 फरवरी को करेगा सुनवाई। राजनीतिक दलों को आरटीआई लाने की मांग वाली याचिका पर सुप्रीम कोर्ट सुनवाई करेगा। अश्लील कमेंट मामले में देशभर में एफआईआर के बाद रणवीर इलाहाबादिया ने सुप्रीम कोर्ट से लगाई गुहार। कांग्रेस के पूर्व सांसद सज्जन कुमार हत्या मामले में दोषी करार। इस सप्ताह यानी 10 फरवरी से 15 फरवरी 2025 तक क्या कुछ हुआ? कोर्ट के कुछ खास ऑर्डर/जजमेंट और टिप्पणियों का विकली राउंड अप आपके सामने लेकर आए हैं। कुल मिलाकर कहें तो आपको इस सप्ताह होने वाले भारत के विभिन्न न्यायालयों की मुख्य खबरों के बारे में बताएंगे।

सुप्रीम कोर्ट उपासना स्थल अधिनियम, 1991 से संबंधित याचिकाओं पर 17 फरवरी को सुनवाई करेगा। न्यायालय की वेबसाइट पर 17 फरवरी के लिए अपलोड की गई कार्यसूची के अनुसार, प्रधान न्यायाधीश संजीव खन्ना, न्यायमूर्ति संजय कुमार और न्यायमूर्ति के वी विश्वनाथन की पीठ इस मामले की सुनवाई करेगी। यह अधिनियम किसी भी उपासना स्थल के धार्मिक स्वरूप में परिवर्तन पर प्रतिबंध लगाता है। कानून में किसी स्थान के धार्मिक स्वरूप को 15 अगस्त 1947 के अनुसार बनाए रखने की बात कही गई है। न्यायालय उपासना स्थल कानून को प्रभावी ढंग से लागू करने के अनुरोध वाली 'ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन' के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी की याचिका पर विचार करने पर दो जनवरी को सहमत हो गया था। प्रधान न्यायाधीश की अगुवाई वाली पीठ ने पिछले साल 12 दिसंबर को अपने अगले आदेश तक देश की अदालतों को धार्मिक स्थलों, विशेषकर मस्जिदों और दरगाहों पर दावा करने संबंधी नए मुकदमों पर विचार करने और लंबित मामलों में कोई भी प्रभावी अंतरिम या अंतिम आदेश पारित करने से रोक दिया था।

**प्रमुख समाचार**

### सीबीआई नियुक्ति में कैसे हो सकते हैं शामिल प्रधान न्यायाधीश?

**नई दिल्ली।** उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने आश्चर्य जताते हुए कहा कि भारत के प्रधान न्यायाधीश, सीबीआई के निदेशक जैसे शीर्ष पदों पर नियुक्तियों में कैसे शामिल हो सकते हैं? उपराष्ट्रपति ने कहा कि ऐसे मानदंडों पर पुनर्विचार करने का समय आ गया है। उपराष्ट्रपति धनखड़ ने शुक्रवार को मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल स्थित राष्ट्रीय न्यायिक अकादमी में कहा कि उनके विचार में मूल संरचना के सिद्धांत का न्यायशास्त्रीय आधार बहस योग्य है। उन्होंने लोगों से सवाल किया कि हमारे जैसे देश में या किसी भी लोकतंत्र में, वैधानिक निर्देश के जरिये प्रधान न्यायाधीश सीबीआई निदेशक की नियुक्ति में कैसे शामिल हो सकते हैं? उपराष्ट्रपति ने कहा कि क्या इसके लिए कोई कानूनी दलील हो सकती है? मैं इस बात की सराहना करता हूं कि वैधानिक निर्देश इसलिए बने क्योंकि उस समय की कार्यपालिका ने न्यायिक फैसले के आगे घुटने टेक दिए थे, लेकिन अब इस पर पुनर्विचार करने का समय आ है। यह निश्चित रूप से लोकतंत्र के साथ मेल नहीं खाता है। हम भारत के प्रधान न्यायाधीश को किसी शीर्ष स्तर की नियुक्ति में कैसे शामिल कर सकते हैं।

### 1 अप्रैल से 19 पवित्र क्षेत्र में बंद होंगी शराब दुकानें

**भोपाल।** मध्य प्रदेश सरकार द्वारा राज्य के 19 पवित्र क्षेत्रों में शराबबंदी के फैसले पर अमल शुरू हो गया है। इन क्षेत्रों में एक अप्रैल से शराब दुकानें बंद कर दी जाएंगी। इसके लिए अधिसूचना भी जारी कर दी गई है। राज्य के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने पिछले दिनों 19 नगरीय और ग्रामीण इलाकों के पवित्र क्षेत्र में पूर्ण शराबबंदी का ऐलान किया था। इस फैसले पर अमल करते हुए शुक्रवार को राजभवन से अधिसूचना भी जारी कर दी गई है। इसके मुताबिक राज्य के 13 नगरीय और छह ग्रामीण निकायों में संचालित शराब दुकानें एक अप्रैल से बंद की जाएंगी।राजभवन की ओर से जारी की गई अधिसूचना के अनुसार 19 पवित्र क्षेत्र में शराबबंदी की गई है, जिसमें उज्जैन नगर निगम, ओंकारेश्वर नगर पंचायत, महेश्वर नगर पंचायत, मंडलेश्वर नगर पंचायत, ओरछा नगर पंचायत, मैहर नगर पालिका, चित्रकूट नगर पंचायत, दतिया नगर पालिका, पन्ना नगर पालिका, मंडला नगर पालिका, बरमान कला ग्राम पंचायत, लिंगा ग्राम पंचायत, बरमान खुर्द ग्राम पंचायत, कुंडलपुर ग्राम पंचायत और बांदकपुर ग्राम पंचायत शामिल हैं।

### महाराष्ट्र में लव जिहाद के खिलाफ कानून जल्द?

**मुंबई।** महाराष्ट्र सरकार ने जबरन धर्म परिवर्तन और लव जिहाद के मामलों के खिलाफ संभावित कानून के लिए कानूनी ढांचे की जांच करने के लिए सात सदस्यीय समिति का गठन किया है। राज्य के पुलिस महानिदेशक संजय वर्मा की अध्यक्षता वाले पैनल में महिला एवं बाल कल्याण, अल्पसंख्यक मामले, कानून और न्यायपालिका, सामाजिक न्याय, विशेष सहायता और गृह जैसे प्रमुख विभागों के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हैं। शुक्रवार देर रात जारी एक सरकारी संकल्प के अनुसार, समिति जबरन धर्मांतरण और लव जिहाद से संबंधित शिकायतों से निपटने के उपाय सुझाएगी। यह अन्य राज्यों में मौजूदा कानूनों की भी समीक्षा करेगा और कानूनी प्रावधानों की सिफारिश करेगा। श्रद्धा वाकर मामले के बाद महाराष्ट्र में भाजपा के नेतृत्व वाले सत्तारूढ़ गठबंधन द्वारा लव जिहाद का मुद्दा, मुस्लिम पुरुषों द्वारा हिंदू महिलाओं को प्रलोभन देकर उनका धर्म परिवर्तन कराने के कथित मामले उठाए गए हैं। महाराष्ट्र की 27 वर्षीय महिला वॉकर की कथित तौर पर हत्या कर दी गई थी और 2022 में उसके लिव-इन पार्टनर आफताब पूनावाला ने उसके शरीर को कई टुकड़ों में काट दिया था।

### जलियांवाला बाग की तरह याद किए जाएंगे तारापुर के 34 महान बलिदानी

**नईदिल्ली।** उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने शनिवार को तारापुर में 34 शहीदों को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि स्वाधीनता संग्राम के दौरान पंजाब के जालियांवाला बाग के बाद बिहार के तारापुर में ही सबसे अधिक 34 लोगों ने अपना जीवन बलिदान किया था। उन्होंने इस महान बलिदान की चर्चा मन की बात कार्यक्रम में करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को और यहां शहीद स्मारक के निर्माण को स्वीकृति देने के लिए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के प्रति आभार व्यक्त किया। उपमुख्यमंत्री चौधरी ने इस क्षेत्र में अस्पताल, कालेज ,रिंग रोड, सड़क चौड़ीकरण, पर्यटन केंद्र और सिंचाई सुविधाओं के लिए लगभग 72 करोड़ रुपये की योजनाएँ स्वीकृत करने की घोषणा कीं। उन्होंने कहा कि 30 शैय्या वाले पुराने तारापुर अस्पताल को 100 बेड वाले अस्पताल के रूप में विकसित करने के लिए 30 करोड़ रुपये और यहाँ के एकमात्र मान्यता प्राप्त सरकारी महाविद्यालय आर एस कॉलेज के विकास के लिए 25 करोड़ रुपए दिये गए हैं। चौधरी ने कहा कि तारापुर में 10 करोड रुपये की लगात से बड़ा पुल बनाया जाएगा।

### भारतीय प्रवासियों के हाथों में फिर होंगी हथकड़ियां: चिदंबरम

**नईदिल्ली।** कांग्रेस नेता पी चिदंबरम ने कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका से भारतीय निर्वासित लोगों को लेकर दूसरे अमेरिकी विमान का आगमन भारतीय कूटनीति के लिए एक परीक्षण होगा। चिदंबरम ने एक्स पर कहा कि सभी की निगाहें अमेरिकी विमान पर होंगी जो आज अवैध अप्रवासियों को वापस लेकर अमृतसर में उतरेगा। क्या निर्वासित लोगों को हथकड़ी लगाई जाएगी और उनके पैर रस्सियों से बांध दिए जाएंगे? उन्होंने आगे कहा कि यह भारतीय कूटनीति के लिए एक परीक्षा है। संयुक्त राज्य अमेरिका से 119 भारतीय निर्वासित लोगों को लेकर एक विमान शनिवार को अमृतसर हवाई अड्डे पर उतरेगा। फ्लाइट के रात 10 बजे से 11 बजे के बीच एयरपोर्ट पर उतरने की उम्मीद है। 119 निर्वासित लोगों में से 67 पंजाब से, 33 हरियाणा से, आठ गुजरात से, तीन उत्तर प्रदेश से, दो-दो गोवा, महाराष्ट्र और राजस्थान से और एक-एक हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर से हैं। भारत पहुंचने वाले निर्वासित लोगों में वे लोग शामिल हैं जो मेक्सिको और अन्य मार्गों से संयुक्त राज्य अमेरिका में प्रवेश कर चुके हैं।

# अरविंद केजरीवाल भारतीय राजनीति की एक अनबूझ पहेली

**प्रो प्रदीप माथुर**

जब वे अभूतपूर्व बहुमत के साथ सत्ता में थे और अब जब वे सत्ता की कुर्सी से बेइज्जत होकर बाहर निकल गए हैं, तब भी अरविंद केजरीवाल भारतीय राजनीति का एक अनसुलझा रहस्य बने हुए हैं। वे सत्ता की राजनीति की दुनिया में एक असामान्य रास्ते से आए थे। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी के रूप में काम करते हुए, वे सूचना के अधिकार आंदोलन से जुड़े और फिर अन्ना हजारे के भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन से जुड़ गए। वहां से वे चुनावी राजनीति में आए और अप्रत्याशित सफलता प्राप्त कर देश के शीर्ष नेताओं में से एक बन गए। यह सब इतनी जल्दी हुआ कि कोई भी समझ नहीं पाया कि राजनीति में उनका अभूतपूर्व विकास कैसे और किन कारणों से हुआ।

राजनीति में उनके तेजी से बढ़ते कद पर एक नजर डालना उचित होगा। वर्ष 2011 में अरविंद केजरीवाल की पहल पर अन्ना हजारे भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई का नेतृत्व करने दिल्ली आए थे। इस आंदोलन का मुख्य निशाना सत्तारूढ़ कांग्रेस पार्टी थी और इसलिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने भी इस आंदोलन में रुचि लेना शुरू कर दिया। जिस दिन अन्ना लोकपाल विधेयक की मांग को लेकर अनशन पर बैठने वाले थे, उसी दिन डॉ मनमोहन सिंह की कांग्रेस सरकार ने अन्ना हजारे और अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तार कर लिया और यह केजरीवाल के राजनीतिक करियर का एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हुआ।

आंदोलन की सफलता के बाद केजरीवाल ने राजनीतिक पार्टी बनाने का फैसला किया। हालांकि अन्ना हजारे राजनीति में नहीं आना चाहते थे। भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन का समर्थन करने वाली भाजपा भी आम आदमी पार्टी (आप) के गठन के खिलाफ थी. लेकिन केजरीवाल और उनके साथियों ने पार्टी बनाने का फैसला किया।

आम आदमी पार्टी ने राजनीति में पारदर्शिता लाने का वादा किया। पार्टी ने कहा कि उसे मिलने वाला हर दान चेक के जरिए ही स्वीकार किया जाएगा और हर दानकर्ता का नाम वेबसाइट पर सार्वजनिक रूप से दिखाया जाएगा। पार्टी ने यह भी घोषणा की कि चुनाव लड़ने के लिए टिकट सिर्फ उन्हीं उम्मीदवारों को दिए जाएँगे जिन्हें जमीनी स्तर के कार्यकर्ताओं और स्वयंसेवकों का समर्थन प्राप्त होगा। इसके अलावा पार्टी ने वीआईपी संस्कृति को छोड़ने का वादा करते हुए कहा कि उसके नेता सादा जीवन जिएँगे। बाद में पार्टी अपने सभी वादों से मुकर गई। सत्ता में आने से पहले केजरीवाल को दलीय राजनीति का कोई अनुभव नहीं था, लेकिन यह मानना होगा कि उनमें राजनीति की बारीकियों को समझने की बुद्धि थी। वे उस स्थिति का अच्छी तरह आकलन कर पाए थे जिसमें मनमोहन सिंह और सोनिया गांधी की कांग्रेस जनसमर्थन के अभाव में कमजोर हो गई थी और मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी राजनीति में उस शून्य को भरने की तेजी से कोशिश कर रही थी।राजनीति में खाली मैदान को समझने की इसी क्षमता के कारण केजरीवाल पंजाब चुनाव में अपनी पार्टी को अभूतपूर्व जीत दिलाने में सफल रहे। गुजरात और हरियाणा में, जहां भाजपा और कांग्रेस की मजबूत पकड़ थी, वे बिलकुल भी सफल नहीं हुए। केजरीवाल यह भी जानते हैं कि भारतीय राजनीति में आपको हमेशा नैतिकता और मूल्यों की बात करनी चाहिए। उनकी नैतिकता और ईमानदारी अन्य राजनीतिक दलों के नेताओं की तरह ही संदेह के घेरे में है, लेकिन मतदाताओं के मन में अपनी अच्छी छवि बनाकर वे चुनावी सफलता की सीढ़ियां चढ़ते रहे हैं। विधानसभा चुनाव हारने से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा नेतृत्व को गहरा सदमा लगा। इससे प्रधानमंत्री मोदी और केजरीवाल के बीच अहंकार का टकराव हुआ और भाजपा के लिए केजरीवाल और आम आदमी पार्टी राहुल गांधी और कांग्रेस से भी बड़े दुश्मन बन गए।

इसमें कोई आश्चर्य नहीं कि दिल्ली चुनावों में कांग्रेस ने केजरीवाल को उसी के अंदाज में जवाब देने का फैसला किया। अति महत्वाकांक्षा के अलावा केजरीवाल की दो और समस्याएं है। वह विचारधारा विहीन राजनीति कर रहे हैं और उन्हें यह समझ नहीं आ रहा है कि ऐसी राजनीति लंबे समय तक नहीं चल सकती। उनकी दूसरी समस्या यह है कि खुद को आम आदमी पार्टी का नेता और दिल्ली की गरीब जनता का बेटा कहने के बावजूद उनकी मानसिकता सामंतवादी है. जो हमारी नौकरशाही की एक सामान्य विशेषता है। इसी कारण से उन सभी लोगों को पार्टी से निकाल दिया गया, जिनका व्यक्तित्व उनसे बड़ा था और जिनमें सामाजिक भावनाएं थीं। अगर वे सभी लोग आम आदमी पार्टी में होते, तो आम आदमी पार्टी भाजपा और कांग्रेस के लिए एक बड़ी चुनौती बन सकती थी।

# राज्य बनने के बाद पहली बार आरंग में खिला कमल, भाजपा के संदीप जैन बने नगर पालिका अध्यक्ष

■ 17 में से 10 वार्डों में भी जमाया कब्ज़ा

**आरंग।** छत्तीसगढ़ नगरीय निकाय चुनाव रुझान साफ होने लगे हैं। नगर निगम की 10 सीटों में बीजेपी ने 7 पर जीत दर्ज कर ली है, वहीं 3 पर बंपर बढ़त बनाई हुई है। आरंग नगर पालिका चुनाव में छत्तीसगढ़ राज्य गठन के बाद पहली बार भाजपा का अध्यक्ष बना है। यहां संदीप जैन ने कांग्रेस के मंगलमूर्ति अग्रवाल को 3,516 मतों के अंतर से हराकर यह ऐतिहासिक जीत हासिल की। वहीं, नगर पालिका के 17 में से 10 वार्डों में भी बीजेपी ने जीत हासिल की है, जबकि कांग्रेस ने 5 और शिवसेना ने 2 वार्डों पर कब्जा जमाया है।

आरंग नगर पालिका का चुनाव परिणाम

01 खिलावन निषाद (कांग्रेस) 02 उमाकांत यादव (शिवसेना) 03 नरेंद्र लोधी (भाजपा) 04 ईश्वर पटेल (कांग्रेस) 05 दीक्षा सूरज सोनकर (कांग्रेस) 06 खुशबू राकेश शर्मा (शिवसेना) 07 समीर गोरी (कांग्रेस) 08 भानमती राकेश सोनकर (भाजपा) 09 पुष्कर साहू (भाजपा) 10 संतोष लोधी (भाजपा) 11 गोलू वीरेंद्र कंडरा (भाजपा) 12 सुनीता धुरंधर (भाजपा) 13 चित्ररेखा विक्रम परमार (भाजपा) 14 शरद गुप्ता (कांग्रेस) 15 ध्रुव कुमार मिर्धा (भाजपा) 16 सेवती साहू (भाजपा) 17 हीरामन कोशले (भाजपा)।

### भाजपा कार्यकर्ताओं में जश्न का माहौल

आरंग में भाजपा की यह जीत राजनीतिक समीकरणों में बड़ा बदलाव मानी जा रही है। इससे पहले यहां कांग्रेस का वर्चस्व था, लेकिन इस चुनाव में मतदाताओं ने भाजपा को बहुमत देकर नया संदेश दिया है। इस ऐतिहासिक जीत के बाद भाजपा कार्यकर्ताओं में जबरदस्त उत्साह देखा जा सकता है। समर्थक आतिशबाजी कर और मिठाई बांटकर खुशियां मना रहे हैं।

## धमतरी में भाजपा प्रत्याशी जगदीश रामू रोहरा जीते, 34 हजार से ज्यादा वोटों से हुए विजयी

**धमतरी।** धमतरी नगर निगम में भाजपा से महापौर प्रत्याशी जगदीश रामू रोहरा ने जीत दर्ज कर ली है। रोहरा 34085 वोटों से जीते हैं।

**किस प्रत्याशी को मिले कितने वोट-** आशीष रात्रे-4580, रामू रोहरा-38665, महेश कुमार रावटे -877, महेश साहू-583, आवेश हाशमी-3630, फिरोज खान- 304, गगन कुंभकार-797, तिलक राज सोनकर-423, नोटा-1789।

51 वर्षीय जगदीश रामू रोहरा धमतरी शहर के विवेकानंद नगर के निवासी हैं। बीकॉम स्नातक जगदीश रामू रोहरा के राजनीतिक सफर की बात करें तो 2003 से भाजपा कार्यकर्ता के रूप में काम कर रहे हैं। 2010 से 2015 तक पार्टी के जिला कोषाध्यक्ष रहे। 2015 से 2019 तक भाजपा जिला अध्यक्ष रहे। वहीं 2019 से 2024 तक प्रदेश मंत्री रहे। 2024 से वे भाजपा के प्रदेश महामंत्री हैं। इस तरह से जगदीश रोहरा को अपना प्रत्याशी घोषित कर भाजपा ने उनके 22 साल के समर्पण को याद किया है। धमतरी में मतदान से पहले ही कांग्रेस को झटका लग चुका था। यहां पर महापौर प्रत्याशी विजय गोलछा का नामांकन निरस्त हो गया था। भाजपा ने गोलछा को निगम का ठेकेदार बताकर आपत्ति जताई थी। इस मामले में सुनवाई के बाद रिटर्निंग अधिकारी ने कांग्रेस से महापौर प्रत्याशी का नामांकन निरस्त कर दिया था। इस पर कांग्रेस ने रायपुर में प्रेसवार्ता कर भाजपा सरकार पर हमला बोला था। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने भाजपा पर सत्ता का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया था। उन्होंने कहा था कि कांग्रेस प्रत्याशियों को चुनाव लड़ने से रोकने के लिए भाजपा कई तरह के हथकंडे अपना रही है। बैज ने कहा था कि कांग्रेस प्रत्याशियों के साथ पार्टी पूरी मजबूती से खड़ी है। इस मामले को लेकर कोर्ट जाएंगे। न्यायालय पर पूरा भरोसा है, फैसला हमारे पक्ष में आएगा।

## कांकेर नगर पालिका में भाजपा ने ढहाया कांग्रेस का अभेद किला

**कांकेर।** कांकेर नगर पालिका में भाजपा ने कांग्रेस के अभेद किले को भेद दिया है। यहां पर भाजपा के अरुण कौशिक ने कांग्रेस के जितेंद्र सिंह ठाकुर को 3807 से मतों से हरा दिया है। यह पहली बार है जब कांकेर नगर पालिका में भाजपा का कब्जा हुआ है। जीत के बाद भाजपा कार्यकताओं ने जश्न शुरू कर दिया है। कांकेर नगर पालिका में 50 साल से कांग्रेस का कब्जा था। लेकिन इस बार शहर की जनता ने भाजपा को अपना आशीर्वाद दिया है। भाजपा के अरुण कौशिक को 10 हजार 309 मत मिले। जबकि कांग्रेस के जितेंद्र सिंह ठाकुर को 6 हजार 502 वोट मिले। शहर के 21 वार्ड में से 11 में भाजपा और 10 में कांग्रेस प्रत्याशियों ने जीत दर्ज की है। भाजपा प्रत्याशी अरुण कौशिक ने कहा कि शहर की जनता ने उन्हें आशीर्वाद दिया है, एक माह के अंदर शहर का विकास दिखने लगेगा।

**देखिए वार्डवार विजयी प्रत्याशियों की सूची**

1- उदय नगर - कांग्रेस, 2- संजय नगर - भाजपा, 3- अलबेला पारा - भाजपा, 4- आमापारा - भाजपा, 5- शीतलापारा - कांग्रेस, 6- शिवनगर - भाजपा, 7- महुरबंदपारा - कांग्रेस, 8- जवाहरवार्ड - भाजपा, 9- श्रीरामनगर - कांग्रेस, 10- भडांरी पारा - कांग्रेस, 11- माहदेव वार्ड- कांग्रेस, 12- मांझा पारा- भाजपा, 13- सुभाष वार्ड - भाजपा, 14- अन्नपूर्णा पारा- भाजपा, 15- एमजी वार्ड - भाजपा, 16- शांति नगर - कांग्रेस, 17- कंकालिन पारा - कांग्रेस, 18- बरदेभाटा - कांग्रेस, 19- अघननगर - भाजपा, 20- जनकपुर वार्ड - भाजपा, 21- राजापारा - कांग्रेस।

## बिलासपुर नगर निगम में भाजपा की वापसी

■ पूजा विधानी ने प्रमोद नायक को 66 हजार से अधिक वोटों से दी मात

**बिलासपुर।** बिलासपुर नगर निगम में पांच साल बाद भाजपा की वापसी हो गई है। विपरित परिस्थितियों के बावजूद यहां पर भाजपा प्रत्याशी पूजा विधानी ने जीत दर्ज कर ली है। उन्होंने कांग्रेस के प्रमोद नायक को 66 हजार से ज्यादा वोटों से मात दी है। एमए पास पूजा विधानी नगर निगम नेता प्रतिपक्ष अशोक विधानी की पत्नी हैं। वे 1996 से भाजपा की सक्रिय सदस्य हैं। 1998 में पहली बार पार्षद बनीं थी। महिला मोर्चा में 2 बार प्रदेश महामंत्री रही हैं।

बता दें कि बिलासपुर नगर निगम में भाजपा और कांग्रेस के बीच मुकाबला मतदान से पूर्व तक बराबरी का था, लेकिन मतदान के बाद का रुझान भाजपा के पक्ष में आया गया। बिलासपुर में विपरीत परिस्थितियों के बावजूद भाजपा प्रत्याशी पूजा विधानी ने जीत दर्ज की। इसके पीछे अमर अग्रवाल की कारगर रणनीति अहम वजह है। वहीं कांग्रेस को भीतरघात ने कहीं ना कहीं नुकसान पहुंचाया है। शहर के 70 वार्डों में भाजपा को 45 और कांग्रेस को 22 सीटें मिलने का अनुमान था।

बता दें कि चुनाव प्रचार के दौरान पूजा विधानी की जाति का मामला भी उछला था। उनके जाति प्रमाण पत्र पर कांग्रेस ने आपत्ति दर्ज कराई थी। निर्वाचन आयोग ने आपत्ति को स्वीकार करते हुए पूजा विधानी को शाम

पांच बजे तक संबंधित दस्तावेज जमा करने का निर्देश दिया था। भाजपा प्रत्याशी पूजा विधानी के नामांकन दाखिल करने के बाद कांग्रेस ने बाकायदा प्रेस कांफ्रेंस कर पूजा विधानी के जाति प्रमाण पत्र को लेकर सवाल उठाए थे। वहीं प्रशासन पर बीजेपी प्रत्याशी का प्रमाण पत्र नहीं दिए जाने का आरोप लगाते हुए इस पर आगे की कार्रवाई करने की बात कही थी।

वहीं पूजा विधानी ने जाति पर उठाई गई आपत्ति को निराधार बताते हुए कहा था कि मैं उड़िया-तेलगु हूं। मेरा बिलासपुर में जन्म हुआ है, मेरी शिक्षा यहीं की है। मेरा जाति प्रमाण पत्र 1995 का बना हुआ है, उसमें एसडीएम का अनुमोदन भी है। पूजा विधानी ने इसके साथ कहा था कि कांग्रेस डरी हुई है, जिसकी वजह से इस तरह के हथकंडे अपना रही है। चुनाव समर में उतरे हैं तो मेहनत के साथ, जनता के मुद्दों के साथ मुकाबला करना चाहिए। कांग्रेस ने मुझे और अशोक विधानी को हीरो-हीरोइन बना दिया है।

## 25 साल बाद बेटे ने लिया पिता की हार का बदला

### पूर्व विधायक को दी पटखनी

**महासमुंद।** प्रदेश में नगरीय निकाय चुनाव के परिणाम आज घोषित हो रहे हैं। नतीजे पूरी तरह से भगवामय नजर आ रहे हैं। इस बीच ऐसा भी नतीजा देखने को मिला, जिसने सबसे ज्यादा चौंकाया है। एक ओर जहां निकायों में भाजपा का कब्जा नजर आ रहा है। वहीं दूसरी तरफ महासमुंद नगर पालिका में बीजेपी के पूर्व विधायक विमल चोपड़ा को हार का सामना करना पड़ा है। कांग्रेस प्रत्याशी निखिल कांत साहू ने चुनावी मैदान में विमल चोपड़ा को पटखनी दी है। सन 2000 में डॉ विमल चोपड़ा ने निखिल कान्त साहू के पिता मनोज कान्त साहू को एक हजार वोटों से शिकस्त देकर पहली बार चुनाव जीता था। उसी कांग्रेस नेता के बेटे निखिल कांत साहू ने करीब 3500 वोटों से चुनाव जीतकर अपने पिता मनोज की हार का बदला ले लिया है। डॉ विमल चोपड़ा के सियासी सफर की बात करें तो उन्होंने सन 2000 में बीजेपी की टिकट पर नगर पालिका अध्यक्ष का चुनाव लड़ा था, जिसमें जीत मिली थी। फिर 2005 में बीजेपी ने उन्हें टिकट नहीं दिया तो निर्दलीय चुनाव लड़े और

जीत गए इसके बाद 2014 में निर्दलीय विधायक के रूप में महासमुंद विधानसभा चुनाव जीते। अब बीजेपी ने फिर से उन्हें 2025 में नगर पालिका अध्यक्ष पद का उम्मीदवार बनाया था, जिसके उनको हार का सामना पड़ा है। कांग्रेस प्रत्याशी निखिल कांत साहू ने 3554 वोट से हराया है।

बता दें कि महासमुंद नगर पालिका परिषद क्षेत्र ने 47178 मतदाता है। जिनमें से 24915 महिला मतदाता है और 22254 पुरुष मतदाता के अलावा 9 तृतीय लिंग के मतदाता है। महासमुंद नगर पालिका परिषद में 30 वार्डों में भाजपा कांग्रेस आम आदमी पार्टी और निर्दलीय के रूप में 100 से अधिक उम्मीदवारों ने पार्षद पद के लिए अपना भाग्य आजमाया। वहीं नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष पद के लिए 5 प्रत्याशी मैदान में थे।

## रायगढ़ नगर निगम महापौर पद सम्हालेगा चाय वाला चौहान

**रायगढ़।** हाल ही में संपन्न हुए निकाय चुनाव में जनता ने भारतीय जनता पार्टी के पार्षद प्रत्याशियों के पक्ष में जमकर मतदान किया है। जो चुनाव परिणाम आए है उनमें सत्तारुढ़ भारतीय जनता पार्टी ने महापौर पद के साथ 32 सीटें हासिल की है। कांग्रेस को 12 तथा अन्य 4 प्रत्याशी विजयी हुए है जिनमें एक बसपा का भी प्रत्याशी शामिल है।

रायगढ़ महापौर पद के लिए भाजपा ने अपने सक्रिय कार्यकर्ता और चाय की दुकान चलाने वाले जीवर्धन चौहान को मैदान में उतारा था। जीवर्धन चौहान ने अपने निकट्तम प्रतिद्वंदी को 32 हजार से भी अधिक मतों से पराजित किया।

पार्षद का परिणाम

वार्ड नंबर 1 से बीजेपी के डिग्रीलाल साहू जीते, वार्ड नंबर 2 से बीजेपी की नेहा देवांगन जीती, वार्ड क्रमांक 3 से कांग्रेस के प्रदीप उर्फ राजू टोप्पो जीते, वार्ड नंबर 4 से कांग्रेस के अमृत काटजू जीते, वार्ड नंबर 5 से बीजेपी की सुमित्रा खोलू सारथी जीती,

वार्ड क्रमांक 6 से कांग्रेस रेखा देवी जीती, वार्ड नंबर 7 से कांग्रेस के आरिफ हुसैन जीते, वार्ड नंबर 8 से बीजेपी ज्योति यादव जीती, वार्ड नंबर 9 से बीजेपी के अमित शर्मा जीते, वार्ड नंबर 10 से बीजेपी के नब्बू खान जीते, वार्ड नंबर 11 से बीजेपी की अन्नू सारथी जीती, वार्ड नंबर 12 से कांग्रेस के जयंत ठेठवार जीते, वार्ड 13 से कांग्रेस के लक्ष्मी साहू चुनाव जीते, वार्ड क्रमांक 14 से कांग्रेस की अनुपमा शाखा यादव जीती,

वार्ड क्रमांक 15 से कांग्रेस के विकास ठेठवार जीते, वार्ड क्रमांक 16 से भाजपा के अशोक यादव जीते, वार्ड क्रमांक 17 से कांग्रेस के सलीम नियारिया चुनाव जीते, वार्ड क्रमांक 19 से भाजपा के सुरेश गोयल जीते, वार्ड नंबर 20 से बीजेपी के हरि सराफ जीते, वार्ड नंबर 21 से अजय शंकर मिश्रा निर्दलीय जीते, वार्ड

नंबर 22 से सरिता केशव बीजेपी से जीती, वार्ड नंबर 23 से बीजेपी के पंकज कंकरवाल जीते, वार्ड नंबर 24 से त्रिवेणी डहरे बीजेपी से जीती, वार्ड नंबर 25 से बीजेपी की श्वेता क्षत्रिय जीती, वार्ड नंबर 26 से बीजेपी की सरिता राजेंद्र ठाकुर जीती, वार्ड नंबर 27 से बीजेपी के आशीष ताम्रकार जीते, वार्ड नंबर 28 से कांग्रेस के अक्षय कुलदीप सिर्फ 2 वोट से जीते, वार्ड नंबर 29 से बीजेपी की जानकी भारद्वाज जीती, वार्ड नंबर 30 से बीजेपी के मुक्तिनाथ बबुआ जीते, वार्ड नंबर 31 से त्रिनिशा चौहान बीजेपी से जीती, वार्ड नंबर 32 से बीजेपी के नरेश पटेल जीते, वार्ड नंबर 33 से बहुजन समाज पार्टी के अमरनाथ रात्रे जीते, वार्ड नंबर 34 यादराम साहू भाजपा से जीते, वार्ड नंबर 35 से कांग्रेस की ज्योति बबलू बरेठ जीती, वार्ड नंबर 36 से बीजेपी के विजय चौहान जीते, वार्ड क्रमांक 37 से कांग्रेस रमेश दुतिया जीते, वार्ड नंबर 38 से कुंदन देहरी बीजेपी से जीते, वार्ड क्रमांक 39 संगीता मुक्कू यादव बीजेपी सी जीती, वार्ड 40 बीजेपी की शोभा अरुण देवांगन जीती, वार्ड नंबर 41 से बीजेपी की आशा खडिया जीती, वार्ड नंबर 42 से उसतराम भट्ट निर्दलीय जीते,

वार्ड नंबर 43 से विष्णु पटेल बीजेपी से जीते, वार्ड नंबर 44 मोनिता पटेल बीजेपी से जीती, वार्ड नंबर 46 से बीजेपी के आनंद भगत जीते, वार्ड नंबर 47 से बीजेपी की संतोषी पदुमलाल परजा जीती, वार्ड नंबर 48 से बीजेपी के महेश शुक्ल जीते।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

### आईईडी ब्लास्ट में कोबरा का जवान हुआ जख्मी

**बीजापुर।** बीजापुर में उसूर ब्लॉक के नम्बी कैम्प कुछ दूर पर प्रेशर आईईडी के ब्लास्ट होने से एक कोबरा का जवान जख्मी हो गया है। उसे बेहतर इलाज के लिए रायपुर रेफर किया गया है। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक के उसूर थाना के नम्बी कैम्प से कोबरा 202 की टीम एरिया डॉमिनेशन पर निकली थी। ड्यूटी के दौरान नक्सलियों के द्वारा प्लांट की गई प्रेशर आईईडी के ब्लास्ट होने से इसकी जद में आकर कोबरा 202 का जवान आरक्षक अरुण कुमार यादव जख्मी हो गये। घायल आरक्षक को बीजापुर लाया गया, यहां से उसे बेहतर इलाज के लिए रायपुर रेफर किया गया है। घायल जवान की हालत खतरे से बाहर बताई गई है।

### राजनांदगांव में मधुसूदन यादव पुनः महापौर बने

**राजनांदगांव।** आज से दस साल पहले महापौर रहे मधुसूदन यादव ने फिर से महापौर का चुनाव जीत लिया है। ऐतिहासिक जीत के साथ भाजपा प्रत्याशी मधुसूदन यादव ने कांग्रेस उम्मीदवार निखिल द्विवेदी को 43,500 के बड़े अंतरों से मात दी है। वहीं वार्डों में भी कांग्रेस भाजपा की आंधी के सामने टिक नहीं पाई। मात्र 3 से 4 निर्दलीय पार्षद निर्वाचित हुए हैं। इधर जिले के निकायों में भी भाजपा ने सफलता हासिल की है। डोंगरगढ़ नगर पालिका में भाजपा उम्मीदवार रमन डोंगरे ने कांग्रेस की नलिनी मेश्राम को पराजित किया है। छुरिया, डोंगरगांव नगर पंचायत में भी भाजपा के सामने कांग्रेस प्रत्याशी अपनी हार नहीं बचा पाए। राजनांदगांव नगर निगम के 51 वार्डों में से 40 वार्डों में भाजपा ने कब्जा कर लिया है। कांग्रेस दहाई के अंक तक नहीं पहुंच सकी।चुनावी परिणाम में 25 साल से पार्षद रहे कुलबीर छाबड़ा को अप्रत्याशित तरीके से हार झेलनी पड़ी। उन्हें भारतीय इंजीनियरिंग सर्विस से त्यागपत्र देकर चुनावी मैदान में उतरे शेंकी बग्गा ने लगभग 500 मतों से पराजित किया।

### बोदरी से नीलम विजय वर्मा अध्यक्ष पद के लिए निर्वाचित

**बिलासपुर।** बोदरी नगर पंचायत अध्यक्ष पद पर आम आदमी पार्टी की जीत हुई है। कांग्रेस से बगावत कर आम आदमी पार्टी से चुनाव लडने वाले विजय वर्मा ने 270 मतों के साथ जीत दर्ज की है। नगर पंचायत में 9 भाजपा प्रत्याशियों की जीत हासिल हुई है। जबकि आम आदमी पार्टी के 4 प्रत्याशियों ने जीत हासिल किया है। दो सीट पर कांग्रेस प्रत्याशी को जीत मिला। इसके अलावा बिल्हा नगर पंचायत में भाजपा का कमल खिल गया है। अध्यक्ष प्रत्याशी वन्दना जेन्द्रे ने जीत हासिल की है। 15 सदस्यीय नगर पंचायत की 10 सीटों पर भाजपा को जीत मिली है। जबकि कांग्रेस को मात्र सीट से संतोष करना पड़ा है। मल्हार नगर पंचायत में भाजपा ने परचम लहराया है। नगर पंचायत पद पर भाजपा प्रत्याशी धनेश्वरी कैवर्त ने कब्जा किया है। भाजपा की धनेश्वरी कैवर्त ने 443 मतों से जीत हासिल की है। नगर पंचायत में भाजपा के 10 कांग्रेस के 4 और एक निर्दलीय प्रत्याशी को जीत मिली है।

### बलौदाबाजार नपा में 2 भाजपा व एक में निर्दलीय का कब्जा

**बलौदाबजार-भाटापारा।** जिले के 3 नगर पालिका में 2 में भाजपा भाजपा के प्रत्याशी विजयी हुए वहीं एक पर निर्दलीय की जीत हुई है। वहीं 5 नगर पंचायत में 3 में भाजपा व 2 में कांग्रेस ने जीत हासिल किया। बलौदाबाजार नगर पालिका... बीजेपी प्रत्याशी अशोक जैन, भाटापारा नगर पालिका... बीजेपी प्रत्याशी अश्वनी शर्मा, सिमगा नगर पालिका... निर्दलीय प्रत्याशी हरदीप सिंह, 5 नगर पंचायत में 3 में बीजेपी 2 में कांग्रेस, 1. कसडोल नगर पंचायत में भाजपा प्रत्याशी नागेश्वर साहू को मिली जीत, 2. टुंडरा नगर पंचायत में भाजपा प्रत्याशी छतराम साहू को मिली जीत, 3. पलारी नगर पंचायत में कांग्रेस प्रत्याशी गोपी साहू को मिली जीत, 4. लवन नगर पंचायत भाजपा प्रत्याशी शिवमंगल चौहान, 5. रोहंसी नगर पंचायत कांग्रेस प्रत्याशी नंदेश्वर।

**फरसगांव नपं में कांग्रेस-भाजपा ने जीते 7-7 सीट**

फरसगांव नगर पंचायत में कांग्रेस और भाजपा ने 7- 7 सीटें जीती है जबकि एक पर निर्दलीय ने जीत हासिल किया है।

### दुष्कर्म के आरोपी को पुलिस ने भेजा जेल

**रायगढ़।** छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में बालिका से दुष्कर्म मामले में फरार चल रहे आरोपी को पुलिस ने आज गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। इस मामले में परिजनों ने 9 मई 2024 घरघोड़ा थाने में नाबालिग के लापता होनें की रिपोर्ट लिखाई थी। मिली जानकारी के अनुसार जाफर खान (23) ने बालिका को बहला-फुसलाकर अपने साथ भगाया और उसे झारखंड के गढ़वा जिले में अपने घर में रखा। 23 दिसंबर 2024 को पुलिस ने गढ़वा में दबिश देकर नाबालिग को आरोपी के घर से बरामद किया, लेकिन उस समय आरोपी और उसके परिजन फरार हो गए थे। बालिका की सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए महिला पुलिस अधिकारी ने उसका बयान दर्ज किया और काउंसलिंग की। इसके आधार पर पुलिस ने आरोपी पर अपहरण के साथ-साथ दुष्कर्म की धाराएं जोड़ते हुए धारा 376(2)(ढ), 342, 34 भादंवि और पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज किया। पुलिस जांच में यह भी खुलासा हुआ कि आरोपी अपने माता-पिता की मदद से बंधक बनाकर रखा।

## कांग्रेस के कुशासन को जनता ने नकारा, भाजपा के काम की बदौलत मिली जीत : लखनलाल देवांगन

**कोरबा।** नगर पालिका निगम कोरबा में बीजेपी एक लैंडस्लाइड जीत की तरफ बढ़ रही है। नगर निगम कोरबा के लिए यह छठवां चुनाव है। जीत का अंतर कभी भी पांच से दस हजार वोट से अधिक नहीं रहा। इस बार बीजेपी की संजू देवी राजपूत ने चौथे राउंड के बाद कांग्रेस प्रत्याशी उषा तिवारी से लगभग 40000 वोट की बढ़त बना रही हैं। कोरबा के विधायक और कैबिनेट मंत्री लखन लाल देवांगन ने ईटीवी भारत से खास बातचीत की और बताया कि 10 साल से कोरबा नगर पालिका निगम में कांग्रेस का राज था। इनके कुशासन को जनता ने नकार दिया है।

मंत्री लखनलाल देवांगन ने कहा कि ये जीत भाजपा की ईमानदारी की जीत है। अल्प समय में विष्णुदेव की सरकार ने मोदी की गारंटी को पूरा

किया है। नगर पालिका निगम कोरबा में 10 साल से कांग्रेस का राज था। भ्रष्टाचार का बोलबाला था। बीजेपी ने जो ईमानदारी से काम किया है, उसका हमें लाभ मिला है। ना सिर्फ महापौर बल्कि कुल 67 वार्ड में से 50 वार्ड बीजेपी के पार्षद भी जीत रहे हैं। बड़े अंतर से हम जीत दर्ज करने जा रहे हैं।

कांग्रेस से कहां चूक हुई, इस प्रश्न के उत्तर पर मंत्री लखन लाल देवांगन ने कहा कि कांग्रेस की चूक को मैं नहीं बता सकता। कांग्रेस से कहां चूक हो गई, यह उनसे पूछिए। मंत्री ने कहा कि %%हमने काम किया है, और हमारी ईमानदारी से किए गए काम का प्रतिसाद हमें चुनाव में मिला है।%% देवांगन ने यह भी कहा कि जनता ने हमें एक तरफा वोट किया है, इसके दम पर हम अब शहर की सरकार बनाएंगे।

## जांजगीर चांपा नगरीय निकाय चुनाव में छह पर भाजपा का कब्जा

■ दो कांग्रेस, एक बसपा और दो निर्दलीय अध्यक्षों की जीत

**जांजगीर चांपा।** जांजगीर चांपा जिले के 11 नगरीय निकाय जिसमें 3 नगर पालिका और 8 नगर पंचायत आते है जिसमें नगर पालिका जांजगीर नैला में भाजपा की सरकार,चांपा में भाजपा की सरकार,अकलतरा में निर्दलीय ऑटो चिन्ह ने अपना दबदबा बनाया है। वहीं 8 नगर पंचायत में से बलौदा में कांग्रेस की अध्यक्ष, पामगढ़ में बसपा का अध्यक्ष, सारागांव में कांग्रेस का अध्यक्ष, रहौद में भाजपा का अध्यक्ष, शिवरीनारायण में भाजपा का अध्यक्ष, खरौद में भाजपा का अध्यक्ष, नरियारा में निर्दलीय अध्यक्ष नवागढ़ में भाजपा की अध्यक्ष जीत चुके है। सभी जीते हुए अध्यक्ष और जीते पार्षदों को निर्वाचन आयोग की ओर से प्रमाण पत्र दिया गया है।

### इस प्रकार है सूची

नपा जांजगीर नैला में अध्यक्ष पद के लिए भाजपा प्रत्याशी रेखा देवा गढ़ेवाल से जीते, बीजेपी 15, कांग्रेस 09, निर्दलीय 01। नपा चांपा में अध्यक्ष पद के लिए भाजपा

प्रत्याशी प्रदीप नामदेव जीते, बीजेपी 19, कांग्रेस 07, निर्दलीय 01। नगर पालिका अकलतरा दीप्ति रोहित सारथी निर्दलीय प्रत्याशी की जीते बीजेपी 11, कांग्रेस 06, निर्दलीय 02, टाई 01। नगर पंचायत बलौदा में अध्यक्ष पद के लिए कांग्रेस प्रत्याशी कविता डहरिया जीते, बीजेपी 09, कांग्रेस 05, निर्दलीय 01। नगर पंचायत पामगढ़ में अध्यक्ष पद के लिए गौरी छोटू जांगड़े बसपा प्रत्याशी जीते, बीजेपी 03, कांग्रेस 03, निर्दलीय 03, बसपा 06। नगर पंचायत सारागांव में अध्यक्ष पद के लिए कांग्रेस प्रत्याशी छबि सूर्यवंशी जीते, बीजेपी 03, कांग्रेस 08, निर्दलीय 04। नगर पंचायत राहौद में अध्यक्ष पद के लिए भाजपा प्रत्याशी प्रतिभा शैल कश्यप जीते, बीजेपी 10, कांग्रेस 05। नगर पंचायत शिवरीनारायण में अध्यक्ष पद के लिए भाजपा प्रत्याशी जीते, बीजेपी 10, कांग्रेस 03, निर्दलीय 02। नगर पंचायत खरौद में अध्यक्ष पद के लिए भाजपा प्रत्याशी जीते, बीजेपी 10, कांग्रेस 04, निर्दलीय 01। नगर पंचायत नरियरा अध्यक्ष राधिका सहगल निर्दलीय प्रत्याशी जीते बीजेपी 05, कांग्रेस 07, निर्दलीय 03। नगर पंचायत अध्यक्ष नवागढ़ अर्चना राजकुमार देवांगन जीते बीजेपी 09, कांग्रेस 05, निर्दलीय 01, एक वार्ड 14 में में चुनाव स्थगित।

### बलरामपुर नगर पालिका में भाजपा अध्यक्ष प्रत्याशी जीता 767 वोट से

**बलरामपुर।** बलरामपुर नगर पालिका में भाजपा ने कब्जा कर लिया है। यहां बीजेपी से अध्यक्ष प्रत्याशी लोधी राम एक्का ने 767 वोट से जीत दर्ज की है। इस नगर पालिका परिषद में 15 वार्ड हैं। जहां बीजेपी के 10 पार्षद जीते हैं। वहीं कांग्रेस ने 3 वार्डों में कब्जा किया है जबकि 2 पार्षद निर्दलीय प्रत्याशी जीते हैं।

# नगरीय निकाय चुनावों में खिला कमल, कांग्रेस को लगा जोर का झटका

**रायपुर।** नगरीय निकाय चुनाव में बीजेपी ने जीत का डंका बजा दिया है। जीत की बीजेपी ने हैट्रिक लगाई है। विधानसभा और लोकसभा के बाद नगरीय निकाय चुनावों में कांग्रेस को पटखनी दी है। बीजेपी के बेहतर प्रदर्शन पर सीएम विष्णु देव साय ने प्रेस कांफ्रेंस की। सीएम ने कहा कि हमारे काम पर जनता ने भरोसा किया है। जनता के भरोसे पर अब हमें खरा उतरना है। सीएम ने जनता को धन्यवाद देते हुए कहा कि वोटरों ने मोदी की गारंटी पर मुहर लगाई है। सरकार के काम काज पर भरोसा जताया है।

सीएम ने कांग्रेस के आरोपों पर पलटवार करते हुए कहा कि ठगने के लिए हमने अटल विश्वास पत्र नहीं लाया है। जनता के हित के लिए अटल विश्वास पत्र लाया है। सीएम ने कहा कि इस जीत का असली श्रेय जनता जनार्दन को जाता है। जनता ही असली अभिनंदन की पात्र है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हम लोगों ने घोषणा पत्र को अटल विश्वास पत्र का नाम दिया। हम भविष्य में अटल विश्वास पत्र को सामने रखकर काम करेंगे। जनता ने भी हमारे वादों पर ऐतबार किया है। जो भी वादे हमने जनता से किए हैं वो जरुर पूरे करेंगे। निकाय चुनाव के दौरान कांग्रेस ने बीजेपी के अटल विश्वास पत्र को लेकर खूब आलोचना की थी। कांग्रेस ने यहां तक कह दिया था कि मोदी जी की गारंटी पर जनता को भरोसा नहीं है इसलिए अब अटल विश्वास पत्र लेकर आए हैं।

विष्णु देव साय ने कहा कि कांग्रेस ने मेयर पद के चुनाव के लिए जिस तरीके से जनता के जनादेश का

धोखा किया था उसे कोई भूल नहीं सकता है। सीएम ने कहा कि हमारी सरकार ने अध्यक्ष और मेयर का चुनाव सीधे जनता से अधिकार देकर करवाया। आज उनका विश्वास हमारे प्रति बढ़ा है और यह ऐतिहासिक विजय मिली है। सीएम ने कहा कि जो पिछली बार मेयर बने इस बार पार्षद भी नहीं बन पाए। सीएम ने कहा कि रायपुर नगर निगम में हम जीत के करीब हैं। कई जगहों पर हम आगे हैं।

### पाटन सहित पूरे दुर्ग जिले में कांग्रेस का सूपड़ा साफ

नगरीय निकाय चुनाव में भाजपा की सुनामी में कांग्रेस के अनेक गढ़ ढहे हैं, लेकिन सबसे ज्यादा चर्चा पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के गढ़ माने जाने वाले पाटन की होगी। पाटन नगर पंचायत अध्यक्ष पद के चुनाव में भाजपा के योगेश निक्की भाले ने 600 से ज्यादा मतों के अंतर से जीत हासिल कर नई इबारत लिख दी है।

पाटन क्षेत्र पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के दिल के कितने करीब है, इसका नजारा पाटन नगर पंचायत अध्यक्ष पद के चुनाव के दौरान देखने को मिला था, जब अध्यक्ष पद के प्रत्याशी लक्ष्मी नारायण पटेल के नामांकन रैली में स्वयं भूपेश बघेल शामिल हुए थे। लेकिन आखिरकार मैदान में भाजपा प्रत्याशी योगेश निक्की भाले की पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ की गई मेहनत काम आई और 600 से अधिक मतों के अंतर से लक्ष्मी नारायण को शिकस्त दी।

**वार्डों में भी भाजपा का वर्चस्व-** नगर पंचायत पाटन वार्डों में भी भाजपा कांग्रेस की तुलना में 20 ही रही। 15 वार्डों में से आठमें भाजपा प्रत्याशियों ने जीत हासिल की, वहीं कांग्रेस के सात प्रत्याशी जीतने में कामयाब रहे। भाजपा ने जीत वार्डों में कब्जा किया, उनमें 1, 2, 3, 4, 11, 12, 13 और 15 शामिल हैं, वहीं कांग्रेस ने वार्ड 5, 6, 7, 8, 9, 10 और 14 में जीत हासिल की है।

### कांग्रेस के 'अंत की शुरुआत' : सुनील सोनी

छत्तीसगढ़ नगरीय निकाय चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की एकतरफा जीत से तमाम पार्टी के नेताओं से लेकर कार्यकर्ताओं की बांछे खिली हुई है। भाजपा विधायक सुनील सोनी ने इस ऐतिहासिक जीत पर बड़ा बयान देते हुए कहा कि यह कांग्रेस के 'अंत की शुरुआत' है।

विधायक सुनील सोनी ने मीडिया से चर्चा में कहा कि नतीजों का पता पहले ही लग गया था, इसलिए बघेल जी को आधी रात दिल्ली बुला लिया गया था। वहीं कांग्रेस के ईवीएम गड़बड़ी के आरोपों पर उन्होंने कहा कि जनता के जनादेश को स्वीकार न कर कांग्रेसी अकड़ते हैं। कांग्रेस अब इतना बिखर चुकी है कि छत्तीसगढ़ में समेटने दशक लगेंगे।

### भाजपा सरकार के कामों से बढ़ा जन विश्वास : मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय

नगरीय निकाय चुनाव में भाजपा की निर्णायक बढ़त के बाद मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की पहली प्रतिक्रिया आई है। उन्होंने ट्वीट कर कहा, प्रदेश के नगरीय निकाय चुनाव में भाजपा ऐतिहासिक जीत की ओर अग्रसर है। सीएम ने इस अभूतपूर्व जनादेश के लिए प्रदेश के मतदाताओं का आभार जताया है। सीएम साय ने कहा कि भाजपा के कर्मठ कार्यकर्ताओं ने जिस तरह डबल इंजन सरकार की उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाया, जिस तरह संगठन ने कुशल रणनीति के तहत इस चुनाव में भी भागीदारी की, यह निर्णायक बढ़त उसी का परिणाम है। भाजपा सरकार के कार्यों से जो जन विश्वास बढ़ा, वह जनादेश में बदलता दिख रहा है। हम और अधिक उत्साह के साथ जनाआकांक्षाओं पर खरा उतरने परिश्रम की पराकाष्ठा करेंगे।

## संक्षिप्त समाचार

### भाजपा के महापौर उम्मीदवार संजय 8 हजार 762 मतों से जीते

**जगदलपुर।** नगर पालिक निगम जगदलपुर में

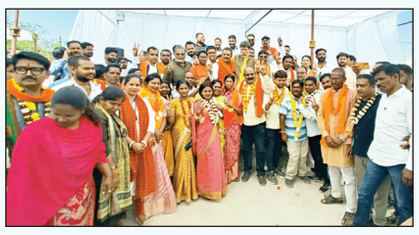

भाजपा के महापौर उम्मीदवार संजय पांडेय 8 हजार 762 मतों के अंतर से विजयी हुए हैं। उन्हें 38 हजार 38 वोट मिले, जबकि कांग्रेस के उम्मीदवार मलकीत सिंह गैदू को 29 हजार 276 वोट मिले हैं। वहीं, भाजपा के 30 वार्ड पार्षद जीतकर निगम पंहुचने में सफल रहे, जब कि कांग्रेस के 16 वार्ड पार्षद विजयी हुए, और 2 निर्दलीय पार्षद की जीत हुई है। 48 वार्ड पार्षद के लिए कुल 154 उम्मीदवार मैदान में थे। इसके अलावे महापौर के लिए तीन अन्य उम्मीदवारों में आम आदमी पार्टी के समीर खान को सबसे अधिक मात्र 760 मत प्राप्त हुए वहीं शिवसेना की पिंकी ठाकुर को मात्र 339 मत प्राप्त हुए हैं, एक निर्दलिय उम्मीदवार रोहित सिंह आर्य को मात्र 478 मत प्राप्त हुए हैं।

### चेंबर चुनाव समिति द्वारा अन्य जिलों में नियुक्त चुनाव अधिकारियों ने पदभार संभाला

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कामर्स एंड इंडस्ट्रीज के चेंबर चुनाव समिति द्वारा नियुक्त चुनाव अधिकारियों ने पदभार ग्रहण कर क्षेत्रीय स्तर पर चुनावी प्रक्रिया का क्रियान्वयन तेजी से कर रहे हैं जिसमें मतदान केंद्र से संबंधित व्यवस्थाओं से लेकर चुनाव कार्य हेतु पीठासीन अधिकारियों एवं मतदान अधिकारियों की उपलब्धता करवाने से लेकर प्रशासन के मध्य सेतु का काम कर रहे हैं। विदित हो कि अब तक चेंबर चुनाव समिति के मुख्य निर्वाचन अधिकारी श्री शिवराज भंसाली द्वारा विभिन्न जिलों से कुल 21 चुनाव अधिकारी नियुक्त किए गए हैं। जिनमें अंबिकापुर (सरगुजा) जिले से श्री बाबूलाल अग्रवाल, श्री अमित अग्रवाल, श्री राजेश सोनी, बिलासपुर जिले से श्री छेदीलाल सराफ, श्री घनश्याम दास लालवानी, श्री अजय सराफ, रायगढ़ जिले से श्री बाबूलाल अग्रवाल, श्री राजेश अग्रवाल, मनेंद्रगढ़ (एम.सी.बी) जिले से श्री रमेशचंद्र सिंग, श्री राजेश जायसवाल, धमतरी जिले से श्री निर्मल बरडिया, श्री अर्जुन जैसवानी, श्री राजेंद्र सिंह छाबड़ा, राजनांदगांव जिले से श्री योगेश खत्री, श्री आशीष कुमार सुरे, श्री समीर क्षत्री एवं भिलाई जिले से श्री गिरीश बंसल, श्री शिवराज शुक्ला, श्री बंशी अग्रवाल, श्री देवेंद्र भाटिया सहित श्री दिलीप अग्रवाल हैं।

### चिरमिरी नगर पालिका निगम चुनाव में कांग्रेस की हार, विनय जायसवाल हारे

**मनेंद्रगढ चिरमिरी भरतपुर।** इकलौते नगर पालिक निगम चिरमिरी में भाजपा ने ऐतिहासिक जीत दर्ज की है। अधिवक्ता रामनरेश राय ने कांग्रेस के प्रतिद्वंद्वी डॉ विनय जायसवाल को हराया। विनय जायसवाल को शुरु से मजजबूत प्रत्याशी माना जा रहा था। भाजपा के मेयर प्रत्याशी रामनरेश राय ने कांग्रेस प्रत्याशी डॉक्टर विनय जायसवाल को 5692 मतों से पराजित किया है। चिरमिरी नगर पालिका में खिला कमलन भाजपा के रामनरेश राय को 18,891 मत और कांग्रेस के डॉ। विनय जायसवाल को 13,199 मत पड़े। निर्दलीय बलदेव दास को 1976 वोट मिले। और निर्दलीय प्रेम शंकर सोनी को 1133 मत प्राप्त हुए। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने भाजपा प्रत्याशी की जीत के लिए भरपूर मेहनत की थी। श्याम बिहारी जायसवाल ने संभाला था मोर्चा चुनाव प्रचार से लेकर जीत की रणनीति बनाने तक में श्याम बिहारी जायसवाल का बड़ा योगदान रहा है। चुनाव प्रचार के दौरान श्याम बिहारी जायसवाल खुद मोर्चा संभाले हुए थे। कार्यकर्ताओं को एकजुट करने का काम भी जायसवाल ने किया। चिरमिरी नगर पालिका निगम में ऐतिहासिक जीत को लेकर बीजेपी कार्यकर्ताओं जोरदार उत्साह है। खुद श्याम बिहारी जायसवाल कई मौकों पर ये कह चुके थे कि यहां से जीत बीजेपी की होगी। जनता मोदी जी की गारंटी पर ही मुहर लगाएगी।

### ग्रामीण युवक की हत्या में शामिल 7 नक्सली गिरफ्तार

**दंतेवाड़ा।** अरनपुर थाना क्षेत्र अंर्तगत अरनपुर गांव में एक युवक की हत्या करने वाले 7 नक्सलियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। रात में घर में घुसकर इन्होंने पहले युवक को घर से घसीटकर बाहर निकाला था। फिर गला घोंटा और धारदार हथियार से काट डाला। वारदात के 11 दिन बाद पुलिस ने हत्या के 7 आरोपियों 1. नंदा सोड़ी , मिलिशिया सदस्य 2. जोगा मड़काम , मिलिशिया सदस्य 3. हांदा मरकाम, 4. नंदा सोरी , मिलिशिया सदस्य 5. नंदा मरकाम, मिलिशिया सदस्य 6. नंदा सोरी , मिलिशिया सदस्य 7. सुला हेमला , मिलिशिया सदस्य को पकड़ लिया है। मिली जानकारी के मुताबिक, 4 फरवरी की देर रात ककाड़ी के रहने वाले हड़मा हेमला के घर मलांगेर एरिया कमेटी के नक्सली पहुंच गए थे। उन्होंने पहले हड़मा को घर से बाहर निकाला, उस पर मुखबिरी का आरोप लगाकर उसकी हत्या कर दी। वारदात के बाद नक्सलियों ने घर के बाहर ही लाश फेंक दी थी। जिसके बाद गांव वालों ने इसकी सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस की जांच में मलांगेर एरिया कमेटी के नक्सलियों के शामिल होने की जानकारी के बाद जवानों को लगातार ऑपरेशन पर भेजा जा रहा था। जवान लगातार इलाके की सर्चिंग कर रहे थे। जिसके बाद इस हत्या की वारदात में शामिल कुछ लोगों को उसी गांव के अलग-अलग ठिकाने से पकड़ा गया।

## 10 में से पांच नगरीय निकायों में महिलाओं को प्रत्याशी नियुक्त कर भाजपा ने दिया बड़ा संदेश

**रायपुर।** एक तरफ केंद्र की मोदी सरकार जहां नारी शक्ति वंदन अधिनियम के तहत लोकसभा-विधानसभा में महिलाओं की भागीदारी एक-तिहाई सुनिश्चित करने का प्रयास कर रही है। इस अधिनियम के वास्तविकता में तब्दील होने में भले ही समय हो, लेकिन स्थानीय भाजपा नेतृत्व ने एक कदम आगे बढ़ते हुए 10 नगरीय निकायों में से पांच पर महिलाओं को महापौर प्रत्याशी बनाकर बड़ा संदेश दिया था। जनता ने भी भावनाओं की कद्र करते हुए सभी प्रत्याशियों की जीत सुनिश्चित कर शहर सरकार में महिलाओं की 50 प्रतिशत भागीदारी भी सुनिश्चित कर दी।

महापौर पद के लिए भाजपा की महिला प्रत्याशियों में से सबसे बड़ी जीत राजधानी रायपुर में रही, जहां मीनल चौबे ने कांग्रेस की दीप्ति चौबे को 1 लाख 53 हजार 290 मतों के अंतर से पराजित किया। मीनल चौबे को 315835 वोट और कांग्रेस प्रत्याशी दीप्ति दुबे को 162545 वोट मिले।

भाजपा ने रायपुर जैसी अहम नगरीय निकाय के साथ-साथ दुर्ग, बिलासपुर कोरबा और अंबिकापुर से महापौर पद के लिए महिला प्रत्याशी को मैदान में

उतारा था। दुर्ग नगर निगम में भाजपा की अल्का बाघमार ने कांग्रेस की प्रेमलता साहू को 67 हजार मतों के अंतर से पराजित किया।

इसी तरह से कोरबा नगर निगम में भाजपा की संजू देवी ने कांग्रेस की उषा तिवारी को 52 हजार मतों के अंतर से पराजित किया। वहीं बिलासपुर में भाजपा प्रत्याशी पूजा विधानी ने कांग्रेस के महापौर प्रत्याशी प्रमोद नायक को 66,179 मतों के अंतर से पराजित कर कड़े संघर्ष की बात कह रहे राजनीतिक पंडितों के मुंह पर तमाचा मारा।

वहीं अंबिकापुर में भाजपा की मंजूषा भगत ने डॉ। अजय तिर्की के तिलस्म को तोड़ते हुए 11,063 मतों के अंतर से जीत हासिल की। अंबिकापुर नगर निगम एक ऐसा नगर निगम था, जहां के जानकार कांग्रेस की जीत के कयास लगाए हुए थे। लेकिन चुनाव परिणाम ने तस्वीर ही उलट दी।

## निकाय में सत्ताधारी पार्टी के ही मेयर जीतकर आते हैं : सिंहदेव

**अंबिकापुर।** प्रदेश के नगरीय निकाय चुनाव में कांग्रेस को करारी हार मिली। निकाय चुनाव के नतीजे पर पूर्व डिप्टी टीएस सिंह देव ने सभी विजयी प्रत्याशियों को बधाई दी है। उन्होंने कहा, प्रदेश में जिसकी सत्ता रहती है अधिकांश नगरीय निकाय में सत्ता पक्ष के ही मेयर जीतकर आते हैं। आम जनता प्रदेश सरकार और निगम में काम कराने के उद्देश्य से वोट किया। छत्तीसगढ़ में निकाय चुनाव परिणाम के बीच कांग्रेस संगठन में उच्च स्तर पर बदलाव की चर्चा और तेज हो गई। इस चर्चा को बल पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के राष्ट्रीय महासचिव बनने के बाद से और मिल गया। खबर है कि दीपक बैज की छुट्टी होने वाली है। राष्ट्रीय नेतृत्व ने बैज को बदलने का निर्णय ले लिया है। अब सवाल यह है कि कांग्रेस का नया अध्यक्ष कौन होगा? इसे लेकर भी चर्चा तेज है और ज्यादातर जगहों से एक नाम चर्चा में है 'टीएस सिंहदेव'। सूत्र बताते हैं कि राष्ट्रीय नेता सिंहदेव के नाम पर सहमत हैं।

## दीपक बैज की होगी छुट्टी, सिंहदेव होंगे छत्तीसगढ़ कांग्रेस के अध्यक्ष?

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ में निकाय चुनाव परिणाम के बीच कांग्रेस संगठन में उच्च स्तर पर बदलाव की चर्चा और तेज हो गई। इस चर्चा को बल पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के राष्ट्रीय महासचिव बनने के बाद से और मिल गया। खबर है कि दीपक बैज की छुट्टी होने वाली है। राष्ट्रीय नेतृत्व ने बैज को बदलने का निर्णय ले लिया है।

अब सवाल यह है कि बैज की छुट्टी होगी तो कांग्रेस का नया अध्यक्ष कौन होगा? इसे लेकर भी चर्चा बहुत तेज है और ज्यादातर जगहों से एक नाम चर्चा में है 'टीएस सिंहदेव'। सूत्र बताते हैं कि राष्ट्रीय नेता सिंहदेव के नाम पर सहमत हैं।

वैसे इस सहमति को आधार तब से और मिला है, जब से महंत ने यह बयान दिया है कि अगला विधानसभा चुनाव सिंहदेव के नेतृत्व में लड़ा जाएगा। महंत के इस बयान को मौजूदा परिस्थिति के हिसाब से सच माना जा सकता है। हालांकि, आधिकारिक तौर पर अभी कहीं से भी कोई पुख्ता रिपोर्ट नहीं है। फिर भी प्रदेश कांग्रेस के नेताओं की ओर से यह कहा जा रहा है कि बैज की छुट्टी तय है और सिंहदेव ही नए अध्यक्ष होंगे। कुछ कांग्रेस नेताओं ने यह भी दावा किया है कि देर शाम तक ऐलान भी हो सकता है। खैर, ऐलान कभी भी हो, लेकिन चर्चा तो तेज हो चली है। बस इंतजार है चर्चाओं पर विराम का।

## नगर पंचायत जैजैपुर का अध्यक्ष होगा निर्दलीय

**जैजैपुर।** जैजैपुर नगर पंचायत में इस बार ना कांग्रेस और ना भाजपा पर मतदाताओं ने विश्वास दिखाने के बजाए निर्दलियों पर विश्वास जताया है। सबसे अधिक चौकाने वाला परिणाम अध्यक्ष पद के लिए रहा जहां जनता ने कांग्रेस और भाजपा दोनों को नकारते हुए निर्दलीय प्रत्याशी बलराम चन्द्रा (बल्लू गौटिया) को अध्यक्ष पद के लिए चुना। 15 सीटों पर हुए चुनाव में से 8 पर निर्दलीय, 6 पर भाजपा और एक सीट पर कांग्रेस प्रत्याशी जीते है। हालत को देखकर यह कहा जा सकता है कि इस बार जैजैपुर नगर पंचायत में निर्दलियों का वर्चस्व रहेगा। यदि कांग्रेस प्रत्याशी निर्दलियों का समर्थन कर देते है तो उनकी संख्या 8 से बढ़कर 9 हो जाएगी। वहीं दूसरी ओर विपक्ष में बैठने वाली भाजपा भी गठजोड़ की राजनीति कर सकती है और निर्दलियों को अपने पार्टी में शामिल कर सकते है।

अध्यक्ष - श्री बलराम चन्द्रा (बल्लू गौटिया) (निर्दलीय), पार्षद - वार्ड 1 - सुकदेव दिव्य - भाजपा, 2 प्रभाकर चन्द्रा (निर्दलीय), 3 राजकुमार यादव (निर्दलीय), 4 राजा यादव (भाजपा), 5 मंजुला थवाईत (भाजपा), 6 कुमार चन्द्रा (निर्दलीय), 7 बसंत साहू (निर्दलीय), 8 दीपचंद अग्रवाल (निर्दलीय), 9 नरेंद्र प्रजापति (भाजपा), 10 झनकेश्वरी चन्द्रा (निर्दलीय), 11 सोनसाय देवांगन (भाजपा), 12 अमृत चन्द्रा (कांग्रेस), 13 दिगंबर साहू (भाजपा), 14 सूर्या चन्द्रा बाबा (निर्दलीय), 15 सुध राम सारथी (निर्दलीय)।

## प्रयागराज महाकुंभ जा रही बोलेरो दुर्घटनाग्रस्त 10 की मौत

### मुख्यमंत्री साय ने सड़क दुर्घटना में श्रद्धालुओं की मौत पर दुख व्यक्त किया

**कोरबा।** प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ में गंगा स्नान करने के लिए बोलेरो वाहन से निकले 10 श्रद्धालुओं की शुक्रवार की मध्यरात्रि में सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। अधिकारिक तौर पर इसकी पुष्टी पुलिस कप्तान और कलेक्टर ने की है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सड़क दुर्घटना में श्रद्धालुओं की असामयिक मौत पर गहरा दुख व्यक्त किया है।

प्राप्त समाचारों के अनुसार उत्तर प्रदेश के प्रयागराज-मिर्जापुर के मेजा इलाके में शुक्रवार की रात 2 बजे हुई इस सड़क दुर्घटना में कोरबा से निकली बोलेरो सामने से आ रही बस से टकरा गई जिसमें 10 श्रद्धालुओं की मौत हो गई। दुर्घटना की भीषणता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि बोलेरो के परखच्चे उड गये और सभी लोगों ने घटनास्थल पर ही दम तोड दिया। जिला पुलिस कंट्रोल रुम को रात ढाई बजे पहले जो सूचना मिली थी उसमें 7 लोगों के मारे जाने की पुष्टि की गई थी लेकिन बाद में सभी 10 मौतों की पुष्टि कोरबा जिला कलेक्टर अजीत बसंत एवं जिला पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी ने की।

मृतक ईश्वरी प्रसाद जायसवाल के रिश्तेदार अनिल कुमार द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार शुक्रवार को सुबह करीब 10 सभी लोग बोलेरो

क्रमांक सीजी 11 एमबी 4202 पर सवार होकर गंगा स्नान के लिए रवाना हुए थे। सभी को स्वागत-सम्मान के साथ गंगा स्नान के लिए विदा किया गया और देर रात यह दुःख भरी सूचना प्राप्त हुई।

ईश्वरी प्रसाद जो कि श्याम नगर नीलगिरी बस्ती दर्री थाना के पीछे के निवासी थे और वर्तमान में कलमीडुग्गू में निवासी अपने साला भागीरथी जायसवाल के साथ रह रहे थे, इन दोनों के अलावा संतोष सोनी, उनका पुत्र सौरभ सोनी, गंगा दास वर्मा, उनका पुत्र दीपक वर्मा, शिवा राजपूत, राजू साहू, बोलेरो का चालक और एक अन्य इस हादसे का शिकार हुए। बोलेरो संतोष सोनी की है। भागीरथी, संतोष सोनी व अन्य लोग पेटी ठेकेदार के तौर पर काम करते थे। हादसे की सूचना मिलते ही परिजन प्रयागराज के लिए रवाना हुए हैं।

महाकुंभ जाने के लिए कलमीडुग्गु निवासी अनिल कुमार के पिता कोमल प्रसाद जायसवाल उम्र लगभग 65 वर्ष ने भी तैयारी कर ली थी लेकिन ऐन वक्त पर उनकी तबीयत बिगड़ जाने के कारण वह महाकुंभ की यात्रा पर नहीं जा सके। उनके स्थान पर दूसरे युवक को जाने का अवसर प्राप्त हुआ लेकिन हादसे में उसकी जान चली गई। कोमल प्रसाद जायसवाल इस हादसे का शिकार ईश्वरी प्रसाद के रिश्तेदार हैं।

### दुर्घटनाग्रस्त श्रद्धालुओं के मौत पर सीएम ने जताई संवेदना

प्रयागराज महाकुम्भ में स्नान के लिए जा रहे कोरबा जिले के श्रद्धालुओं से भरी वाहन के उत्तरप्रदेश के प्रयागराज-मिर्जापुर हाईवे पर मेजा इलाके में दुर्घनाग्रस्त होने के कारण 10 श्रद्धालुओं के निधन की खबर से मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय व्यथित है।

उन्होंने कोरबा जिला प्रशासन को स्थानीय प्रशासन से समन्वय स्थापित कर आवश्यक व्यवस्था करने के निर्देश दिए हैं। वे संवेदनाएं शोक संतप्त परिजनों के साथ है। ईश्वर से दिवंगत श्रद्धालुओं की आत्मा की शांति एवं शोकाकुल परिजनों को संबल प्रदान करने की प्रार्थना करता हूं।

## चुनावी झलकियां

### ब्राम्हणपारा-कंकालीपारा से अजय साहू जीते

**रायपुर।** ब्राम्हणपारा-कंकालीपारा वार्ड से भाजपा प्रत्याशी अजय साहू ने कांग्रेस के मनोज सोनकर को 972 वोट से पराजित कर वार्ड पार्षद का चुनाव जीत लिया है।

### सदर में बज गई मुरली, 811 वोट से जीते

**रायपुर।** स्वामी विवेकानंद सदरबाजार वार्ड क्रमांक 44 से पार्षद प्रत्याशी मुरली शर्मा 811 वोट से चुनाव जीत गए है। उन्होंने निर्दलीय प्रत्याशी सतीश जैन और कांग्रेस के राहुल तिवारी को पराजित किया।

### ढेबर की पत्नी जीती चुनाव

**रायपुर।** पूर्व महापौर एजाज ढेबर की पत्नी अर्जुमन ढेबर मौलाना अब्दुल रउफ वार्ड से विजयी घोषित की गई है। उसने 2562 वोटों से जीत हासिल की।

### पूर्व महापौर एजाज ढेबर हारे

**रायपुर।** पूर्व महापौर एजाज ढेबर भगवती चरण शुक्ल वार्ड से पार्षद का चुनाव 1529 वोट से हार गए है। भाजपा के अमर गिदवानी ने उन्हें करारी शिकस्त दी है।

### निर्दलीय प्रत्याशी आकाश तिवारी जीते

**रायपुर।** पंडित रविशंकर शुक्ल वार्ड क्रमांक 34 से निर्दलीय प्रत्याशी आकाश तिवारी 1200 से अधिक मतों से जीत गए है। उन्होंने भाजपा और कांग्रेस को पछाड़ दिया है। कांग्रेस से टिकट नहीं मिलने के कारण निर्दलीय प्रत्याशी के रुप में उन्होंने चुनाव लड़ा था।

### चंद्रपुर नगर पंचायत में भाजपा की जीत

**सक्ती।** चंद्रपुर नगर पंचायत में भाजपा ने अपना कब्जा कर लिया है यहां से भाजपा प्रत्याशी ओमप्रकाश देवांगन जीते।

सरायपाली नगर पालिका में भाजपा की जीत

महासमुंद। सरायपाली नगर पालिका में भाजपा की जीत हुई है। वहीं बागबाहरा नगर पालिका में कांग्रेस की जीत। पिथौरा नगर पंचायत में भाजपा का कब्जा। तुमगांव नगर पंचायत से निर्दलीय प्रत्याशी की जीत।

### कोंडागांव नगर पालिका में 20 पर भाजपा

**रायपुर।** कोंडागांव नगर पालिका में भाजपा ने बड़ी जीत हासिल की है यहां से 20 भाजपा पार्षद जीतकर आए है वहीं 1 निर्दलीय और 1 सीट कांग्रेस ने जीता है।

### केशकाल नगर पंचायत में भाजपा 7, कांग्रेस 5

**केशकाल।** केशकाल नगर पंचायत में भाजपा ने 7, कांग्रेस न 5 व 3 निर्दलीय भी जीतकर आए है जिनमें निर्दलीय प्रत्याशी बिहारी लाल सोरी ने 900 मतों से जीत दर्ज की है।

### बीजापुर में 15 में से 13 वार्डों में भाजपा की जीत

**बीजापुर।** बीजापुर में भाजपा आगे हो गई है यहां कुल 15 वार्डों में से 13 पर कमल खिला है। वहीं 2 वार्डों में कांग्रेस की जीत हुई है। वहीं नगर पंचायत पर भी भाजपा ने कब्जा कर लिया है।

### मंजूषा के नेतृत्व में शुरु होगी निगम में भाजपा की पारी

**अंबिकापुर।** अंबिकापुर नगर निगम में भारतीय जनता पार्टी ने अपना वर्चस्व स्थापित कर लिया है। महापौर चुनाव में भाजपा की श्रीमती मंजूषा भगत ने 11063 वोटों से जीत हासिल की है। वहीं अंबिकापुर नगर निगम के 48 वार्डों में से 31 वार्डों में भाजपा पार्षद, कांग्रेस के 15 पार्षद और दो वार्डों में निर्दलीय प्रत्याशियों ने जीत दर्ज की है।

कुसमी- अध्यक्ष चंद्रप्रकाश साहू (कांग्रेस)। पार्षद- 1. हीरा बाई साहू (भाजपा) 2. जगमोहन गेन्द्रे (निर्दलीय) 3. देवकुमार साहू (निर्दलीय) 4. ताकेकेश्वर साहू (भाजपा) 5. रामशिला साहू (कांग्रेस) 6. मंजू यादव (भाजपा) 7. समीर साहू (निर्दलीय) 8. स्वतंत्र कुमार साहू (कांग्रेश) 9. दीपक साहू (भाजपा) 10. राधेश्याम देवांगन (कांग्रेस) 11. नदकिशोर साहू (निर्दलीय) 12. राजकुमारी साहू (कांग्रेस) 13. नागेंद्र साहू (कांग्रेस) 14. श्रवण कुमार साहू (निर्दलीय) 15. यामिनी साहू (भाजपा)।

### कोरिया जिले के नगर पंचायत पटना में ये जीते

अध्यक्ष-गायत्री सिंह। वार्ड नंबर 1 से सुरेन्द्र कुमार, वार्ड नंबर 02 से अहिभरण सिंह, वार्ड नंबर 03 से निर्मला पोया, वार्ड नंबर 04 से परेश कुमार सिंह, वार्ड नंबर 05 से कुंवर साय घसिया , वार्ड नंबर 06 से राजेश कुमार सोनी , वार्ड नंबर 07 से प्रमिला सिंह, वार्ड नंबर 08 से गौरव अग्रवाल, वार्ड नंबर 09 से वसीम खान , वार्ड नंबर 10 से ज्योति देवांगन , वार्ड नंबर 11 अमित कुमार सिंह , वार्ड नंबर 12 से रेखा वर्मा , वार्ड नंबर 13 से मोहम्मद वसीम खान , वार्ड नंबर 14 से रुचि सुजीत सोनी, वार्ड नंबर 15 से सौरभ कुमार सिंह।

### दुर्ग नगर निगम में अलका बाघमार ने मारी बाजी

**दुर्ग।** दुर्ग नगर निगम में हुए चुनाव में बीजेपी की अलका बाघमार ने मेयर की कुर्सी पर कब्जा कर लिया है। अलका बाघमार ने 67 हजार से ज्यादा वोटों से चुनाव जीता है। दुर्ग नगर निगम के 60 वार्ड में बीजेपी के 40, कांग्रेस के 12 और 8 निर्दलीय पार्षद जीते हैं।महापौर प्रत्याशी अलका बाघमार ने कांग्रेस की प्रेमलता पोषण साहू को 67295 से अधिक मतों के अंतर से पराजित किया।

# क्या अब विपक्षी एकता कायम रहेगी?

**सुरेश हिंदुस्तानी**

राजनीति में कब क्या हो जाए, कुछ भी नहीं कहा जा सकता। इसलिए ही तो राजनीति को अनिश्चितता का खेल कहा जा सकता है। लेकिन ज़ब राजनेता और राजनीतिक दल इस धारणा को तिलांजलि देते दिखाई देते हैं, तो उस अवस्था को अति आत्म विश्वास के भाव में व्यक्त किया जाता है। अति आत्मविश्वास का होना सदैव विनाशकारी और आत्म घातक माना जाता है। ऐसा ही दुखद अध्याय दिल्ली विधानसभा के चुनाव में स्पष्ट रूप से दिखाई दिया। इस चुनाव में आम आदमी पार्टी के नेताओं का व्यवहार निश्चित ही ऐसा होता जा रहा था, जो अति विश्वास को ही परिलक्षित करने वाला ही था। हालांकि किसी किसी भी चुनाव के दो पहलू होते हैं। किसी भी चुनाव क्षेत्र में केवल एक ही व्यक्ति विजय प्राप्त करता है, शेष सभी पराजित ही होते हैं। पराजय निश्चित रूप से गलती सुधारने का अवसर प्रदान करती है। आम आदमी पार्टी इस पराजय को अपनी भूल सुधार के लिए स्वीकार करेगी, यह होना चाहिए, लेकिन आम आदमी पार्टी के नेता ऐसा करने की मानसिकता में दिखाई नहीं देते। इसका कारण यही है कि उनमें राजनीतिक दल की सरकार को चलाने का अनुभव नहीं है। आम आदमी पार्टी के नेताओं का अभी भी यह मानना है कि उनकी पार्टी मात्र दो प्रतिशत के अंतर से हारी है, लेकिन उनको पता होना चाहिए कि एक प्रतिशत का अंतर भी राजनीति का दृश्य बदल सकता है। इसलिए यही कहा जा सकता है कि हार तो हार होती है, उसके तर्क का सहारा लेकर मन को दिलासा दी जा सकती है, जीत नहीं मानी जा सकती। वैसे विपक्ष को इसकी आदत सी हो गई है कि वह हार को आसानी से स्वीकार नहीं कर पाता। पिछले लोकसभा के चुनाव परिणाम आने के बाद भी ऐसी ही तस्वीर दिखाने का प्रयास किया गया कि विपक्ष ने मानो सरकार बनाने लायक़ जीत हासिल कर ली हो, लेकिन तस्वीर का असली चेहरा कुछ और ही था। वर्तमान राजनीतिक उतार चढ़ाव का अध्ययन किया जाए तो यह कहना कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी कि कांग्रेस सहित अन्य विपक्षी राजनीतिक दल सत्ता में आने के लिए एक होने की क़वायद कर चुके हैं, लेकिन यह क़वायद परवान नहीं प्राप्त कर सकी। लोकसभा चुनाव के समय इंडी गठबंधन बनाकर तमाम भाजपा विरोधी दलों ने कई राज्यों में एकता का दिखावा किया। लेकिन कई राज्यों के विधानसभा चुनाव के समय इंडी गठबंधन के दल एक साथ न होकर बिखरे हुए दिखाई दिए। अब आगे चलकर एकता के प्रयास किए तो जाएंगे, लेकिन वे एक साथ हो जाएंगे, इस बात की संभावना बहुत कम दिखाई देती है। सीधे अर्थों में कहा जाए तो विपक्षी एकता को कई बार झटके लग चुके हैं। दिल्ली विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी की हार विपक्ष की एकता के लिए एक और बड़ा झटका माना जा रहा है। कांग्रेस ने जिस प्रकार से आम आदमी पार्टी को सत्ता से बाहर करने का सुनियोजित षड्यंत्र किया, वह चुनाव परिणाम आने के बाद पूरी तरह से सामने आ गया। ऐसी स्थिति में अब कांग्रेस और आम आदमी पार्टी एक मंच पर आएंगे, इस बात की संभावना बहुत कम ही है। हालांकि कांग्रेस की ओर अपनाई गई यह रणनीति कोई नई बात नहीं है। कई दलों को ऐसा झटका मिल चुका है, स्वयं आम आदमी पार्टी ने हरियाणा में ऐसा ही राजनीतिक खेल खेलकर कांग्रेस को सत्ता में आने से रोक दिया था। जहां तक विपक्षी एकता की बात है तो इसकी जड़ों में मट्ठा डालने का काम खुद इंडी गठबंधन या भाजपा विरोधी राजनीतिक दलों ने किया है। कई राज्यों में एक दूसरे के विरोध में ताल ठोकने वाले यह दिखावे की एकता वाले राजनीतिक दल आगे भी ऐसी ही नीति का अनुसरण करेंगे, इस बात की गुंजाईश ज्यादा दिखाई देती है। क्योंकि गठबंधन में शामिल होने का दावा करने वाले राजनीतिक दल किसी भी दल से पीछे रहने की मानसिकता में दिखाई नहीं देते। कांग्रेस भी इसी मानसिकता से ग्रसित दिखाई देती है। राज्यों तक प्रभाव रखने वाले क्षेत्रीय राजनीतिक दल कांग्रेस को बेहद कमजोर मानकर व्यवहार कर रहे हैं। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कई बार कांग्रेस को आईना दिखाते हुए व्यवहार किया है। ऐसी स्थिति में पश्चिम बंगाल में कांग्रेस और ममता बनर्जी की पार्टी एक साथ आकर पश्चिम बंगाल का विधानसभा चुनाव लड़ेंगे, दूर की बात दिखती है। दिल्ली में आम आदमी पार्टी ने भी कांग्रेस को ज़मीन दिखाने के प्रयास में खुद के लिए आत्म घाती रास्ता तैयार किया। यह बात सही है कि आम आदमी पार्टी के नेता अरविंद केजरीवाल अपने आपको कांग्रेस से बड़ा मानने लगे थे, इसलिए ही कांग्रेस से किनारा करके चुनाव मैदान में कूद गए, और पहली बार सत्ता से दूर हो गए।

# मोदी मंत्र से दिल्ली को जीत ही गई भाजपा

**दीपक कुमार त्यागी**

दिल्ली विधानसभा की 70 सीटों के परिणाम 8 फरवरी यानी कि शनिवार को आ चुके हैं, जिसमें भाजपा ने 27 वर्ष के बाद स्पष्ट बहुमत हासिल किया है। चुनावी रणभूमि में भाजपा को 48 और आम आदमी पार्टी को 22 सीटें मिली हैं, वहीं कांग्रेस लगातार तीसरी बार बिना कोई सीट हासिल किये शुन्य की हैट्रिक लगाने में सफल रही है। भाजपा गठबंधन को आम आदमी पार्टी से 3.6 फीसदी ज्यादा मत मिले हैं, जिसके चलते वह आप से 26 सीटें ज्यादा जीतने में सफल रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के द्वारा दिये गये जीत के मंत्र के दम पर ही दिल्ली चुनाव में भाजपा ने वर्ष 2020 के मुकाबले लगभग 9 फीसदी वोट ज्यादा हासिल किया है। वहीं आम आदमी पार्टी को लगभग 10 फीसदी वोटों का नुकसान हुआ है और कांग्रेस का भी 2 फीसदी वोट बढ़ गया है। वर्ष 2020 से तुलना करें तो चुनावी रणभूमि में भाजपा की 71 फीसदी स्ट्राइक रेट के साथ 40 सीटें बढ़ीं हैं, भाजपा ने 68 सीटों पर चुनाव लड़कर 48 सीटें जीतीं। वहीं आम आदमी पार्टी का स्ट्राइक रेट 31 फीसदी रहा, उसको 40 सीटों का नुकसान हुआ है।

वैसे देखा जाए तो वर्ष 2014 के बाद से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने चुनाव दर चुनाव गैर भाजपाई सरकार वाले राज्यों में भाजपा की पताका को लहराने का कार्य बखूबी किया है, लेकिन भाजपा देश के दिल दिल्ली को जीतने में बार-बार प्रयास के बावजूद भी विफल हो रही थी, लाख प्रयास के बावजूद भी दिल्ली की चुनावी रणभूमि में भाजपा का शीर्ष नेतृत्व अरविंद केजरीवाल की कोई ठोस काट धरातल पर नहीं ढूंढ पा रहा था। वर्ष 2014 से ही केंद्र की सत्ता पर काबिज होने बावजूद भी दिल्ली की जनता बार-बार भाजपा को नकारने का कार्य कर रही थी, जो स्थिति भाजपा के शीर्ष नेतृत्व को बहुत ज्यादा असहज करने वाली थी। चुनाव दर चुनाव भाजपा का शीर्ष नेतृत्व दिल्ली में अरविंद केजरीवाल सरकार का कोई तोड़ नहीं निकाल पा रहा था। भाजपा का शीर्ष नेतृत्व दिल्ली की सत्ता हासिल करने के लिए लगातार आत्ममंथन कर रहा था कि आखिरकार बार-बार कसर कहां पर रह जाती है, किसी कारण से दिल्ली का मतदाता लोकसभा चुनावों में भाजपा को गले लगा लेता है लेकिन वह विधानसभा चुनावों में दुत्कार देता है। दिल्ली के मसले पर देश के राजनीतिक गलियारों में भी केजरीवाल की सफलता का उदाहरण दिया जाने लगा था कि किस तरह से बहुत ही कम समय में वह दिल्ली के मतदाताओं के दिलों पर छा गए थे और फिर वर्ष 2013, वर्ष 2015 और 2020 में उन्होंने आम आदमी पार्टी की दिल्ली में सरकार बनाने का कार्य किया था। लेकिन इस बार दिल्ली के विधानसभा चुनावों में %मोदी मंत्र% ने स्थिति को बदलने का कार्य कर दिया है। मतदाताओं ने दिल खोलकर के भारतीय जनता पार्टी की झोली भरने का कार्य किया कर दिया है, मोदी के चहरे के दम पर ही दिल्ली विधानसभा चुनावों में 48 सीट जीतकर के 27 वर्षों के बाद सत्ता पर काबिज होने का भाजपा को अवसर मिला है।

हालांकि राजनीतिक विश्लेषकों के बहुत बड़े वर्ग का मानना है कि भारतीय राजनीति में जब अरविंद केजरीवाल का पदार्पण हुआ था तो उस वक्त केजरीवाल ने दिल्ली व देश की जनता को संदेश दिया था कि वह ईमानदारी के साथ देश के विकास के लिए बिना किसी पूर्वाग्रह से पीड़ित हुए स्वच्छ गांधीवादी राजनीति करेंगे। उस वक्त केजरीवाल ने लोगों को बहुत-बहुत बड़े सपने दिखाए थे, राजनीतिक जीवन के लिए उच्च श्रेणी के मानदंड रखने का कार्य किया था, लेकिन जैसे ही वर्ष 2013 में केजरीवाल के हाथ दिल्ली की सत्ता आयी वह राजनीति में शुचिता लाने की बाद एक-एक करके भूलने लग गये थे। केजरीवाल ने गाडी, बंगाल और सुरक्षा पर बनाये गये अपने ही सिद्धांतों को सबसे पहले तिलांजलि देने का कार्य किया था, फिर केजरीवाल ने धीरे-धीरे दिल्लीवासियों को फ्री सुविधा देने का लालच देना शुरू किया और लगातार तीन बार मुख्यमंत्री बनकर के दिल्ली की सत्ता का जमकर के आनंद लिया। लेकिन इस बार वह अपने द्वारा बनाए सिद्धांतों के इसी चक्रव्यूह में बुरी तरह से फँस गए थे, क्योंकि राजनीति के लिए केजरीवाल के खुद के द्वारा तय किए गए सभी मापदंड उनके ही हाथों पूरी तरह से ध्वस्त कर दिये गये थे। दिल्ली के मतदाताओं को केजरीवाल की कथनी व करनी में स्पष्ट अंतर नज़र आने लग गया था। दिल्ली के वासियों ने करीब से देखा कि ईमानदारी, सुचिता व जमीन पर रहकर के आम आदमी से जुड़े रहने की राजनीति के सिद्धांतों पर केजरीवाल एंड कंपनी केवल फाइलों के भीतर ही अमल कर रही है, केजरीवाल का एक-एक करके साथ छोड़ते पुराने साथी पार्टी के भीतर लोकतंत्र के हाल पर जनता के बीच जाकर के गवाही दे रहे हैं, जिसका पूरा लाभ टीम मोदी ने इस बार के विधानसभा चुनावों में लिया और केजरीवाल को दिल्ली की सत्ता से बेदखल करने का काम कर दिया।

जिस तरह से देश के दिल राजधानी दिल्ली की चुनावी रणभूमि में नरेन्द्र मोदी सेना ने जबरदस्त ढंग से हमलावर होकर के केजरीवाल की सेना को करारी हार देकर के प्रचंड विजय हासिल की है, वह आगामी कई दशकों तक देश की चुनावी राजनीति में एक नज़ीर बन गई है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के हमलों के आगे टीम अरविंद केजरीवाल के सामने दिल्ली की चुनावी रणभूमि में लड़ना इस बार बेहद ही कठिन कार्य था, लेकिन फिर भी अरविंद केजरीवाल की दिल्ली के मतदाताओं के लिए फ्री बांटों की रणनीति की काट ढूंढना देश के भोले-भाले आम जनमानस को असंभव लगता था, क्योंकि केजरीवाल ना सिर्फ चुनावी रणभूमि में मतदाताओं से तरह-तरह के लोकलुभावन वादे ही कर रहे थे, बल्कि वह पहले से ही बहुत सारी फ्री की रेवड़ियां बांटने की घोषणाओं पर धरातल पर अमल भी कर रहे थे। ऐसी स्थिति में दिल्ली में भाजपा को पुनर्जीवित करना आसान कार्य नहीं था, क्योंकि देश की राजनीति में रुचि रखने वाले लोगों के एक बहुत बड़े वर्ग को केजरीवाल के पक्ष में रहने वाले मतदाताओं को तोड़कर के भाजपा के पक्ष में लाना असंभव कार्य लगता था। लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जादुई व्यक्तित्व व ओजस्वी विचारों ने उस कार्य को कर दिखाया, मोदी ने दिल्ली की चुनावी रणभूमि में आम आदमी पार्टी को हराते हुए भाजपा को पुनर्जीवित करने के लिए जीवन देनी वाली कारगर संजीवनी बूटी बनने का कार्य बखूबी कर दिया।

दिल्ली की चुनावी रणभूमि में अरविंद केजरीवाल की हार की सबसे बड़ी वजह रही है कि केजरीवाल के खिलाफ नरेन्द्र मोदी का खुद चेहरा बनना। वहीं रही-सही कसर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के द्वारा केजरीवाल सरकार के शराब घोटाला व भ्रष्टाचार आदि के मुद्दों को उठाने ने पूरी कर दी थी। मोदी ने दिल्ली की जनता को समझाया कि आप सरकार दिल्ली के वासियों के लिए आप-दा बन चुकी है, भ्रष्टाचार के मामलों के चलते केजरीवाल कुल 177 दिन तक जेल में बंद रहे थे, जिसके चलते ही मोदी ने केजरीवाल को बार-बार कट्टर बेईमान कहा था। कभी बंगला, गाड़ी व सुरक्षा ना लेने की कसम लेने वाले केजरीवाल के सरकारी बंगले शीशमहल पर 45 करोड़ की भारी-भरकम धनराशि खर्च करके मोदी को एक और चुनावी मुद्दा स्वयं ही दे दिया था, जिसको मोदी व उनकी टीम ने बड़ा मुद्दा बनाया और चुनाव के पहले इसे शीशमहल कहकर इसको आम जनमानस के बीच जमकर के प्रचारित करने का कार्य बखूबी करके केजरीवाल की छवि को जनता की अदालत में बट्टा लगाने का कार्य सफलतापूर्वक कर दिया था, मोदी ने पूरे चुनाव इस मुद्दे को लेकर के केजरीवाल पर जमकर हमला बोला था। वहीं प्रधानमंत्री मोदी ने केजरीवाल की फ्री बांटों की काट ढूंढते हुए दिल्ली में मतदान से 3 दिन पहले केंद्रीय बजट में 12 लाख तक के इनकम टैक्स को फ्री करने का बड़ा दांव चल कर केजरीवाल की थोक में वोट काटने का काम कर दिया था, क्योंकि दिल्ली में 67 फीसदी आबादी मध्यमवर्गीय है, जोकि आम आदमी पार्टी को एकतरफा वोट देने का कार्य कर रही थी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने हर कार्यक्रम में दिल्ली की जनता को आश्वस्त किया कि हम मौजूदा आप सरकार की किसी भी कल्याणकारी योजना को बंद नहीं करेंगे और महिलाओं व बुजुर्गों को हर महीने 2500 रुपए देने का कार्य करेंगे। जिन्होंने दिल्ली के मतदाताओं के एक बड़े वर्ग को आकर्षित करने का कार्य किया और भाजपा को चुनावी रणभूमि में जीता दिया।

हालांकि देश के बहुत सारे लोगों व राजनीतिक विश्लेषकों यह लगता था कि केजरीवाल के आगे 27 वर्ष के लंबे अंतराल के बाद दिल्ली में कमल खिलाना इस बार भी असंभव है। लेकिन मोदी मंत्र के दम पर भाजपा इस असंभव को भी संभव बनाने में अब सफल हो गयी है। क्योंकि उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के चहरे पर दिल्ली का पूरा चुनाव लड़ा और नरेन्द्र मोदी ने दिल्ली की जनता को यह विश्वास दिलाया कि उन्हें दिल्ली में एक ऐसी सरकार मिलेगी जो दिल्ली के निवासियों की सेवा करेगी, जो विकसित भारत 2047 के सपने को प्राप्त करने में बढ़-चढ़कर के अपना योगदान देगी, जो दिल्ली वासियों के हितों की रक्षा करते हुए उनकी सेवा करेगी, जो दिल्ली के विकास का शानदार रोड़मैप बनाकर के धरातल पर कार्य करेगी।

**पुराण दिग्दर्शन .... तीसरा अध्याय**

# वेदों में अष्टादश पुराणों के नाम

**( गतांक से आगे... )**

सुनिये- (क) सहस्रशीर्षा पुरुष: सहस्राक्ष: सहस्रपात्। यत्पुरुषेण हविषा देवा यज्ञमतन्वत।। वसन्तोऽस्यासोदाज्यं ग्रीष्म इध्म: शरद्धवि:। सप्तास्यासन् परिधयस्त्रि: सप्त समिध: कृता:॥ देवा यद्यज्ञं तन्वाना अवध्नन्पुरुषं पशुम्। (यजुर्वेद अध्याय 31) अर्थात् (क) हजार सिर हजार आँख और हजार पाँव वाला एक पुरुष था (शिरों की अपेक्षा नि:सन्देह उसे काना और लंगड़ा कहा जा सकता है!) देवताओं ने उस पुरुष का यज्ञ आरम्भ किया । वसन्त ऋतु को घी, ग्रीष्म को समिधा, और शरद् को हवि: बनाया, सात परिधियें बनाई और इक्कीस समिधाएं कीं और उस पुरुष को यज्ञ में पशु बना कर बाँधा गया। इस सन्दर्भ में ईश्वर का वर्णन किया है और उससे सृष्टि की उत्पत्ति किस प्रकार हुई यह रहस्य भी प्रकट किया गया है। समस्त रूपक का सामंजस्य बिठलाने के लिये वेद-भाष्यों का पारायण करना चाहिये। अब हम परकीयाभाषा के पुराणान्तर्गत कतिपय निदर्शन उद्धृत करते हैं, यथा- (क) एका तु तरुणी तत्र निषण्णा वृद्धौ द्वौ पतितौ पार्श्वे निश्वसन्तावचेतनौ।। 274/788

( पद्म उत्तर 6 । 163 । 38)

अर्थात् (क) (नारद जी कहते हैं कि मैंने यमुना तट पर देखा कि) वहाँ एक खिन्न मुखवाली युवती स्त्री बैठी है और उसके पास ही दो बूढ़े अचेत पड़े हुये लम्बी सांस ले रहे हैं। (नारद जी के पूछने पर उस स्त्री ने आश्चर्यपूर्वक कहा कि)- साहं तु तरुणी कस्मात् सुतौ वृद्धाविमौ कुत: । घटते जरठा माता तरुणौ तनयाविति ।। (पद्म उत्तर 6 । 163 । 53)

अर्थात् (मैं माता हूं और ये दोनों मेरे पुत्र हैं) मैं युवती क्यों हूं और ये दोनों मेरे पुत्र वृद्ध क्यों हो गए? वास्तव में तो माता का ज़रठ होता और पुत्रों का युवा होता ही घटित होता है। यहाँ प्रत्यक्ष में मात्ता का युवती होना और पुत्रों का महा वृद्ध हो जाना असंभय-सा प्रतीत होता है। **क्रमश: ...**

# घोड़े और उनका रहस्यमय संसार

**स्टेरी बुचर**

घोड़े भी क्या शानदार जीव हैं। हरदम उड़ने को तैयार। इंद्रियां पूरी तरह से मुस्तैद। वे बारी-बारी से जागते हैं, यानी एक जागता रहता है, तो दूसरे घोड़े सोते हैं। वे लगभग 360 डिग्री तक देख सकते हैं और एक बार में दो वस्तुओं पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं, यानी प्रत्येक आंख से एक वस्तु को देखते हैं। वे दिन में 16 घंटे तक चरते हैं। उनके थूथन पर उगी मूंछें चट्टानों से कोमल घास को पहचानने के लिए विकसित हुई हैं। उनकी खाल स्पर्श के प्रति इतनी संवेदनशील होती है कि वे अपने शरीर पर बैठी मक्खी तक को महसूस कर सकते हैं और उसे भगाने के लिए अपनी त्वचा को हिला सकते हैं। उनकी सूंघने की क्षमता लगभग कुत्ते जितनी ही तेज होती है।

घोड़े आपस में दोस्ती करते हैं, एक-दूसरे के चेहरे से मक्खियों को उड़ाने व देह खुरचने का काम करते हैं। मनुष्यों के दिमाग में प्रीफ्रंटल कॉर्टेक्स होता है, जो योजना बनाने, संगठित करने, लक्ष्य निर्धारित करने और निर्णय लेने का काम करता है, पर घोड़े के पास ऐसा कुछ नहीं होता। वे मूल्यांकन के?बिना विचारों और भावनाओं का अनुभव करते हैं। हालांकि वे काफी कुछ याद रख सकते हैं, लेकिन भविष्य में क्या चाहते हैं, इस पर विचार नहीं करते, जिससे वे वर्तमान में जीने की विशिष्ट योग्यता रखते हैं। चूंकि उन्हें सामूहिक सुरक्षा के बिना मरने का भय होता है, इसलिए वे सह-अस्तित्व में भरोसा करते हैं। पालतू बनाए जाने के बाद लगभग 5,500 वर्षों से घोड़े निरंतर हमारी सेवा में रहे हैं, चाहे युद्ध में भाग लेना हो, रथों की दौड़ हो, भैंसों का शिकार करना हो, घास काटना हो, डाक ले जाना हो, हमारे आदेश पर दौड़ना, छलांग लगाना व खींचना हो, घोड़े हमेशा हमारे साथ रहे हैं। इतने लंबे व घनिष्ठ संबंध के बावजूद घोड़ों और मनुष्यों के बीच चीजें हमेशा अच्छी नहीं होती हैं। घोड़े डरपोक हो सकते या भाग सकते हैं। वे उछल और काट सकते हैं या अपने पैरों को जमा सकते हैं और आगे बढ़ने से इन्कार कर सकते हैं। ऐसे में, घोड़े व मालिक, दोनों की निराशा बढ़ने लगती है, और चोट लगने की आशंका बढ़ जाती है। ऐसे क्षणों में वारविक शिलर जैसे प्रशिक्षक मनुष्य व घोड़ों के बीच समझ की खाई को पाटते हैं। हाल ही में शिलर ने घोड़ों को प्रशिक्षण देने की अपनी तकनीक को बदला है। अब वह घोड़े और मनुष्य के बीच के रिश्ते को आज्ञाकारिता के बजाय सहयोग की भावना से हल करते हैं। जहां दोनों का रिश्ता पूरी तरह से रुकने या तेज उड़ान भरने के बारे में कम है, और आपसी विश्वास व समझ बनाने के बारे में ज्यादा।

सब कुछ ठीक-ठाक चल रहा था। लेकिन कई बार प्रशिक्षकों के सामने भी ऐसी परिस्थितियां खड़ी हो जाती हैं, जिनमें उन्हें ही प्रशिक्षण की जरूरत महसूस होती है। 2016 में, शेरलॉक नामक एक छोटा लाल घोड़ा शिलर्स के खलिहान में खड़ा था, जो किसी पहेली से कम नहीं था। वह आज्ञाकारी था, पर आंखों में जिज्ञासा या चमक नहीं थी। उसमें भावनाओं की कमी थी। उसकी बेचैनी उसके शरीर में दिख रही थी।

# मोदी-ट्रंप वार्ता : मजबूती की राह पर द्विपक्षीय रिश्ते

**शशांक**

जिस तरह से हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप मिले, उसे देखकर ऐसा लग रहा था कि वाकई में पुराने दोस्त मिल रहे हैं। यात्रा के पहले से ही मीडिया में भी और देश में ऐसी कई तरह की अटकलें लगाई जा रही थीं और आशंकाएं व्यक्त की जा रही थीं कि जिस तरह से राष्ट्रपति ट्रंप भारत को 'टैरिफ किंग' और प्रधानमंत्री मोदी को 'सख्त नेगोशिएटर' बताते रहे हैं, ऐसे में वह भारत के खिलाफ सख्त रवैया अपना सकते हैं, लेकिन जिस सौहार्दपूर्ण माहौल में बातचीत हुई और इसके जो नतीजे निकले हैं, उससे देश के लोगों को अवश्य राहत और संतुष्टि होनी चाहिए। उन दोनों के संयुक्त बयान से ऐसा लगता है कि चाहे रक्षा का मसला हो, या भारत की आंतरिक सुरक्षा का, इन मुद्दों पर दोनों देश मिलकर काम करना चाहते हैं।

सबसे बड़ी और महत्वपूर्ण बात यह रही कि अमेरिका ने वर्ष 2008 में हुए मुंबई हमले के मामले में वांछित तहव्वुर हुसैन राणा को भारत प्रत्यर्पित किए जाने की बात मान ली है। आंतरिक सुरक्षा की दृष्टि से यह प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा की सबसे बड़ी सफलता है। इसकी घोषणा करते हुए स्वयं राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा-'यह एलान करते हुए मुझे खुशी हो रही है कि हमारे प्रशासन ने दुनिया के सबसे बुरे व्यक्तियों में से एक के प्रत्यर्पण को मंजूरी दे दी है।' भारत एक लंबे अरसे से अमेरिकी जेल में बंद तहव्वुर राणा को देश में लाने का प्रयास कर रहा था, लेकिन कोई न कोई अड़चन आ जाती थी। अब उसे भारत लाकर उसके खिलाफ मुकदमा चलाया जाएगा। इसके अलावा, भारत ने कई अन्य आतंकवादियों की सूची

भी अमेरिका को सौंपी है, जिन्हें निकट भविष्य में प्रत्यर्पित किया जाएगा।

दोनों नेताओं ने प्रेस को संबोधित करते हुए बताया कि उन्होंने तेल-गैस, टैरिफ, टेक्नोलॉजी और व्यापार के विभिन्न पहलुओं पर बात करने के साथ-साथ द्विपक्षीय व्यापार और संबंधों को मजबूत किए जाने पर भी सहमति जताई है। राष्ट्रपति ट्रंप की सबसे ज्यादा दिलचस्पी अपने रक्षा उपकरणों एवं तेल-गैस को बेचने में है। इस मामले में लगता है कि भारत ने अमेरिका से ज्यादा तेल-गैस खरीदने पर सहमति जताई है, जो अमेरिका के लिए संतुष्टि की बात हो सकती है। इसी तरह कई रक्षा उत्पादों के सौदे पर भी बात हुई है। अमेरिका भारत को कई अरब डॉलर के रक्षा उत्पाद बेचेगा। राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि वह 'भारत को एफ-35 स्टील्थ फाइटर जेट मुहैया कराने का तरीका तलाशेंगे।' गौरतलब है कि एयरो इंडिया-2025 शो में अमेरिका का एफ-35 स्टील्थ फाइटर जेट विमान और रूस का सुखोई-एसयू-57 भी पहुंचा था। हमारे पास पांचवीं जनरेशन के फाइटर जेट विमान नहीं हैं, हम बहुत उत्सुकता से चाहते हैं कि अपनी वायुसेना में पांचवीं पीढ़ी के फाइटर जेट विमान शामिल हों, तो इस लिहाज से यह एक नई पहल होगी। इसमें थोड़ी चिंता की बात यही है कि कई बार अमेरिका से सामान आने में देरी हो जाती है और टेक्नोलॉजी ट्रांसफर करने पर सहमति नहीं बन पाती, लेकिन उम्मीद है कि प्रधानमंत्री ने इन मुद्दों को जरूर उठाया होगा। तकनीकी हस्तांतरण में भी सिर्फ इस समय मिल रही टेक्नोलॉजी नहीं, बल्कि उनके अपग्रेडेशन को भी ट्रांसफर किया जाना चाहिए। इस पर बात आगे भी होती रहेगी, लेकिन यह अच्छी बात है कि अत्याधुनिक तकनीक वाले पांचवीं पीढ़ी के एफ-35 फाइटर जेट भारत को देने की घोषणा राष्ट्रपति ट्रंप ने की है, जिसे अब तक वे अपने नाटो सहयोगियों एवं अन्य करीबी सहयोगियों को ही देते रहे हैं।

जहां तक टैरिफ की बात है, तो ट्रंप ने प्रधानमंत्री मोदी से मिलने के एक दिन पहले ही रेसिप्रोकल टैरिफ (पारस्परिक टैरिफ) लगाने की बात कही थी। यह बात उन्होंने सिर्फ भारत को लेकर नहीं कही, बल्कि सभी देशों के लिए कही है। भारत के संदर्भ में उन्होंने स्पष्ट किया भारत हम पर जितना शुल्क लगाता है, हम भी उतना ही शुल्क उस पर लगाएंगे। इस मसले पर भी लगता है कि दोनों देश आपस में बात करके अंतर को पाटेंगे और इसमें रक्षा, तेल-गैस, टेक्नोलॉजी, भारतीय छात्रों के अमेरिका में फीस भरने आदि को भी शामिल किया जाना चाहिए। प्रधानमंत्री के प्रस्ताव पर हो सकता है कि अमेरिकी विश्वविद्यालय भारत में अपने कैंपस खोल सकते हैं या भारतीय विश्वविद्यालयों से सहयोग कर सकते हैं। इससे शिक्षा के क्षेत्र में या कौशल विकास के क्षेत्र में दोनों देशों को फायदा हो सकता है। जिस तरह से हाल के दिनों में 104 अवैध आप्रवासियों को भारत में निर्वासित किया गया, वह संसद में और देश भर में चर्चा का विषय बना। इस मामले में यह व्यवस्था जरूर होनी चाहिए कि इन लोगों को सम्मानजनक तरीके से निर्वासित किया जाना चाहिए। भारत अमेरिका में अवैध तरीके से रह रहे अपने नागरिकों को वापस लेने के लिए तैयार है ही। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि कुछ आप्रवासियों को मानव तस्कर लाते हैं, जिन्हें यह भी पता नहीं होता कि उन्हें अमेरिका ले जाया गया है। ये बहुत आम परिवारों के बच्चे हैं, जिन्हें बड़े सपने दिखाए जाते हैं और उनसे बड़े-बड़े वादे किए जाते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे युवाओं को बचाने के लिए मानव तस्करी पर शिकंजा कसने की जरूरत है। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति अन्य देश के लोगों का स्वागत करते रहे हैं, ट्रंप को भी चाहिए कि वह अपने वैधानिक रास्ते कुछ और खोल दें, ताकि अवैध रूप से लोग वहां नहीं जाएं। आप्रवासन के लिए वैध तरीका अपनाने से दोनों देशों को फायदा होगा। पिछले हफ्ते विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा था कि सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए काम कर रही है कि वापस भेजने की प्रक्रिया में भारतीय नागरिकों के साथ कोई दुर्व्यवहार न हो। इसके अलावा, दोनों नेताओं ने रूस और यूक्रेन के बीच चल रही जंग का भी जिक्र किया और अच्छी बात है कि ट्रंप ने इस जंग को खत्म कराने की पहल की है। जैसा कि प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत हमेशा शांति के पक्ष में रहा, तो मुझे लगता है कि इस शांति वार्ता में भारत की भी कुछ न कुछ भूमिका रहेगी। इसके अलावा, बांग्लादेश के मुद्दे पर भी ट्रंप ने खुलकर कहा कि वह इसे प्रधानमंत्री मोदी पर छोड़ते हैं। यानी आगामी समय में बांग्लादेश के बिगड़े हालात को सुधारने में भारत की अहम भूमिका होने वाली है। प्रधानमंत्री मोदी की अमेरिका यात्रा कई उपलब्धियों और सकारात्मक पहलों के लिए याद की जाएगी।

## आज का इतिहास

1946 पहली बार संयुक्त राष्ट्र संघ में सोवियत संघ के प्रतिनिधि ने वीटो अधिकार का प्रयोग किया।
1946 सैन्य उपयोग के बजाय नागरिक के लिए बनाया जाने वाला पहला हेलीकॉप्टर सिकोरस्की एस -51 ने अपनी पहली उड़ान भरी।
1959 क्यूबा में क्रांतिकारी नेता फिदेल कास्त्रो क्यूबा के इतिहास में सबसे कम उम्र 32 साल में प्रधानमंत्री बने।
1961 ड्यूसेबल संग्रहालय, अफ्रीकी अमेरिकी इतिहास, संस्कृति और कला के अध्ययन के लिए समर्पित पहला संग्रहालय, धोया हुआ था।
1977 युगांडा के चर्च के आर्कबिशप जनानी लुवुम, ईदी अमीन के शासन के खिलाफ एक अग्रणी, को अगले दिन राजद्रोह के आरोप में गिरफ्तार किया गया था।
1983 एश बुधवार की आग ने ऑस्ट्रेलिया में 513,979 एकड़ (2,080 किमी 2) इनसाउथ और 518,921 एकड़ (2,100 किमी 2) जला दिया, 75 लोगों की मौत हो गई और 2,676 अन्य घायल हो गए।
1985 हिजबुल्लाह कार्यक्रम जारी किया गया था, जिसमें शिया इस्लामिक राजनीतिक और अर्धसैनिक संगठन हयबल्लाह के विचारधारा के लक्ष्यों का वर्णन किया गया था।
1993 सैंड्रा वोल्कर ने लगभग 28.33 सेकंड में 50 मीटर बैकस्ट्रोक तैरकर विश्व रिकॉर्ड बनाया।
1994 दक्षिण पूर्व सुमात्रा में 6.5 तीव्रता का भूकंप आया और इसमें 200 लोग मारे गए।
1996 गैरी कर्स्टन ने दक्षिण अफ्रीका बनाम यूएई के लिए रावलपिंडी में 188* स्कोर किया।
1998 टेलबस इंक .670 मिलियन के लिए सुसंगत संचार प्रणाली का अधिग्रहण करता है।
2005 क्योटो प्रोटोकॉल, अंतरराष्ट्रीय संधि के बारे में एक संशोधन, जो कि संधि परिवर्तन पर लागू हुआ।
2010 क्वीन मैरी 2 ने चीन के शंघाई बंदरगाह पर अपना पहला पोर्ट कॉल किया, 2004 में अपनी पहली यात्रा के बाद।

# भारत एआई क्रांति में अग्रणी बन दुनिया का नेतृत्व करे

**ललित गर्ग**

पेरिस में हुए दो दिवसीय एआई (कृत्रिम बुद्धिमत्ता) एक्शन समिट ने जहां दुनिया के लिए आर्टिफिशल इंटेलिजेंस के महत्व को उजागर किया, वहीं यह भी साफ कर दिया कि इस मामले में होड़ के बावजूद सभी देशों का आपसी तालमेल बनाए रखते हुए सावधानी से आगे बढ़ना जरूरी है। एआई से बदलती दुनिया के चमत्कार वरदान से कम नहीं है, लेकिन इससे जुड़ी चुनौतियां एवं खतरे इसे अभिशाप में भी बदल सकते हैं। बहुत आवश्यक है कि इसके उपयोग के संदर्भ में कोई वैश्विक ढांचा एवं नियंत्रण का केन्द्र एवं नीति बने। क्योंकि एआई के दुरुपयोग के खतरे किसी से छिपे नहीं। अभी एआई का उपयोग अपने प्रारंभिक चरण में ही है, लेकिन उससे पैदा होने वाली कई चुनौतियों एवं खतरों ने सिर उठा लिया है। लेकिन इस नई तकनीक से जीवनशैली, शिक्षा, चिकित्सा, युद्ध, सेना, शासन-प्रशासन, चुनाव, व्यापार, विचार आदि में क्रांतिकारी बदलाव देखने को मिल रहे हैं। भारत एआई को लेकर बहुत उत्साहित है और दुनिया में एआई का सबसे बड़ा केन्द्र बनने को भी तैयार है। यही कारण है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने न केवल फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रों के साथ इस शिखर बैठक की सह-अध्यक्षता की बल्कि अगली शिखर बैठक की मेजबानी करने की पेशकश भी करते हुए बता दिया कि भारत इस पहल को कितनी गंभीरता से लेता है।

भारत दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर होते हुए तकनीकी विकास की दृष्टि से भी सफलता के नये झंडे गाड रहा है। एआई को लेकर भारत की सोच सकारात्मक एवं विकासमूलक है इसीलिये प्रधानमंत्री मोदी ने यह सही कहा कि इस तकनीक में दुनिया को बदलने की ताकत है, लेकिन अमेरिका की कुछ बड़ी तकनीकी कंपनियों ने सूचना संसार में अपना एकाधिकार स्थापित कर लिया है। उनके एकाधिकार और उनकी मनमानी से निपटना विश्व के तमाम देशों के लिए मुश्किल हो रहा है। यदि इसी तरह का एकाधिकार एआई कंपनियों ने भी स्थापित कर लिया तो फिर समस्या गंभीर हो जाएगी। सबसे अधिक समस्या विकासशील और निर्धन देशों को होगी, जो पहले से ही चुनिंदा तकनीकी कंपनियों के वर्चस्व तले दबी हुई है। मोदी ने एआई तकनीक के संतुलित एवं विवेकसम्मत उपयोग एवं विकास की आवश्यकता को भी व्यक्त किया। क्योंकि यह उन्नत तकनीक बनाने वाली कुछ कंपनियां उसे अपने हिसाब से संचालित करती हुई भी दिख रही हैं। इस तकनीक का मनमाना इस्तेमाल न होने पाए, इसके लिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय को प्रभावी कदम उठाने होंगे। यह एआई एक्शन समिट ऐसे समय हो रही है, जब चीनी कंपनी डीपसीक दुनिया को एक जबर्दस्त झटका दे चुकी है।

भारत एआई की चुनौतियों एवं खतरों को लेकर सतर्क है। क्योंकि एआई द्वारा प्रस्तुत चुनौतियाँ बहुआयामी हैं और लगातार विकसित हो रही हैं। उदाहरण के लिए डीपफेक, जो डिजिटल मीडिया हैं- वीडियो, ऑडियो और चित्र-जिन्हें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग करके संपादित और हेरफेर किया जाता है, हाइपर-रियलिस्टिक डिजिटल मिथ्याकरण को शामिल करते हैं। इसका संभावित रूप से प्रतिष्ठा को नुकसान पहुँचाने, सबूत गढ़ने और लोकतांत्रिक संस्थानों में विश्वास को कम करने के लिए उपयोग किया जा सकता है। जबकि डीपफेक का इस्तेमाल चुनावों जैसे कुछ मामलों में किया गया है, उनका उपयोग विभिन्न अन्य क्षेत्रों में भी तेजी से देखा जा रहा है। डीपफेक के अलावा, एआई से जुड़े अन्य जोखिम भी हैं। इनमें गोपनीयता, पूर्वाग्रह, पारदर्शिता, जवाबदेही और

दुर्भावनापूर्ण उद्देश्यों के लिए एआई के संभावित दुरुपयोग से संबंधित मुद्दे शामिल हैं। भारत सरकार इन मुद्दों को सलाह और विनियमों के माध्यम से नियोजित एवं नियंत्रित करने की कोशिश कर रही है जो पारदर्शिता, सामग्री मॉडरेशन, सहमति तंत्र और डीपफेक पहचान पर जोर देते हैं ताकि जिम्मेदार एआई तैनाती सुनिश्चित हो और चुनावी अखंडता की रक्षा हो सके। यह एक सतत प्रयास है और जैसे-जैसे आगे बढ़ेंगे, इन चुनौतियों से निपटने के लिए अधिक मजबूत तंत्र के विकास के साथ सक्षम होने की अपेक्षा रहेगी। एआई विकसित होता रहेगा, नये-नये करिश्माई एवं चमत्कारी आयाम उससे जुड़ते रहेंगे और हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि यह ऐसे तरीके से हो जो सभी के लिए सुरक्षित, नैतिक और लाभकारी हो। आवश्यक बुनियादी ढांचे, हार्डवेयर और क्लाउड कंप्यूटिंग क्षमताओं के विकास में सहायता के लिए निवेश महत्वपूर्ण है। सरकार और निजी क्षेत्र के बीच सहयोग से आवश्यक पूंजी जुटाई जा सकती है। यह संयुक्त प्रयास एआई नवाचार, आर्थिक विकास और रोजगार सृजन को बढ़ावा दे सकेगा और जिससे भारत एआई क्रांति में अग्रणी बन दुनिया का नेतृत्व कर सकेगा।

इसी पहलू को रेखांकित करती है यह पेरिस की तीसरी एआई एक्शन समिट, जिसमें दुनिया भर के 90 देशों और तमाम बड़ी कंपनियों के प्रतिनिधियों के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, आर्टिफिशल इंटेलिजेंस हमारे भविष्य का अनिवार्य हिस्सा है, लेकिन किसी भी वजह से इसकी ग्रोथ को बेकाबू होने दिया गया तो उसके परिणाम खतरनाक साबित हो सकते हैं। भारत की भूमिका को खास बनाता है इसका असाधारण टैलंट पूल, इसके वे इंजिनियर और वैज्ञानिक जो नाम मात्र की लागत पर बड़े-बड़े अंतरिक्ष अभियान को अंजाम देते रहे हैं। हालांकि अभी तक इस मामले में भारत की पहल बहुत अच्छी नहीं कही जा सकती। बेहतर होगा कि केंद्र सरकार एक स्वतंत्र मंत्रालय बनाकर इस तकनीक को लेकर अपनी प्राथमिकता तय करे। इनोवेशन में भारत को हर जोखिम को उठाने के लिये स्वयं को सक्षम करना होगा। एआई का समुचित लाभ उठाने के लिए बहुत कुछ करने की जरूरत है। एआई के जरिये वे अनेक काम किए जा सकते हैं, जो अब तक मनुष्य करते रहे हैं, लेकिन यह ध्यान रहे कि उसमें मानवीय संवेदनाएं नहीं होतीं और वह उपलब्ध डाटा के आधार पर ही किसी नतीजे पर पहुंचती है। अब यदि डाटा ही सटीक न हो तो नतीजे भी नुकसान पैदा करने वाले हो सकते हैं। इस पर हैरानी नहीं कि अति उन्नत एआई को मानव सभ्यता के लिए संकट के रूप में भी देखा जा रहा है। इस आशंका को निर्मूल साबित करने वाले उपाय करना समय की मांग हैं और उन पर ज्यादा फोकस करना होगा।

इस तरह की तकनीक तभी लाभकारी सिद्ध होती है, जब उसका उपयोग समझदारी, नैतिकता एवं विवेकपूर्ण होता है। ज्यादा जरूरी है उसके दुरुपयोग की आशंकाओं पर प्रभावी ढंग से लगाम लगाने की स्थितियों एवं तंत्र को विकसित करने की। एआई के मामले में ऐसा इसलिए अनिवार्य रूप से करना होगा, क्योंकि यह मानव जीवन को कहीं गहराई से प्रभावित करने की क्षमता रखती है। एआई एक नई तकनीक है और बहुत से लोग उसके प्रयोग के तौर-तरीकों से अपरिचित हैं। इसीलिए यह आशंका उभरी है कि उसके कारण रोजगार का संकट पैदा हो सकता है। भारत में विभिन्न क्षेत्रों में विभिन्न नौकरियों पर एआई के प्रभाव को समझने के लिए एक व्यापक, डेटा-समर्थित अध्ययन आवश्यक है। आईएमएफ की एक रिपोर्ट ने अनुमान लगाया है कि एआई दुनिया भर में लगभग 40 प्रतिशत नौकरियों को प्रभावित करेगा, कुछ को प्रतिस्थापित करेगा और दूसरों को पूरक करेगा। यह भी ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि एआई अपने उपयोग के विकास के साथ नए प्रकार की नौकरियां भी पैदा करेगा। एआई पहले से ही विनिर्माण से लेकर बैंकिंग, स्वास्थ्य सेवा, कृषि और शिक्षा तक सभी क्षेत्रों में बदलाव ला रहा है। उदाहरण के लिए, शिक्षा क्षेत्र में, एआई व्यक्तिगत पाठ्यक्रम, परीक्षण, सीखने के तरीके और वितरण को सक्षम करके भारत के सीखने के परिदृश्य को बदल रहा है। नि:संदेह यह नई तकनीक अवसर बन रही है, तकनीकी विकास का सूरज बनकर नयी समाज संरचना को बल दे रही है। यह संभावनाभरा है कि पेरिस शिखर सम्मेलन में एआई के क्षेत्र में भारत और प्रमुख देशों के बीच सामंजस्य बढ़ने के संकेत मिले, लेकिन बात तब बनेगी, जब यह मंच एआई के नियमन एवं नियोजित विकास के लिए सहमति कायम करने की बुनियाद बने। एआई की तीव्र प्रगति और व्यापक अनुप्रयोग को देखते हुए, भारत के लिए अपना स्वयं का एआई सुरक्षा संस्थान स्थापित करना अपेक्षित है। ऐसा संस्थान सुरक्षित और नैतिक एआई प्रथाओं को विकसित करने, अनुसंधान करने और एआई के उपयोग में सुरक्षा की संस्कृति को बढ़ावा देने पर

# महाराष्ट्र की 'सेनाएं' समझें अपनी सीमाएं?

**अमिताभ श्रीवास्तव**

महाराष्ट्र में अविभाजित शिवसेना का सर्वश्रेष्ठ विधानसभा चुनाव प्रदर्शन 73 सीट वर्ष 1995 में रहा था, जब उसने भाजपा के साथ गठबंधन कर चुनाव लड़ा था। इसे संयोग माना जाए या फिर मजबूरी कि दोनों शिवसेना के नेता आदित्य ठाकरे और एकनाथ शिंदे गुरुवार को नई दिल्ली में थे। दोनों के देश की राजधानी में पहुंचने के कारण प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से अलग-अलग थे। मगर सब की समझ में जो आ रहा था, वह यही था कि एक अपनी पार्टी को बचाने और दूसरा अपनी पार्टी को बढ़ाने के लिए पहुंचा है।

पहले लोकसभा और उसके बाद विधानसभा चुनाव के बाद महाराष्ट्र की सभी 'सेनाएं' चौकन्नी हैं। शिवसेना का ठाकरे गुट जहां लोकसभा चुनाव में अपनी सफलता को संभाल कर रखना चाहता है, तो दूसरी ओर शिवसेना का शिंदे गुट उसे हर तरह से नुकसान पहुंचाकर खुद को बड़ा बनाना चाहता है। इन्हीं के बीच महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) भी है, जिसे किसी तरह चुनावी राजनीति से स्थापित होने की चाह है। किंतु ये तीनों ही दल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), कांग्रेस और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के साए में खड़े हैं। अनेक बार इन्हें अपना कद बड़ा नजर आता है, लेकिन जनमत उनकी सीमाओं को निर्धारित कर देता है। इतिहास गवाह है कि इनमें से किसी ने सत्ता के चुनावी लक्ष्य को कभी नहीं पाया है, लेकिन उन्हें पूरे महाराष्ट्र में उनका रुतबा छाया दिखाई देता है। महाराष्ट्र में अविभाजित शिवसेना का सर्वश्रेष्ठ विधानसभा चुनाव प्रदर्शन 73 सीट वर्ष 1995 में रहा था, जब उसने भाजपा के साथ गठबंधन कर चुनाव लड़ा था। इसी प्रकार लोकसभा चुनाव में वर्ष 2014 और 2019 में उसने गठबंधन में रहकर 18-18 सीटें जीतीं। वर्ष 1995 के चुनाव से पहले शिवसेना एक फूट का सामना कर चुकी थी, जो छगन भुजबल के अलग होने के बाद सामने आई थी।

वर्ष 1995 में ही उसने अपने मुख्यमंत्री के साथ सत्ता संभाली और दो नेताओं मनोहर जोशी तथा नारायण राणे को कुर्सी संभालने का सौभाग्य दिया। किंतु दोनों में से राणे ने अगले चुनाव में शिवसेना को छोड़ दिया और कांग्रेस में शामिल हो गए। इसके बाद शिवसेना को सत्ता तो नहीं मिली, लेकिन पारिवारिक विवाद के चलते फिर फूट पड़ी। उद्धव ठाकरे के कार्याध्यक्ष बनने के बाद राज ठाकरे ने शिवसेना को अलविदा कह दिया। वह पार्टी से बाहर निकल कर शांति से नहीं बैठे और उन्होंने शिवसेना के मुकाबले मनसे को खड़ा कर दिया। अपने पहले चुनाव में मनसे ने 13 विधायक बनाए। मगर वह लोकसभा में अपना कोई नेता नहीं भेज सकी। इसके बाद वर्ष 2022 में शिवसेना में फिर बड़ी फूट हुई और अधिकृत तौर पर चालीस से अधिक विधायक पार्टी छोड़कर चले गए। जिसके बाद शिवसेना का दूसरा टुकड़ा शिवसेना शिंदे गुट के रूप में पहचाना गया। इस गुट ने वर्ष 2024 के विधानसभा चुनाव में अपनी सीटें 57 तक पहुंचा दीं और लोकसभा में भी इसके सात सदस्य हैं। यदि सभी प्रकार की फूट और अलगाव को भुलाकर आंकड़ों को मिलाया जाए तो भी एकजुट शिवसेना अभी तक अपने विधायकों की संख्या सौ तक नहीं पहुंचा सकी है। यदि सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन की दृष्टि से भी देखा जाए तो पार्टी वर्ष 1995 की सफलता को कभी दोहरा नहीं पाई। मनसे का चुनावी ग्राफ लगातार गिरता ही गया। पार्टी से अलग हुए नेताओं ने दूसरे दलों का दामन थामकर अपनी राजनीतिक महत्वाकांक्षा को पूरा किया। यह स्पष्ट करता है कि महाराष्ट्र की 'सेनाओं' की कहीं न कहीं सीमाएं निर्धारित हैं। एक तरफ जहां चुनावी स्थितियों की खुली किताब सबके सामने है, वहीं दूसरी तरफ राज्य की तीनों सेनाएं अपने-अपने ढंग से दबाव बनाने में माहिर समझ रही हैं।

शिवसेना ठाकरे गुट को राकांपा नेता शरद पवार द्वारा पूर्व मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के सम्मान पर गुस्सा आ जाता है। उधर, राज्य में देवेंद्र फड़णवीस के मुख्यमंत्री बनने के बाद वर्तमान उपमुख्यमंत्री शिंदे अक्सर अलग दिशा में चलते दिखते हैं। यदि पिछले तीस सालों की महाराष्ट्र की राजनीति पर नजर दौड़ाई जाए तो स्पष्ट दिखाई देता है कि राज्य में कांग्रेस या फिर भाजपा के नेतृत्व में शासन-व्यवस्था को जनमत मिला। हालांकि कांग्रेस ने राकांपा और भाजपा ने शिवसेना को स्वीकार कर गठबंधन किया। साथ ही दोनों ने अपने सहयोगी दलों की राष्ट्रीय स्तर पर छवि गढ़ने की कोशिश की। इसमें राकांपा ने अपनी सीमाओं को हमेशा समझा और राजनीतिक परिपक्वता के साथ केंद्र-राज्य में गठबंधन सरकारों में हिस्सेदारी की। किंतु शिवसेना ने अपनी ताकत से अधिक मोल-भाव करने पर विश्वास किया। हालांकि बार-बार चुनाव परिणाम सच्चाई को सार्वजनिक कर रहे थे, लेकिन पार्टी नेतृत्व का अनुमान गलत साबित हो रहा था। इसलिए आवश्यक यही था कि वे हवा का रुख और अपनी क्षमता को समझें। किंतु बड़बोलापन और मराठी मानुस पर एकाधिकार की मानसिकता उन्हें चक्रव्यूह से बाहर नहीं निकलने दे रहे थे।

# नीतीश के बेटे निशांत के आने से जदयू हड़पने का सपना टूट जाएगा..!

**शशि शेखर**

बिहार की 58 फीसदी आबादी 25 साल से कम की है। 20 से 59 साल की आबादी करीब 47 फीसदी है। तेजस्वी, पीके, चिराग, कन्हैया, सम्राट चौधरी, मुकेश सहनी जैसे नए लीडर अब मैदान में हैं। लालू जी स्वास्थ्य कारणों से और नीतीश जी भी करीब-करीब उम्र जनित दिक्कतों की वजह से सक्रिय राजनीति से दूर हो जाएंगे। कब होंगे, इसका निर्णय वे स्वयं ही लेंगे। फिर, भाजपा के उस सपने का क्या होगा, उन लोगों का क्या होगा, जो जदयू में काफी पहले प्लांट किए गए थे, अगर नीतीश कुमार के पुत्र निशांत कुमार भी सक्रिय राजनीति में आ कर जदयू की कमान संभाल लेते है?

हरनौत सीट से नीतीश कुमार चुनाव लड़ते रहे हैं। अब एक पोस्टर आया है, जिस पर लिखा है, राजा का बेटा राजा नहीं बनेगा। ये पोस्टर किसी कांग्रेसी टिकटार्थी नेता रवि गोल्डन ने लगाया है, जो इसी सीट से खुद को संभावित प्रत्याशी मान कर चल रहा है। अब गोल्डन को राहुल गांधी, तेजस्वी यादव, चिराग पासवान और संतोष मांझी फकीर के बेटे तो निश्चित ही नहीं लगते होंगे। तो, उन्होंने ऐसा पोस्टर क्यों लगाया?

असल में खबर है कि निशांत इसी सीट से चुनाव लड़कर अपने पिता की विरासत और जदयू की कमान संभालेंगे। बिहार की और जदयू की अशांत राजनीति में निशांत की एंट्री अब तकरीबन क्लियर होती दिख रही है और इसलिए भी कि अब नीतीश कुमार के पास दूसरा कोई मुकम्मल रास्ता भी नहीं बचा है। रह गई बात राजा का बेटा राजा, तो बेचारा गोल्डन, मेरी समझ से किसी टटपुँजिया पर्चे

बाज की सलाह पर यह गलती कर बैठा या सब कुछ प्लांड है, कहना मुश्किल है। लेकिन, यह कहना आसान है कि राजनीति में तो धुँआ बिना आग के भी लग जाती है।

यहां तो निशांत की एंट्री को ग्रैंड बनाने की कोशिश सोशल इंजीनियरिंग के मास्टर नीतीश कुमार कर ही रहे होंगे। बस, ऐलान होना बाकी रह गया है। एनडीए के घटक संतोष मांझी से लेकर चिराग पासवान तक ने निशांत की एंट्री को ले कर सकारात्मक बयान दिए हैं। लालू यादव और तेजस्वी यादव खामोश है तो बिहार में नेता का बेटा नेता ही बनता है, यह कर्पूरी ठाकुर के बेटे रामनाथ ठाकुर से ले कर जीतनराम मांझी के बेटे संतोष मांझी तक जगजाहिर है। ऐसे में, नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार अगर बिहार की राजनीति में कदम रखते हैं, तो किम अश्चर्यम्।

निशांत बिहार की जरूरत हो न हो, लेकिन वे नीतीश कुमार की जरूरत जरूर है, जदयू की जरूरत जरूर हैं। जदयू नीतीश कुमार की महत्वाकांक्षा की वजह से आज ऐसी स्थिति में हैं, जो एक तरह से गिरवी रखी पार्टी जैसी है। वह भी तब, जब पिछले 18 सालों से नीतीश कुमार सीएम है। जार्ज फर्नांडीज से ले कर शरद यादव जैसे दिग्गज समाजवादी नेताओं को राजनीतिक तौर पर हाशिये पर डालने का काम नीतीश कुमार ने किया है।

नतीजा, आज उनकी पार्टी में उनके अलावा कोई नहीं दिखता। जो दिखता है, वो कोई और हैं। वो कम से कम समाजवादी मूल्यों वाली राजनीति तो नहीं ही करेगा। यह बात नीतीश कुमार अब भली-भांति समझाने लगे हैं, महसूस करने लगे हैं। उन्हें यह अंदाजा आज से नहीं, काफी पहले से हैं, कि भाजपा ने 18 साल उनकी पालकी ऐसे ही नहीं ढोयी है। इसका मुआवजा भाजपा को चाहिए होगा और जदयू से बेहतर मुआवजा भाजपा के लिए क्या हो सकता है?

लेकिन, बिहार और देश की नब्ज समझने वाले लालू प्रसाद यादव ने संसद में ऐसे ही नहीं कह दिया था कि लोगों के मुंह में दांत होते है, लेकिन नीतीश कुमार के...तो, आपने-हमने सबने गौर किया होगा कि जब-जब ऐसा लगा कि भाजपा बिहार में अपने दम पर या जदयू को नुकसान पहुंचा कर स्वयं सत्ता में आ सकती है, नीतीश कुमार की अंतरात्मा जाग कर सीधे लालू जी के आवास पर सुबह की सैर पर चली जाती थी। सुबह की सैर का यह शौक आज भी खत्म हो गया हो, जरूरी नहीं है। जरूरी है कि उनकी पार्टी बचे और पार्टी बचाने का काम क्या सनाज्य झा करेंगे? नहीं, निश्चित ही यह काम निशांत करेंगे?

आज तक, मंडल-कमंडल-मंदिर-मस्जिद की महागाथा के बाद भी, भाजपा का रथ बार-बार बिहार में ही रूक जाता है। दक्षिणपंथ की राजनीति को जैसे समाजवादी नेता शुरू से ऑक्सीजन देते रहे थे, वैसे ही बिहार में भाजपा को ऑक्सीजन मिला नीतीश कुमार से। लेकिन, कहते है ना, दुनिया में कुछ भी फ्री नहीं. तो, भले सबसे कम सीटें ला कर भी नीतीश कुमार लगातार 18 सालों से मुख्यमंत्री बने हुए हैं, लेकिन भाजपा शांत भी इसी वजह से बैठी रही कि जब सही वक्त (!) आएगा, तब सबकुछ सूद समेत वसूल लिया जाएगा।

इसलिए, याद करिए कि नरेन्द्र सिंह से ले कर ब्रिसिन पटेल, जीतन राम मांझी से लेकर आरसीपी सिंह या फिर उपेन्द्र कुशवाहा हो, सारे के सारे जब जदयू का दामन छोड़ते है, तो सीधे भाजपा कार्यालय या उसके आसपास के लॉन में ही देखे जाते हैं। नीतीश कुमार इस मामले में स्वर्गीय रामविलास पासवान से भी एक कदम आगे के मौसम विज्ञानी है और उन्हें पता है कि किसे, कब, कहा रखना है, कितनी देर रखना है। अन्यथा, जिन पीके ने 2015 में उनके लिए दिल खोल कर काम किया था, उन पीके को भी नीतीश कुमार ने बाहर का रास्ता दिखाने में संकोच नहीं किया।

ऐसे में, जदयू के संजय झा हो या अन्य कोई नवसमाजवादी नेता, कल को अगर भाजपा के सपने को पूरा करने की कोशिश भी करते दिखे तो क्या नीतीश कुमार चुप रह जाएंगे। नहीं, उनके पास बेटा है सबसे भरोसेमंद। वैसे भी नीतीश कुमार कभी राजा नहीं रहे तो निशांत को राजा का बेटा कहना भी गलत होगा। 60 फीसदी युवा बिहारियों के बीच एक और युवा राजनीति में आए, इसमें बुराई ही क्या है?

# दिल्ली जीतकर भारतीय जनता पार्टी ने दिखाई धमक

**रमेश सर्राफ धमोरा**

दिल्ली विधानसभा चुनाव में भाजपा ने बड़ी जीत हासिल कर अपनी धमक दिखायी है। 1998 में भाजपा दिल्ली विधानसभा चुनाव हार गई थी। उसके बाद इस बार के चुनाव में ही भाजपा जीत कर अपनी सरकार बनाने वाली है। लगातार छह बार विधानसभा चुनाव में हारने से भाजपा के लिए इस बार के दिल्ली विधानसभा के चुनाव बड़ी प्रतिष्ठा के सवाल बने हुए थे। इसीलिए भाजपा ने दिल्ली विधानसभा के चुनाव में जीत हासिल करने के लिए एड़ी चोटी का जोर लगा दिया था। इस बार के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने दिल्ली में मुख्यमंत्री रहे अरविंद केजरीवाल, उपमुख्यमंत्री रहे मनीष सिसोदिया सहित आम आदमी पार्टी के कई दिग्गज नेताओं को हराकर अपनी पुरानी हार का बदला ले लिया है।

पिछले लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस ने करीबन 30 विपक्षी दलों को साथ लेकर भाजपा के खिलाफ एक मजबूत इंडिया गठबंधन बनाया था। जिसमें शामिल सभी विपक्षी दलों ने ज्यादातर सीटों पर एक साथ मिलकर चुनाव लड़कर भाजपा को कड़ी टक्कर दी थी। लोकसभा चुनाव में भाजपा नीत एनडीए गठबंधन को 293 लोकसभा सीट ही मिल पाई थी। जबकि 400 पार का नारा देने वाली भाजपा महज 240 सीटों पर सिमट गई थी। वहीं इंडिया गठबंधन ने 236 सीटे जीती थी। कांग्रेस 53 सीटों से बढ़कर 99 सीटों पर पहुंच गई थी। इसी तरह समाजवादी पार्टी उत्तर प्रदेश में 5 सीटों से बढ़कर 37 सीटों पर पहुंच गई थी।

हालांकि एनडीए गठबंधन में शामिल साथी दलों के सहयोग से भाजपा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लगातार तीसरी बार केन्द्र में सरकार बनाने में सफल रही। मगर सामान्य बहुमत से दूर रहने के चलते भाजपा का मनोबल काफी कमजोर हो रहा था। वहीं इंडिया गठबंधन में शामिल विपक्षी दलों की लोकसभा में संख्या बढ़ने से वह सरकार पर जोरदार हमला कर रहा था।

लोकसभा चुनाव के बाद हरियाणा विधानसभा के चुनाव में कांग्रेस को पूरा भरोसा था कि उनकी पार्टी की सरकार बनेगी। इसलिए कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव से इतर विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी से समझौता नहीं कर अकेले ही चुनाव मैदान में उतरी थी। मगर हरियाणा विधानसभा के चुनाव में भाजपा ने 48 सीटे जीतकर कांग्रेस को करारी शिकस्त दी थी। हरियाणा में जीत से देशभर में भाजपा नेताओं व कार्यकर्ताओं का मनोबल भी बढ़ा। भाजपा ने हरियाणा में जहां लगातार तीसरी बार सरकार तो बनायी ही इसके साथ ही अब तक की सबसे अधिक 48 सीट जीत कर यह दिखा दिया कि लोकसभा चुनाव परिणाम से भाजपा के कार्यकर्ता निराश नहीं है।

उसके बाद महाराष्ट्र व झारखंड विधानसभा के चुनाव संपन्न हुए। महाराष्ट्र में भाजपा ने अब तक की सबसे अधिक सीटे जीतकर एक नया रिकॉर्ड बनाया। झारखंड में भाजपा चुनाव हार गई। मगर महाराष्ट्र में भाजपा की बड़ी जीत में झारखंड की हार दब कर रह गई। महाराष्ट्र में भाजपा ने अकेले 132 सीटे जीती जो अब तक की सबसे अधिक थी। वहीं भाजपा के सहयोगी शिवसेना व राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी ने भी करीबन 100 सीट जीतकर महाराष्ट्र में कांग्रेस, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी शरद चंद्र पवार व शिवसेना उद्धव बालासाहेब ठाकरे को मात्र 46 सीटों पर समेट दिया। हरियाणा व महाराष्ट्र चुनाव भाजपा के लिए एक नई संजीवनी साबित हुए थे। पिछले लोकसभा चुनाव में भाजपा गठबंधन महाराष्ट्र में महज 17 सीट ही

जीत पाया था। मगर विधानसभा चुनाव में मिली बंपर जीत ने लोकसभा चुनाव की हार को भुला दिया।

हाल ही में दिल्ली विधानसभा के चुनाव में भी भाजपा ने पहली बार 48 सीट जीतकर एक नया इतिहास रचा है। दिल्ली विधानसभा में भाजपा पिछले 26 वर्षों से सत्ता से बाहर थी। दिल्ली में 1998, 2003 व 2008 में लगातार तीन बार कांग्रेस की सरकार बनी थी। वहीं 2013, 2015 व 2020 में लगातार तीन बार आम आदमी पार्टी की सरकार बनी थी। 2015 में महज 3 सीट व 2020 में मात्र 8 सीट जीतने वाली भाजपा ने इस बार 48 सीट जीतकर अपनी ताकत का अहसास करवाया है।

हालांकि 2014, 2019 व 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा दिल्ली की सभी 7 सीटे जीतकर हैट्रिक बना चुकी है। मगर विधानसभा चुनाव में लगातार 6 बार सत्ता से बाहर रहने के कारण भाजपा इस बार हर हाल में दिल्ली में अपनी सरकार बनाना चाहती थी। इसके लिए भाजपा के सभी नेता व कार्यकर्ताओं ने एकजुट होकर चुनाव लड़ा और जीत हासिल की। यदि भाजपा इस बार भी दिल्ली में चुनाव हार जाती तो आगे आने वाले बिहार, असम विधानसभा के चुनाव में उसे नुकसान उठाना पड़ सकता था।

दिल्ली विधानसभा चुनाव में भाजपा ने 48 सीटों के साथ 45.56 प्रतिशत वोट भी प्राप्त किये है। जो भाजपा का अब तक का सर्वोच्च आंकड़ा है। पिछले विधानसभा चुनाव की तुलना में जहां भाजपा की 40 सीट बढ़ गई है। वहीं उसका वोट प्रतिशत भी 7.38 प्रतिशत बढ़ा है। भाजपा को कुल 46 लाख 23 हजार 110 वोट मिले हैं। वहीं आम आदमी पार्टी महज 22 सीटों पर ही सिमट गई। उसे 43.57 प्रतिशत मत मिले हैं। जो पिछले विधानसभा चुनाव की तुलना में 10 प्रतिशत कम हैं। आम आदमी पार्टी को 41 लाख 33 हजार 898 वोट मिले हैं। इस बार दिल्ली विधानसभा चुनाव जीतने के लिए भाजपा ने चुनावों के दौरान आम आदमी पार्टी की आपदा पार्टी वाली छवि बना दी थी। पार्टी के बड़े नेता अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया सत्येंद्र जैन, संजय सिंह को भ्रष्टाचार के आरोपों में जेल जाने को भाजपा ने बड़ा मुद्दा बना कर दिल्ली की जनता को आम आदमी पार्टी की वास्तविकता से रूबरू करवाया। इसके साथ ही अरविंद केजरीवाल द्वारा मुख्यमंत्री आवास में करवाए गए कार्यों को भाजपा ने शीशमहल कहकर प्रचारित किया। जिससे दिल्ली के आम मतदाताओं को लगने लगा कि जिस पार्टी को वह अपनी हमदर्द पार्टी मानकर लगातार तीन बार से चुनाव जीतवा रहा है। उस पार्टी के नेता भी अन्य राजनीतिक दलों के नेताओं की तरह भ्रष्टाचार करने लगे हैं। मतदाताओं की यह सोच आम आदमी पार्टी के खिलाफ गई और उसे चुनाव में करारी पराजय झेलनी पड़ी।

दिल्ली विधानसभा के चुनाव में इस बार मतदाताओं ने दलबदलुओं को भी उनकी औकात दिखा दी। 24 दलबदलू नेता भाजपा, आप व कांग्रेस पार्टी से टिकट प्राप्त कर चुनाव मैदान में उतरे थे। जिनमें से महज नो नेता ही चुनाव जीत सके। बाकी 15 प्रत्याशियों को हार का सामना करना पड़ा। दलबदलुओं में छह भाजपा के निशान पर व तीन आप पार्टी के निशान पर जीते हैं। दिल्ली विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी के अरविंद केजरीवाल के मुकाबले भाजपा ने किसी स्थानीय नेता की बजाय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की छवि पर चुनाव लड़ा और जीता।

दिल्ली विधानसभा चुनाव में जीतने के बाद भाजपा के कार्यकर्ता उत्साह से लबरेज नजर आ रहे हैं। दिल्ली चुनाव के नतीजे आने के बाद भाजपा ने राजस्थान में कैबिनेट मंत्री डॉक्टर किरोडी लाल मीणा व हरियाणा में कैबिनेट मंत्री अनिल विज को उनके पार्टी विरोधी बयानों पर कारण बताओं नोटिस जारी कर यह जता दिया कि भाजपा में अनुशासन की लक्ष्मण रेखा पार करने का किसी को भी अधिकार नहीं है। चाहे वह कितना ही बड़ा नेता क्यों ना हो। यदि कोई पार्टी का अनुशासन तोड़ेगा तो उसके खिलाफ कार्यवाही होगी। किरोड़ीलाल मीणा, अनिल विज को नोटिस भी दिल्ली जीत के बाद ही दिया गया है। यदि दिल्ली में भाजपा चुनाव हार जाती तो शायद ही इतना बड़ा कदम उठा पाती। कई राज्यों के विधानसभा चुनाव में लगातार जीतने से जहां भाजपा नेताओं का मनोबल बढ़ा हुआ है। वही इंडिया गठबंधन में आपसी आरोप प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया है। यदि विपक्षी दलों में खींचतान बढ़ती है तो आगे आने वाले विधानसभा चुनावों में उसका फायदा भी भाजपा को ही मिलना सुनिश्चित लग रहा है।

# बॉक्स ऑफिस पर बड़ी ओपनर बन सकती है विक्की कौशल की छावा

दिनेश विजान निर्मित और लक्ष्मण उतेकर निर्देशित ऐतिहासिक फिल्म छावा को लेकर दर्शकों में एक अलग ही उत्साह नजर आ रहा है। इस फिल्म को लेकर दर्शकों में कितनी दीवानगी इस बात का सबूत फिल्म की 9 फरवरी से शुरू हुई एडवांस बुकिंग से चलता है। मराठा योद्धा छत्रपति संभाजी महाराज पर आधारित यह फिल्म साल 2025 की अब तक की हाईएस्ट ओपनर बॉलीवुड फिल्म बनने की राह पर अग्रसर है। वैलेंटाइन के दिन 14 फरवरी को सिनेमाघरों में दस्तक देने से पहले ही फिल्म एडवांस बुकिंग में नया रिकॉर्ड भी बना सकती है। जब से छावा के लिए सिनेमाघरों की टिकट खिड़कियां खुली हैं तभी से जमकर टिकट बिक रही है। 9 फरवरी को ही छावा की एडवांस बुकिंग शुरू हुई थी और सिर्फ चार दिन के अंदर ही इसने करोड़ों रुपए की कमाई करने में सफलता प्राप्त कर ली है।

ट्रेड वेबसाइट सैकनिल्क की रिपोर्ट के अनुसार, बुधवार (12 फरवरी) को दोपहर 1 बजे तक फिल्म 2,17,629 टिकट सेल हुई हैं। एडवांस बुकिंग के जरिए लक्ष्मण उतेकर की निर्देशित फिल्म ने 6.15 करोड़ रुपये कमा लिए हैं। जबकि ब्लॉक सीटों के साथ छावा ने 7.68 करोड़ रुपये कमाए हैं। उम्मीद है कि फिल्म पहले दिन 15 से 18 करोड़ रुपये कमा सकती है। मंगलवार को सुबह 11 बजे तक बॉक्स ऑफिस पर इसके एडवांस बुकिंग के पहले दिन करीब 1.48 लाख टिकट बिक चुके थे, जिससे कुल 4.21 करोड़ रुपए की कमाई हुई। ब्लॉक सीट डेटा सहित प्री-सेल्स बिजनेस के साथ फिल्म ने 5.53 करोड़ रुपए का कलेक्शन कर लिया है। कमाई के मुताबिक सबसे ज्यादा कारोबार महाराष्ट्र से हो रहा है जहां दर्शक छत्रपति संभाजी राज की यह फिल्म देखने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। उम्मीद है कि फिल्म छावा पहले दिन 15-18 करोड़ रुपए की कमाई कर सकती है। यह फिल्म छत्रपति शिवाजी महाराज के पुत्र छत्रपति संभाजी के जीवन और उनकी वीरता पर आधारित है, जिन्होंने मुगल बादशाह औरंगजेब के साथ युद्ध किया था। बॉक्स ऑफिस को उम्मीद है कि छावा अजय देवगन की मराठा योद्धा तान्हाजी के ज्यादा बड़ी और भव्य फिल्म साबित हो सकती है। इस फिल्म को लेकर महाराष्ट्र के दर्शकों में जबरदस्त जुनून नजर आ रहा है। फिल्म के ट्रेलर ने दर्शकों को प्रभावित किया है। हालांकि सेंसर बोर्ड ने फिल्म के कुछ दृश्यों और संवादों को हटाने का निर्देश निर्माताओं को दिया जिसे उन्होंने तुरन्त स्वीकार करते हुए उनमें संशोधन कर दिया है। अजय देवगन की तान्हाजी ने अपने समय में बॉक्स ऑफिस पर 300 करोड़ से ज्यादा का कारोबार किया था। छावा अगर उनके इस रिकॉर्ड को तोड़ने में सफल हो जाती है तो यह तय है कि विक्की कौशल हिन्दी सिनेमा के बड़े सितारों में शुमार हो जाएंगे।

# टॉक्सिक की शूटिंग दो भाषाओं में कर रहीं हैं कियारा आडवाणी

**अभिनेत्री कियारा आडवाणी इन दिनों अपनी पहली कन्नड़ फिल्म टॉक्सिक की शूटिंग में व्यस्त हैं। फिल्म के निर्देशन की कमान राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता निर्देशक गीता मोहनदास के हाथों में है। यह फिल्म एक हाई-ऑक्टेन एक्शन गैंगस्टर ड्रामा है, जिसे अंग्रेजी और कन्नड़ दोनों भाषाओं में एक साथ शूट किया जा रहा है।**

टॉक्सिक का निर्माण केवीएन प्रोडक्शंस और यश की मॉन्स्टर माइंड क्रिएशन्स की ओर से किया जा रहा है। यह फिल्म इस साल वैश्विक स्तर पर सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। फिल्म की शूटिंग बेंगलुरु में चल रही है। निर्देशक गीता मोहनदास से दर्शक शानदार एक्शन और कहानी की उम्मीदें लगाए बैठे हैं।

## दो भाषाओं में कियारा कर रहीं शूटिंग

बीते काफी समय से कियारा का करियर कुछ खास नहीं चल रहा है। ऐसे में टॉक्सिक से उन्हें काफी ज्यादा उम्मीदें हैं। इस फिल्म को लेकर वह काफी ज्यादा मेहनत भी कर रही हैं। कियारा आडवाणी इस फिल्म में दोनों भाषाओं (अंग्रेजी और कन्नड़) में अपने संवादों को प्रस्तुत करेंगी, जो उनके करियर में एक महत्वपूर्ण कदम है। फिल्म में यश मुख्य भूमिका में हैं। केजीएफ चैप्टर 2 के बाद यश इस फिल्म से बड़े पर्दे पर वापसी करने जा रहे हैं। यही वजह है कि इस नई जोड़ी को पर्दे पर देखने के लिए फैंस काफी ज्यादा उत्सुक नजर आ रहे हैं।

# विवाद के बीच समय रैना के बचाव में आईं उर्फी

**समय रैना के शो इंडियाज गॉट लैटेंट में अभद्र टिप्पणी को लेकर रणवीर इलाहाबादिया विवादों में हैं। समय रैना पर भी सवाल उठ रहे हैं। इस बीच उर्फी जावेद कथित फ्रेंड समय रैना के बचाव में आई हैं।**

मशहूर यूट्यूबर रणवीर इलाहाबादिया ने हाल ही में समय रैना के शो इंडियाज गॉट लैटेंट में परिवार को लेकर अश्लील टिप्पणी की। उन्होंने जो कुछ भी कहा, उस पर विवाद हो रहा है। रणवीर इलाहाबादिया और समय रैना सहित कई लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज है। रणवीर की अलोचना हो रही है तो समय रैना पर भी सवाल उठ रहे हैं। यूट्यूब पर आपत्तिजनक कंटेंट दिखाने के लिए समय को जेल भेजने की मांग की जा रही है। इस पर उर्फी जावेद कथित दोस्त के बचाव में आई हैं।

## जेल नहीं भेजना चाहिए

समय रैना के शो इंडियाज गॉट लैटेंट को यूट्यूबर रणवीर अल्लाहबादिया के साथ पिछले एपिसोड को लेकर कड़ी आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा है। शो में कथित तौर पर अपमानजनक भाषा के इस्तेमाल को लेकर दोनों के खिलाफ शिकायत दर्ज की गई है। रणवीर इलाहाबादिया और समय रैना की जमकर आलोचना हो रही है। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए उर्फी जावेद कहा है, भले ही पैनल पर इस तरह की टिप्पणियां की गई, जो आपत्तिजनक थीं, लेकिन इसके लिए उन्हें जेल नहीं भेजना चाहिए।

## जो कहा वो गलत था, लेकिन...

उर्फी जावेद ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर लिखा है, आपको कुछ लोग पसंद नहीं हैं, आपको उनकी कही या की गई बातें पसंद नहीं हैं, लेकिन इसके लिए आप उन्हें जेल भेजने की मांग कर रहे हैं? क्या वाकई? मुझे नहीं पता। समय दोस्त है, मैं उनका साथ देती हूं, लेकिन पैनल के बाकी लोगों ने जो कहा वह आपत्तिजनक था। वह टिप्पणी आपत्तिजनक थीं, लेकिन मुझे नहीं लगता कि वे इसके लिए जेल जाने के लायक हैं।

# इमरजेंसी देख मृणाल ठाकुर ने की कंगना रनौत की तारीफ

बॉलीवुड अभिनेत्री मृणाल ठाकुर ने कंगना रनौत की फिल्म इमरजेंसी देखी। इसके बाद उन्होंने एक ट्रोल द्वारा इसे प्रोपेगैंडा फिल्म कहे जाने के बाद कंगना का बचाव किया। मृणाल ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर कंगना की तारीफ की है।

## मृणाल ठाकुर ने की इमरजेंसी की तारीफ

मृणाल ठाकुर ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर कंगना रनौत की तस्वीर शेयर कर उनकी तारीफ की है। उन्होंने लिखा, मैंने अभी-अभी अपने पिता के साथ सिनेमाघरों में इमरजेंसी देखी और मैं अभी भी उस अनुभव से उबर नहीं पाई हूं! कंगना रनौत की बहुत बड़ी प्रशंसक होने के नाते, मैं इस फिल्म को बड़े पर्दे पर देखने का बेसब्री से इंतजार कर रही थी और यह एक बेहतरीन फिल्म थी।

## मृणाल ने की कंगना की तारीफ

मृणाल ने लिखा, गैंगस्टर से लेकर क्वीन, तनु वेड्स मनु से लेकर मणिकर्णिका, थलाइवी और अब इमरजेंसी तक कंगना लगातार अपनी सीमाओं को लांघकर काम करती जाती हैं। इस फिल्म में कंगना का निर्देशन और अदाकारी दोनों शानदार हैं। कंगना, आप सिर्फ एक अभिनेता नहीं हैं। आप एक सच्ची कलाकार और प्रेरणा हैं। उनकी चुनौती पूर्ण भूमिकाएं हमेशा सबको प्रेरित करती हैं। कंगना रनौत और उनकी फिल्म की पूरी टीम ने एक बहुत शानदार मास्टर पीस बनाया है। मैं इसे बड़े पर्दे पर देख सकी, ये मेरे लिए बहुत बड़ी बात है। मैं आपकी तारीफ करना कभी बंद नहीं करूंगी। कंगना की फिल्म को लेकर मृणाल ने कहा कि पटकथा, संवाद, संगीत और संपादन बहुत अच्छे और अट्रैक्टिव हैं। उन्होंने फिल्म में नजर आए सभी कलाकारों की तारीफ की है। उन्होंने लिखा, अभिनेता ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया।

# 'विश्वम्भरा' के सॉन्ग सीक्वेंस के लिए शूट करेंगे चिरंजीवी

मेगास्टार चिरंजीवी की तीन फिल्में आने वाली हैं। उन्हीं में से एक है 'विश्वम्भरा', जिसकी शूटिंग अभी चल रही है। इस फिल्म का निर्देशन वशिष्ठ मल्लिदी कर रहे हैं और अभिनेत्री त्रिशा मुख्य भूमिका में हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक चिरंजीवी फिल्म का एक गाना शूट करने वाले हैं। इस सीक्वेंस में उनके साथ और कौन शामिल होगा इसकी जानकारी अभी सामने नहीं आई है। इस गाने का म्यूजिक ऑस्कर विजेता एमएम कीरवानी ने तैयार किया है कहा जा रहा है कि फिल्म 9 मई 2025 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी, हालांकि निर्माताओं द्वारा इसकी पुष्टि अभी नहीं हुई है। इसके स्टार कास्ट की बात करें तो फिल्म में चिरंजीवी के अलावा आशिका रंगनाथ, राम्या पसुपुलेटी, ईशा चावला, आश्रिता और अन्य कलाकार शामिल हैं। इस फिल्म में कुणाल कपूर खलनायक की भूमिका निभा रहे हैं।

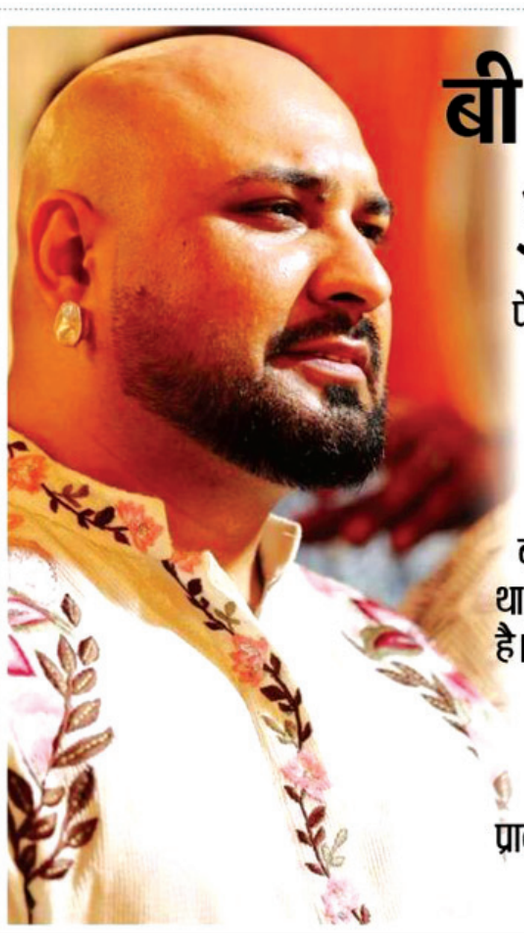

# बी प्राक ने कैंसिल किया रणवीर अलाहबादिया का पॉडकास्ट

**पेरेंट्स और महिलाओं पर भद्दे कमेंट मामले के बाद सिंगर बी प्राक ने यूट्यूबर रणवीर अलाहबादिया के पॉडकास्ट में जाने से इनकार कर दिया है। उन्होंने कहा- मैं बीयर बाइसेप्स के पॉडकास्ट में जाने वाला था, लेकिन अब इसे कैंसिल कर दिया है। वजह उनकी गिरी हुई मानसिकता है। समय रैना के शो में कैसे शब्दों का इस्तेमाल किया गया है। यह हमारा इंडियन कल्चर नहीं है। बी प्राक ने यह बातें इंस्टाग्राम पर वीडियो शेयर कर कहीं।**

## 'रणवीर आप सनातन धर्म को प्रमोट करते हैं, लेकिन सोच घटिया'

बी प्राक ने कहा, 'आप (रणवीर) अपने पेरेंट्स की कौन सी स्टोरी बता रहे हैं। आप उनकी कौन सी बातें कर रहे हैं। किस तरीके से यह बातें कर रहे हैं। यह कॉमेडी है? इसे कॉमेडी तो बिल्कुल नहीं कहते। लोगों को गालियां देना, लोगों को गालियां सिखाना स्टैंड-अप कॉमेडी नहीं है। मुझे समझ ही नहीं आ रहा है कि यह कौन सी जनरेशन है। शो में एक सरदार (बलराज घई) जी आते हैं। सरदार जी आप एक सिख हैं, क्या आपको यह चीजें शोभा देती हैं। सरदार जी इंस्टाग्राम के वीडियो में कहते हैं कि मैं गालियां देता हूं, क्या प्रॉब्लम है। हमें प्रॉब्लम है और रहेगी। रणवीर अलाहबादिया आप सनातन धर्म को प्रमोट करते हैं। इतने बड़े-बड़े लोग आपके पॉडकास्ट में आते हैं, बड़े-बड़े संत आते हैं और आपकी इतनी घटिया सोच है। आप इतने फेमस हो गए हैं। आपको तो यह दिखाना चाहिए कि अपने कल्चर को कैसे प्रमोट करें।'

सिंगर कहते हैं, 'दोस्तों मैं आपसे एक ही बात बोलूंगा कि अगर हम यह सारी चीजें नहीं रोक पाए, तो हमारी आने वाली जनरेशन का भविष्य बहुत खराब होगा। मैं समय रैना समेत सभी कॉमेडियन से हाथ जोड़कर विनती करता हूं कि ऐसा मत करिए। हमारे इंडियन कल्चर को बचा कर रखिए और लोगों को मोटिवेट करिए। ऐसा कंटेंट बनाइए कि आने वाली जनरेशन को प्रेरणा मिले। थैंक्यू, राधे-राधे।

इंडियाज गॉट लेटेंट स्टैंड-अप कॉमेडियन समय रैना का शो है, जिस पर विवाद हो रहा है। यह एपिसोड 8 फरवरी को यूट्यूब पर रिलीज किया गया था। हालांकि विवाद बढ़ने के बाद एपिसोड को यूट्यूब से हटा दिया गया है। इस शो में पेरेंट्स और महिलाओं को लेकर ऐसी बातें कही गईं। समय रैना के इस शो में बोल्ड कॉमेडी कंटेंट होता है। शो के दुनियाभर में 73 लाख से ज्यादा सब्सक्राइबर हैं। शो के हर एपिसोड को यूट्यूब पर औसतन 20 मिलियन से ज्यादा व्यूज मिलते हैं। समय और बलराज घई को छोड़कर शो के हर एपिसोड में जज बदलते रहते हैं। हर एपिसोड में नए कंटेस्टेंट को परफॉर्म करने का मौका मिलता है। कंटेस्टेंट को अपना टैलेंट दिखाने के लिए 90 सेकेंड दिया जाता है।

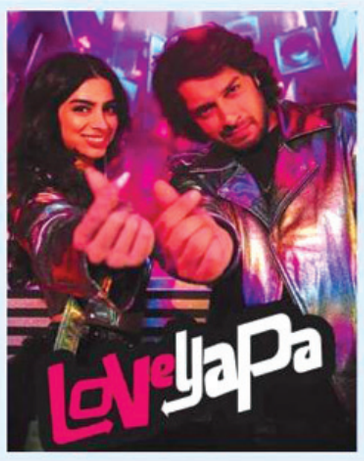


# दर्शकों को नहीं पसंद आई जुनैद-खुशी की कॉमेडी

लवयापा बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप होने की कगार पर पहुंच चुकी है। यह फिल्म अपने बजट का मुश्किल से 10 फीसदी ही कमा सकी है। सप्ताहांत के बाद फिल्म की कमाई अब लाखों तक ही सीमित रह गई है। सोमवार को इस फिल्म ने 55 लाख रुपये का कलेक्शन किया। वहीं, पांचवें दिन इस फिल्म ने 50 लाख रुपये का कलेक्शन किया। इसके साथ ही फिल्म की कुल कमाई अब पांच करोड़ 60 लाख रुपये हो गई है।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

## आप के तीन मौजूदा पार्षद भाजपा में हुए शामिल

**नईदिल्ली।** दिल्ली में दिल्ली बीजेपी अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा की मौजूदगी में एमसीडी पार्षद अनीता बसोया, संदीप बसोया, निखिल चपराना, धर्मवीर सिंह बीजेपी में शामिल हुए। हाल में ही संपन्न विधानसभा चुनाव में भाजपा ने दिल्ली की 70 सदस्यीय विधानसभा में 48 सीटें जीतकर कमाल किया है। ऐसे में अब स्पष्ट में भी भाजपा की सरकार बन सकती है। पूरा का पूरा नंबर गेम इससे पलट सकता है। यह अरविंद केजरीवाल के लिए भी बड़ा झटका है। बीजेपी अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि पिछली दिल्ली सरकार के सभी कुकर्म खत्म होने वाले हैं और उसी हिसाब से सजा दी जाएगी। चाहे वह शीश महल हो, शराब घोटाला हो, जल बोर्ड घोटाला हो, पैनिक बटन घोटाला हो, राशन कार्ड घोटाला हो या फिर मोहल्ला क्लीनिक घोटाला हो। हर उस व्यक्ति को सजा मिलेगी जिसने दिल्ली को लूटने का काम किया है। किसी को बख्शा नहीं जाएगा।

## अवैध प्रवासियों के विमान की अमृतसर में लैंडिंग पर रार

**नई दिल्ली।** अमेरिका में अवैध रूप से रह रहे भारतीय नागरिकों को भारत भेजने मामले में एक नया विवाद शुरू हो गया है। ये विवाद अवैध प्रवासियों के विमान के अमृतसर में उतारने को लेकर खड़ा हो गया, जहां पंजाब के सीएम भगवंत मान ने आरोप लगाया कि आखिरकार अमेरिकी से भेजे जा रहे अवैध प्रवासियों का विमान पंजाब में क्यों उतारा जा रहा है, गुजरात और अंबाला में क्यों नहीं? साथ ही सीएम मान ने इसे पंजाब को बदनाम करने का साजिश करार दिया। सीएम मान के इस बयान पर देश में बयानबाजी तेज हो गई है। मामला अब भाजपा बनाम विपक्ष हो गया है और दोनों पार्टियां एक दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप कर रहीं है। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के अमेरिका से अवैध भारतीय अप्रवासियों को अमृतसर लाने वाले विमानों पर दिए गए बयान पर शिवसेना (यूबीटी) की सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने समर्थन जताया। उन्होंने कहा कि भगवंत मान बिलकुल सही हैं।

## आतंकी तहव्वुर को जल्द भारत लाने की तैयारी

**नई दिल्ली।** अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट की मंजूरी के बाद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की 26/11 मुंबई आतंकी हमले के मुख्य साजिशकर्ताओं में शामिल तहव्वुर राणा के प्रत्यर्पण पर मुहर लगा दी। राजनीतिक सहमति के बाद भारत उसे जल्द से जल्द यहां लाने की तैयारी में जुट गया है। प्रत्यर्पण की तारीख और समय तय करने के लिए विदेश मंत्रालय अमेरिकी समकक्ष के संपर्क में है। सहमति बनते ही राष्ट्रीय जांच एजेंस् (एनआईए) की टीम अमेरिका रवाना हो जाएगी। उम्मीद है कि अगले महीने तक राणा भारत में होगा। दो वर्ष पूर्व अमेरिकी अदालत ने राणा को भारत प्रत्यर्पित करने की अनुमति दे दी थी। इसके बाद, बीते महीने अमेरिकी अदालत ने प्रत्यर्पण के खिलाफ दायर पुनर्विचार याचिका को भी खारिज कर दिया था। अब ट्रंप ने सार्वजनिक रूप से राणा को प्रत्यर्पित करने की घोषणा की है। अब राजनीतिक सहमति के बाद प्रत्यर्पण की सारी रुकावटें दूर हो गई हैं।

## अखिलेश यादव के घर और सपा दफ्तर पर बढ़ी सुरक्षा

**लखनऊ।** पार्टी नेता मनीष जगन अग्रवाल की हालिया हिरासत के बाद सपा कार्यकर्ताओं द्वारा संभावित विरोध प्रदर्शन की चिंताओं के बीच शनिवार सुबह उत्तर प्रदेश के लखनऊ में समाजवादी पार्टी (सपा) कार्यालय और पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव के आवास के बाहर सुरक्षा कड़ी कर दी गई। मनीष जगन अग्रवाल सपा व्यापार सभा के अध्यक्ष हैं। एसपी कार्यालय के पास कई थानों के पुलिस कर्मियों को तैनात किया गया है और इलाके में बैरिकेड्स लगाए गए हैं। सूत्रों ने कहा कि पुलिस को संदेह है कि पार्टी कार्यकर्ता सम्मेलन से पहले या बाद में विरोध प्रदर्शन कर सकते हैं। समाजवादी पार्टी (सपा) नेता फखरुल हसन चांद ने कहा कि भाजपा को संविधान और लोकतंत्र पर विश्वास नहीं है। व्यापार सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष मनीष जगन अग्रवाल को रात में उनके घर से उठाया गया और मेडिकल परीक्षण के लिए ले जाया गया। उसे कहां ले जाया गया, इसके बारे में पुलिस की ओर से कोई जानकारी नहीं दी गयी।

## पलानीस्वामी भाजपा की 'भाषा बोल' रहे : सीएम स्टालिन

**चेन्नई।** तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने शनिवार को अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) महासचिव एडप्पादी के. पलानीस्वामी पर भाजपा की ''बोलने'' का आरोप लगाया और कहा कि उन्होंने द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के इस आरोप को सही साबित कर दिया है कि दोनों दलों के बीच गुप्त गठबंधन है। द्रमुक अध्यक्ष अपनी ''उंगलिल ओरुवन'' श्रृंखला (आपमें से एक) में सवालों का जवाब दे रहे थे। उनसे द्रमुक सहयोगियों द्वारा व्यक्त की गई राय के बारे में पूछा गया और यह भी पूछा गया कि क्या इसमें कोई ''विरोधाभास'' है? मुख्यमंत्री ने कहा कि वे उनके विचारों को केवल सलाह के रूप में मानते हैं। द्रमुक की सहयोगी माकपा और विदुथलाई चिरुथिगल काची (वीसीके) ने पुदुक्कोटटे जिले में पानी के एक ओवरहेड टैंक में मानव मल मिलने से जुड़े वेंगईवायल मामले को सीबीआई को सौंपने की मांग की थी।

### बिहार में 3 लाख किसानों के घर जाकर आमंत्रण-पत्र सौंपेगी भाजपा, दावा-

# भागलपुर में होगी पीएम मोदी की सबसे बड़ी जनसभा

**पटना।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 24 फरवरी को बिहार आ रहे हैं। भागलपुर के हवाई अड्डा मैदान में किसान सभा को पीएम संबोधित करेंगे। इस सभा में 13 जिलों से लाखों की संख्या में किसानों के जुटने का दावा भाजपा के द्वारा किया जा रहा है। बीजेपी के बिहार प्रदेश अध्यक्ष का दावा है कि यह किसान सभा अबतक की सभी सभाओं के रिकॉर्ड को तोड़ देगी। एकतरफ जहां जिला प्रशासन पीएम के कार्यक्रम को लेकर पूरी तैयारी कर रही है तो वहीं एनडीए के भी दिग्गज नेताओं का जमावड़ा भागलपुर में लग रहा है।

पीएम मोदी के आगमन को लेकर भागलपुर में तैयारी तेज है। जिला प्रशासनिक पदाधिकारियों की बैठक भी लगातार हो रही है। शनिवार को समाहरणालय के समीक्षा भवन में अधिकारियों की अहम बैठक हुई। प्रधानमंत्री के आगमन को लेकर बैठक डीएम नवल किशोर चौधरी, डीडीसी, नगर आयुक्त व अन्य पदाधिकारी इस बैठक में शामिल हुए।

कार्यक्रम स्थल भागलपुर का हवाई अड्डा मैदान है। जहां एसएसपी समेत अन्य पुलिस पदाधिकारी सुरक्षा व्यवस्था को लेकर लगातार निरीक्षण कर रहे हैं। प्रधानमंत्री के आगमन को लेकर एयरपोर्ट का रनवे भी तैयार किया जा रहा है। जहां उनका हेलीकॉप्टर लैंड करेगा।

वहीं दूसरी तरह एनडीए के दिग्गज नेताओं का भी जमावड़ा भागलपुर में इन दिनों लग रहा है। केंद्र और बिहार सरकार के कई मंत्री अलग-अलग तिथियों में आकर बैठक कर चुके हैं। शनिवार को प्रदेश के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी भी भागलपुर पहुंचे। अतिथि भवन में भाजपा कार्यकर्ताओं ने उनका

गर्मजोशी से स्वागत किया।

इससे पहले शुक्रवार को भाजपा ने भागलपुर में बड़ी बैठक की। इसमें 11 जिलों से करीब 1000 भाजपा के पदाधिकारी और कार्यकर्ता पहुंचे थे जिन्हें पीएम के कार्यक्रम को लेकर अहम टास्क सौंपा गया है।

बिहार भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ। दिलीप जायसवाल ने भागलपुर में कहा कि 24 फरवरी को जो किसान सभा हवाई अड्डा मैदान में होगी वो अबतक की सभी सभाओं का रिकॉर्ड तोड़ देगी। इस सभा में 13 जिलों से तीन लाख किसान आएंगे। पांच लाख आमंत्रण पत्र इसके लिए छपवाए गए हैं। एनडीए के कार्यकर्ता एक-एक किसानों के घर पहुंचकर आमंत्रण पत्र सौंपेंगे। आठ दिनों के अंदर में यह काम किया जाएगा।

### नीतीश आज जाएंगे दिल्ली मोदी से करेंगे मुलाकात

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार 16 फरवरी, रविवार को दिल्ली रवाना होंगे। जहां वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात कर सकते हैं। इस बैठक में वह केंद्रीय बजट 2023-24 में बिहार को मिली सौगातों के लिए पीएम मोदी का धन्यवाद करेंगे। इसी कारण, 17 फरवरी को उनकी निर्धारित प्रगति यात्रा स्थगित कर दी गई है।

### बिहार को बजट में मिली सौगातें

मखाना बोर्ड की स्थापना- बिहार के पारंपरिक मखाना उद्योग को बढ़ावा देने के लिए एक अलग बोर्ड बनाया जाएगा। पश्चिमी कोसी नहर परियोजना- इस परियोजना के लिए केंद्र सरकार ने वित्तीय सहायता की घोषणा की है, जिससे किसानों को सिंचाई की बेहतर सुविधाएं मिलेंगी। ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट, बिहटा- राज्य में हवाई कनेक्टिविटी को मजबूती देने के लिए बिहटा में नया एयरपोर्ट बनाया जाएगा। फूड टेक्नोलॉजी संस्थान- बिहार में खाद्य प्रसंस्करण और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फूड टेक्नोलॉजी एंटरप्रेन्योरशिप एंड मैनेजमेंट की स्थापना होगी।

नीतीश कुमार का यह दिल्ली दौरा राजनीतिक दृष्टि से भी अहम माना जा रहा है। जहां एक ओर वह बिहार को बजट में मिले विशेष ध्यान के लिए पीएम मोदी का आभार व्यक्त करेंगे, वहीं सूत्रों के अनुसार, कई अन्य विकास योजनाओं और राजनीतिक मुद्दों पर भी बातचीत संभव है। उनके इस दौरे के कारण प्रगति यात्रा को टालना दर्शाता है कि यह मुलाकात उनके लिए कितनी महत्वपूर्ण है।

# ड्रोन की 'क्रांति' को समझने में असफल रहे प्रधानमंत्री : राहुल

**नईदिल्ली।** लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने वर्तमान समय में युद्ध क्षेत्र और अन्य जगहों पर ड्रोन की उपयोगिता का उल्लेख करते हुए शनिवार को दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इसकी क्रांति को समझने में असफल रहे हैं।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने ड्रोन और उससे जुड़ी प्रौद्योगिकी को लेकर एक वीडियो अपने यूट्यूब चैनल पर अपलोड किया। उन्होंने कहा, ड्रोन ने संचार के लिए बैटरी, मोटर और 'ऑप्टिक्स' के संयोजन से युद्ध के क्षेत्र में क्रांति ला दी है।

ड्रोन सिर्फ प्रौद्योगिकी नहीं हैं, बल्कि वे एक मजबूत औद्योगिक प्रणाली द्वारा संचालित निचले स्तर के नवाचार हैं। उन्होंने युद्ध क्षेत्र को ही बदल दिया है। टैंक, तोपखाने और यहां तक कि विमान वाहक को कम प्रासंगिक बना दिया है।

गांधी ने कहा कि यह क्रांति सिर्फ युद्ध के बारे में नहीं है - यह उद्योग, एआई (कृत्रिम मेधा) और प्रौद्योगिकी की अगली पीढ़ी के बारे में है। उन्होंने कहा, ''दुर्भाग्य से, प्रधानमंत्री मोदी इसे समझने में असफल रहे हैं। जबकि वह एआई पर टेलीप्रॉम्प्टर (की मदद से) भाषण देते हैं। हमारे प्रतिस्पर्धी नयी प्रौद्योगिकियों में महारत हासिल कर रहे हैं।''

उन्होंने कहा कि असली शक्ति सिर्फ ड्रोन बनाने में नहीं है, बल्कि 'इलेक्ट्रिक' मोटर, बैटरी, 'ऑप्टिक्स' और उत्पादन नेटवर्क को नियंत्रित करने में भी है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने कहा, ''यदि हम उत्पादन को नियंत्रित नहीं करते हैं तो हम एआई या प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नेतृत्व नहीं कर सकते।''

राहुल गांधी ने कहा, भारत के पास अपार प्रतिभा और प्रेरणा है लेकिन हमें खोखले शब्दों

से कहीं अधिक की आवश्यकता है। हमें एक स्पष्ट दृष्टिकोण और वास्तविक औद्योगिक कौशल की आवश्यकता है।'' उन्होंने जोर देकर कहा, भारत के युवाओं के लिए आगे आने और यह सुनिश्चित करने का समय है कि भारत पीछे न छूटे।

### राहुल ने अपने कई करीबियों को पार्टी में दिलाये अहम पद

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कांग्रेस पार्टी को निराशा से उबारने की नई रणनीति बनाई है और उसे आगे बढ़ाने के लिए अपने करीबियों को पार्टी में महत्वपूर्ण पद दिलवाये हैं। कांग्रेस की ओर से संगठन में जो फेरबदल किया गया है वह साफ दर्शा रहा है कि भले पार्टी अध्यक्ष पद पर मल्लिकार्जुन खरगे हों लेकिन चलती सिर्फ राहुल गांधी की ही है। हम आपको बता दें कि कांग्रेस ने एक के बाद एक कई विधानसभा चुनावों में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद अपने राष्ट्रीय संगठन में बड़ा बदलाव करते हुए दो नए महासचिव और नौ प्रदेश प्रभारी नियुक्त किए हैं। पार्टी ने छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और राज्यसभा सदस्य सैयद नासिर हुसैन को महासचिव तथा रजनी पाटिल, बीके हरिप्रसाद और मीनाक्षी नटराजन समेत नौ नेताओं को विभिन्न प्रदेशों का प्रभारी नियुक्त किया है।

पार्टी के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल की ओर से जारी विज्ञप्ति के अनुसार, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने इन नेताओं को नयी जिम्मेदारी सौंपने के साथ ही राजीव शुक्ला, मोहन प्रकाश, देवेंद्र यादव, अजय कुमार, दीपक बाबरिया और भरत सिंह सोलंकी को प्रदेश प्रभारी के दायित्व से मुक्त कर दिया है। हम आपको बता दें कि राजीव शुक्ला हिमाचल प्रदेश, मोहन प्रकाश बिहार, देवेंद्र यादव पंजाब, अजय कुमार ओडिशा, दीपक बाबरिया हरियाणा और भरत सिंह सोलंकी जम्मू-कश्मीर के प्रभारी का उत्तरदायित्व निभा रहे थे। देवेंद्र यादव फिलहाल दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष की जिम्मेदारी निभा रहे हैं। दीपक बाबरिया ने हरियाणा में पार्टी की हार के बाद पद छोड़ने की पेशकश की थी। देखा जाये तो इन सभी राज्यों में कांग्रेस की हालत हालिया चुनावों में खराब रही या फिर यह प्रभारी अपने प्रभार वाले राज्यों में गुटबाजी को थामने और कांग्रेस को आगे बढ़ाने में विफल रहे।

इसके अलावा, बिहार में जल्द ही विधानसभा चुनाव होने हैं इसलिए कांग्रेस उत्तर भारत के इस महत्वपूर्ण राज्य में अपनी वापसी के लिए नये सिरे से प्रयास करना चाहती है। पार्टी ने कर्नाटक के युवा नेता कृष्णा अल्लावरू को बिहार का प्रभारी बनाया है। राहुल गांधी के करीबी माने जाने वाले कृष्णा अल्लावरू अब तक भारतीय युवा कांग्रेस के प्रभारी की जिम्मेदारी निभा रहे थे।

खेल
प्रमुख समाचार

## चैंपियंस ट्रॉफी के बाद संन्यास ले सकते हैं रोहित-कोहली?

**नईदिल्ली।** भारत के पूर्व खिलाड़ी आकाश चोपड़ा ने बड़ा दावा किया है कि, रोहित शर्मा, विराट कोहली और रविंद्र जडेजा को लेकर किया है। दरअसल, आकाश चोपड़ा का मानना है कि 2025 चैंपियंस ट्रॉफी विराट, रोहित और जडेजा के लिए आखिरी आईसीसी इवेंट हो सकता है। उन्होंने बताया कि तीनों जिस अगले आईसीसी इवेंट का हिस्सा बन सकते हैं, वह दो साल दूर है। इन तीनों ने टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट से रिटायरमेंट लिया हुआ है। ऐसे में 19 फरवरी से शुरू हो रही चैंपियंस ट्रॉफी इन तीनों दिग्गजों के लिए आखिरी आईसीसी टूर्नामेंट साबित हो सकता है।

पाकिस्तान और दुबई में खेले जाने वाले इस टूर्नामेंट में टीम इंडिया ग्रुप ए में बांग्लादेश, पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के साथ है। 20 फरवरी को दूबई में बांग्लादेश के खिलाफ टीम इंडिया को अपना पहला मुकाबला इस टूर्नामेंट में खेलना है। अपने यूट्यूब चैनल पर आकाश चोपड़ा ने कहा कि, मैं भारी मन से कह रहा हूं कि आप सही कह रहे हैं। इसकी प्रबल संभावना है। चैंपियंस ट्रॉफी होने वाली है और उसके बाद इस साल एक और आईसीसी इवेंट होगा, जो WTC फाइनल है और हम वहां नहीं पहुंचे हैं। इसलिए विराट, रोहित और रविंद्र जडेजा मेंसे कोई भी उसमें नहीं खेलेगा। पूर्व क्रिकेटर ने आगे कहा कि, उसके बाद अगले साल आईसीसी इवेंट टी20 वर्ल्ड कप है, लेकिन तीनों ने उस प्रारूप से संन्यास ले लिया है। इसलिए तीनों वहां भी नहीं खेलेंगे। वनडे वर्ल्ड कप 2027 में होगा, जो थोड़ा दूर है। 2027 तक दुनिया बहुत अलग दिखेगी। मुझे लगता है कि खिलाड़ियों को भी लगता है कि ये उनका आखिरी आईसीसी इवेंट हो सकता है। कोहली, रोहित और जडेजा ने टी20 वर्ल्ड कप 2024 फाइनल जीतने के बाद रिटायरमेंट की घोषणा कर दी थी। ऐसे में दो फॉर्मेट में खेलना और फिटनेस एक समस्या होना भी इन खिलाड़ियों के लिए आगे खेलने में बाधा बन सकती है।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/
प्रमुख समाचार

## रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर का तीसरी तिमाही में घाटा बढ़ा

**नईदिल्ली।** रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड ने दिसंबर तिमाही में अपने कंसॉलिडेटेड (एकीकृत) नेट लॉस के बढ़ने की जानकारी दी है। इस तिमाही में कंपनी को रू. 3,298.35 करोड़ का घाटा हुआ है। पिछले साल की इसी तिमाही में कंपनी का नेट लॉस रू. 421.17 करोड़ था। इस बारे में कंपनी ने स्टॉक एक्सचेंज को जानकारी दी है। हालांकि, कंपनी की कुल आय बढ़कर रू. 5,129.07 करोड़ हो गई, जो एक साल पहले इसी अवधि में रू. 4,717.09 करोड़ थी। इस तिमाही में कंपनी के कुल खर्च घटकर ?4,963.23 करोड़ हो गए, जो पिछले वित्तीय वर्ष की तीसरी तिमाही में रू. 5,068.71 करोड़ थे। बता दें कि रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड भारत की अग्रणी इंफ्रास्ट्रक्चर और इंजीनियरिंग कंपनियों में से एक है। यह कंपनी ऊर्जा, सड़क, मेट्रो रेल और अन्य बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में अपनी मजबूत उपस्थिति रखती है।

## स्मार्ट निवेशकों को लुभा रहा सिस्टमैटिक ट्रांसफर प्लान

**नईदिल्ली।** म्युचुअल फंड में जब भी निवेश की चर्चा होती है, तो ज्यादातर लोग एसआईपी के बारे में जानते हैं। लेकिन कई निवेशकों को यह जानकारी नहीं होती कि एसआईपी की तर्ज पर किसी एक फंड से धनराशि दूसरे फंड में ट्रांसफर भी की जा सकती है। एक फंड से दूसरे फंड में जमा धनराशि (कॉर्पस) के ट्रांसफर के इसी व्यवस्थित तरीके को सिस्टमैटिक ट्रांसफर प्लान यानी एसटीपी कहते हैं। एसटीपी एक ऐसी निवेश स्ट्रैटजी है, जिसमें निवेशक अपने पैसे को एक म्युचुअल फंड से दूसरे में तय अंतराल पर ट्रांसफर कर सकते हैं। यह प्रक्रिया बिना किसी परेशानी के होती है और निवेशकों को बेहतर रिटर्न देने वाले फंड में शिफ्ट होने का मौका मिलता है। एसटीपी निवेशकों को बाजार के उतार-चढ़ाव से बचाने में मदद करता है और संभावित नुकसान को कम करता है।

## बजट के बाद देश-विदेश में बढ़ गई मखाने की मांग

**नईदिल्ली।** बजट में बिहार में मखाना बोर्ड की घोषणा के बाद इसकी मांग तेजी से बढ़ी है, जिससे कीमतों में जबरदस्त उछाल देखा जा रहा है। बीते 10 दिनों में मखाने के दाम लगभग 32% बढ़ चुकी है। इस दौरान मखाने की कीमत रू. 950 प्रति किलो से बढ़कर रू. 1,250 प्रति किलो हो गए हैं। व्यापारियों के मुताबिक देश और विदेश में बढ़ती मांग के चलते यह बढ़ोतरी हुई है। गौरतलब है कि भारत के कुल मखाना उत्पादन का 90% बिहार में होता है और सरकार का लक्ष्य इसके उत्पादन और बिक्री को बढ़ावा देना है। बजट के बाद से मखाने की मांग में काफी तेजी आई है। यूके, सिंगापुर, श्रीलंका और दक्षिण अफ्रीका जैसे देशों से भी ऑर्डर मिल रहे हैं। व्यापारियों के अनुसार देश के दक्षिणी राज्यों, महाराष्ट्र और गुजरात जैसे कम खपत वाले बाजारों में भी मखाने की मांग बढ़ रही है। मांग में अचानक आई तेजी से मखाने की कीमतें भी बढ़ गई हैं।

## 2007 के बाद पहली बार तिमाही लाभ में बीएसएनएल

**नईदिल्ली।** केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने शुक्रवार को कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र की दूरसंचार कंपनी बीएसएनएल ने चालू वित्त वर्ष की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में 262 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ कमाया है। इसके साथ कंपनी लगभग 17 वर्षों के बाद लाभ में आई है। उन्होंने इसे सार्वजनिक क्षेत्र की दूरसंचार कंपनी के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ बताया, जो सेवा पेशकश और ग्राहक आधार के विस्तार पर ध्यान दे रही है। सिंधिया ने कहा कि भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) ने कई क्षेत्रों में सुधार किया है तथा मोबाइल, फाइबर टू द होम (एफटीटीएच) और लीज्ड लाइन सेवा पेशकश में 14-18 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है। उन्होंने कहा कि दिसंबर में उपभोक्ताओं की संख्या भी बढ़कर लगभग नौ करोड़ हो गई है।

# डीपसीक बनाम चैटजीपीटी और क्रांतियों के आयाम

**अजित बालकृष्णन**

चीन की एक कंपनी ने ऐलान किया कि आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (एआई) का उसका नया उत्पाद डीपसीक अमेरिकी एआई टूल चैटजीपीटी से बहुत अच्छा है। उसके बाद से ही मीडिया में इस पर शोरगुल मचा हुआ है। कई खबरों की सुर्खियों में कहा गया, 'चीन के एआई चैटबॉट ने चैटजीपीटी को पछाड़ा!' कुछ खबरें तो और भी आगे निकल गईं। मसलन बीबीसी ने लिखा, 'डीपसीक दिखाता है कि एआई की ताकत का केंद्र अब अमेरिका से दूर जा सकता है।' सीबीएस न्यूज ने कह डाला, 'अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि डीपसीक एआई से राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए चिंता बढ़ गई है।' ऐसी न मालूम कितनी खबरें और सुर्खियां आईं। ऐसे में आपके मन में यह सवाल उठना लाजिमी है कि इतना शोरगुल क्यों हो रहा है और अमेरिका जैसा ताकतवर देश किसी नए सॉफ्टवेयर उत्पाद की ईजाद से खतरे में कैसे पड़ सकता है।

उदाहरण के लिए आप पूछ सकते हैं कि लोगों को चिंता क्या इसीलिए हो रही है क्योंकि डीपसीक ऐप मुफ्त है और ओपन सोर्स भी है। तब शायद आपको यही बताया जाएगा कि डीपसीक मुफ्त और ओपन सोर्स हो सकती है क्योंकि चीन की सरकार गुपचुप तरीके से इसे सब्सिडी दे रही है और दुनिया को बता नहीं रही है। आप यह भी पूछ सकते हैं कि डीपसीक और चैटजीपीटी की यह लड़ाई क्या चीन और अमेरिका के बीच टिकटॉक बनाम व्हाट्सऐप या बाइदू सर्च इंजन बनाम गूगल सर्च जैसे अतीत के टकरावों जैसी ही नहीं है? तब शायद आपको यही समझा दिया जाएगा कि चिंता मत कीजिए। कुछ समय बाद चैटजीपीटी बिल्कुल उसी तरह डीपसीक से आगे निकल

जाएगा, जैसे गूगल ने बाइदू को पछाड़ दिया था।

हममें से जो लोग तकनीक को अधिक जानते-समझते हैं उनके मन में सवाल आ सकता है कि चैटजीपीटी के दौर के एआई से अगर 2025 के अंत तक ग्राहक सेवा प्रतिनिधि, बैंक क्लर्क, अकाउंटेंट और शिक्षक जैसी 8.5 करोड़ नौकरियां खत्म होने की बात कही जा रही है तो यह डीपसीक तो पता नहीं क्या कर देगा? यह तो मुफ्त है तो क्या यह चैटजीपीटी से भी ज्यादा तेजी से फैलकर और भी ज्यादा नौकरियां खत्म कर देगा? या चूंकि डीपसीक चीन का है, इसलिए चीन सरकार भारत जैसे देशों में इसका इस्तेमाल राजनीतिक मकसदों के लिए करेगी? यह सब तो नहीं पता मगर एक बात मुझे तय लग रही है- जो तकनीकी समुदाय चैटजीपीटी की इस दीवानगी को भुनाने की और इसके जरिये अपने कारोबार के लिए बेशुमार पूंजी जुटाने की तैयारी कर रहा था उसकी राह में बड़ा रोड़ा आ गया है। रॉयटर्स ने 27 जनवरी को शेयर बाजार में हुई उठापटक का जिक्र करते हुए लिखा, 'सोमवार को एनवीडिया का बाजार मूल्य 17 फीसदी यानी करीब 593 अरब डॉलर घट गया। इससे पहले किसी भी कंपनी को एक दिन में इतना ज्यादा नुकसान नहीं हुआ था। इस दौरान सेमीकंडक्टर, बिजली और बुनियादी ढांचा क्षेत्रों में एआई से जुड़ी कंपनियों के शेयरों की कीमत में 1 लाख करोड़ डॉलर से ज्यादा कमी आई।'

परंतु इससे भी ज्यादा चौंकाने वाली बात यह है कि डीपसीक तैयार करने वाली टीम ने 60 लाख डॉलर से भी कम खर्च में यह मॉडल तैयार करने का दावा किया है। ओपनएआई और दूसरे मॉडलों के अरबों डॉलर के बजट के सामने यह रकम कुछ भी नहीं है। चैटजीपीटी बनाने वाली कंपनी ओपनएआई अरबों डॉलर पहले ही जुटा चुकी है और खबर है कि निवेशकों से 6.5 अरब डॉलर और जुटाने के लिए उसकी बात चल रही है। इसके अलावा वह बैंकों से 5 अरब डॉलर कर्ज देने की बात भी कर रही है। मैंने अपने शोध में 18वीं सदी के मध्य की खबरों और उस समय के विद्वानों (आधिकारिक इतिहासकारों नहीं) के लेखों का अध्ययन किया है, जिनसे मुझे पता चला कि ब्रिटिश सरकार ने सबसे पहले भारतीय कपास से बने सामान पर 40 से 70 फीसदी आयात शुल्क लगा दिया, जिस कारण भारतीय कपास या सूती कपड़े का आयात बहुत कम हो गया।

## रायपुर में भाजपा की ऐतिहासिक जीत पर बृजमोहन और मूणत ने जनता-जनार्दन को किया नमन, कहा

# जनता के विश्वास की सुनामी में सारे भ्रष्टाचारी बह गए

**रायपुर।** भारतीय जनता पार्टी के सांसद और रायपुर नगर निगम चुनाव के संयोजक बृजमोहन अग्रवाल और विधायक व रायपुर नगर निगम चुनाव के सह-संयोजक राजेश मूणत ने प्रदेश समेत रायपुर नगर निगम में भाजपा को मिली ऐतिहासिक सफलता के लिए जनता-जनार्दन को नमन किया है। बृजमोहन अग्रवाल और राजेश मूणत ने कहा कि यह जीत भाजपा के प्रति जनता-जनार्दन के अगाध विश्वास का परिचायक है। कांग्रेस के नेताओं ने सोचा, शायद इस बार कुछ नई शिगूफेबाजी की जाए लेकिन कांग्रेसी-बदनीयती नहीं चल पाई, राजधानी के निकाय चुनाव परिणाम ने यह एकदम साफ कर दिया है।



**महिला सशक्तीकरण के लिए क्क्क की प्रतिबद्धता को मिली जन-स्वीकृति**

सांसद बृजमोहन अग्रवाल और विधायक राजेश मूणत ने कहा कि रायपुर नगर निगम में नेता प्रतिपक्ष रहीं मीनल चौबे को महापौर प्रत्याशी बनाने पर पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ-साथ शहर की जनता में भी एक विश्वास का वातावरण था, सुकून का वातावरण था। राजधानी में पहली महिला महापौर देकर भाजपा को इस बात का अत्यधिक गर्व है कि महिला सशक्तीकरण के लिए भाजपा की प्रतिबद्धता को जन-स्वीकृति मिली। राजधानी की जनता-जनार्दन को यह पूरा विश्वास है कि श्रीमती चौबे के नेतृत्व में भाजपा के पूर्ववर्ती कार्यकाल में हुए कामों की रक्षा कर उसे सँवारने का काम तेजी से होगा और रायपुर शहर को उससे भी ज्यादा तेज गति से विकसित किया जाएगा।

सांसद बृजमोहन अग्रवाल और विधायक राजेश मूणत ने कहा कि रायपुर नगर निगम में पिछले 15 वर्षों के कांग्रेस का कुशासन खत्म हो चुका है और भाजपा की शानदार व ऐतिहासिक जीत अटल विश्वास पत्र में व्यक्त भाजपा के संकल्पों, मोदी की गारंटी और प्रदेश में विष्णु के सुशासन पर मुहर है। यह प्रदेश की मातृक्क्शक्ति का भाजपा के प्रति विश्वासपूर्ण अनुग्रह का परिचायक है।

सांसद बृजमोहन अग्रवाल और विधायक राजेश मूणत ने कहा कि नगरीय निकाय के चुनाव नतीजों में भारतीय जनता पार्टी की प्रचंड जीत जनता के विश्वास की सुनामी है जिसमें कांग्रेस के सारे भ्रष्टाचारी बह गए हैं। आज जनता ने एक बार फिर साबित किया है कि उनका पूर्ण विश्वास भाजपा के साथ है। भाजपा जो कहती है, वह करती है। भाजपा ने 2023 में सरकार बनने के बाद मोदी की गारंटी को पूरा करते हुए जो वादा निभाए, उससे जनता का विश्वास मजबूत हुआ और जनता-जनार्दन ने डबल इंजन की सरकार को पहले लोकसभा में और फिर रायपुर दक्षिण के उपचुनाव में भी भाजपा पर भरोसा जताया। इस डबल इंजन सरकार में आज एक और इंजन लगाकर जनता ने बता दिया है, उनका विकास सिर्फ और सिर्फ भाजपा के शासनकाल मे ही हो सकता है।

## नवनिर्वाचित महापौर मीनल चौबे ने निकाली विजय रैली

**रायपुर.** नगरीय निकाय चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को प्रचंड जीत मिली है. बीजेपी ने 10 की 10 नगर निगम में परचम लहराया है. जीते के बाद अब राजधानी रायपुर में जश्न शुरू हो गया है. एकात्म परिसर भाजपा नेताओं के साथ नवनिर्वाचित महापौर मीनल चौबे रैली निकाल रही हैं. ये रैली जय स्तंभ चौक तक जाएगी. जिसमें मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय भी शामिल होंगे.



रैली में सांसद बृजमोहन अग्रवाल, विधायक सुनील सोनी, विधायक राजेश मूणत, विधायक पुरंदर मिश्रा, विधायक मोतीलाल साहू सहित बड़ी संख्या में भाजपा नेता शामिल हैं. विजय रैली के दौरान नवनिर्वाचित महापौर मीनल चौबे कार्यकर्ताओं के साथ जमकर थिरकती नजर आई.

बता दें कि छत्तीसगढ़ के 10 नगरपालिक निगमों में हुए चुनाव में भाजपा ने शानदार प्रदर्शन किया है. रायपुर नगर निगम में भी भाजपा ने ऐतिहासिक जीत दर्ज करते हुए 15 साल बाद महापौर पद पर कब्जा जमाया है. महापौर प्रत्याशी मीनल चौबे ने 153290 वोटों से जीत दर्ज की है. वहीं रायपुर के 70 वार्डों में भी भाजपा का दबदबा दिखा, जहां 70 में से 60 सीटों पर भाजपा प्रत्याशी विजयी हुए. वहीं सत्ता में रही कांग्रेस को इस चुनाव में करारी शिकस्त का सामना करना पड़ा, कांग्रेस के खाते में महज 7 वार्ड ही आए हैं. वहीं 3 वार्डों में निर्दलीय उम्मीदवारों ने भी बाजी मारी.

## छत्तीसगढ़ से कांग्रेस का कुशासन पूरी तरह समाप्त: किरण देव

### निकाय चुनावों में शानदार जीत जनता-जनार्दन के भाजपा के प्रति दृढ़ विश्वास का उद्घोष

**रायपुर।** भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव ने छत्तीसगढ़ के नगरीय निकाय चुनावों में भारतीय जनता पार्टी की शानदार जीत को इसे जनता-जनार्दन के भाजपा के प्रति दृढ़ विश्वास का उद्घोष बताते हुए कहा है कि कांग्रेस के तमाम झूठे वादों और झूठे प्रचार के बावजूद प्रदेश के शहरों-नगरों की जनता-जनार्दन ने भाजपा के अटल विश्वास पत्र में किए गए वादों पर अपना भरोसा व्यक्त किया है और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व वाली प्रदेश सरकार के सुशासन पर एक बार फिर से मुहर लगाई है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री देव ने निकाय चुनावों में पार्टी की शानदार जीत को शहरी व नगरीय जनता की जीत बताया और कहा कि प्रदेश के 10 नगर निगमों में से कांग्रेस को एक भी निगम में सफलता नहीं मिली और वहाँ कांग्रेस का सूपड़ा ही साफ हो गया। रायपुर नगर निगम में भाजपा ने रिकॉर्ड जीत दर्ज की। कांग्रेस के लिए इससे अधिक शर्मनाक क्या हो सकता है कि 49 नगरपालिकाओं के नतीजों में कांग्रेस दहाई का आँकड़ा तक नहीं छू सकी है इसी प्रकार 114 नगर पंचायतों में 84 में भाजपा की बढ़त रही। श्री देव ने कहा कि इन नतीजों के जरिए प्रदेश की जनता ने कांग्रेस के दोहरे राजनीतिक चरित्र के साथ-साथ जातिवादी मानसिकता, तुष्टीकरण, परिवारवाद और समाज के वर्गों में विभाजन की कांग्रेस की विध्वंसकारी मानसिकता पर सीधी चोट की है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री देव ने कहा कि प्रदेश तेजी से विकास के नित-नए आयाम गढ़ रहा है। निकाय क्षेत्रों की जनता ने एक बार फिर कांग्रेस को पूरी तरह खारिज कर दिया है।

## राजिम कुंभ: पंचकोशी यात्रा की झांकी श्रद्धालुओं को कर रही आकर्षित

**रायपुर।**राजिम कुंभ कल्प मेला में इस बार पहले से अधिक भव्य और आकर्षक रूप में आयोजित किया जा रहा है। श्रद्धालुओं की आस्था, भक्ति और संस्कृति का संगम इस मेले में देखने को मिल रहा है। मेले में दिनभर भजन-कीर्तन की गूंज के साथ देशभर के प्रसिद्ध कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दी जा रही हैं। इस बार पंचकोशी यात्रा की थीम पर बनी झांकी मेलार्थियों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बनी हुई है, जो आस्था और संस्कृति की झलक प्रस्तुत कर रही है।

चौबेबांधा के नए मेला मैदान में पंचकोशी यात्रा की झांकी बनाई गई है, जो मेलार्थियों को विशेष रूप से आकर्षित कर रही है। श्रद्धालु इस झांकी के समक्ष श्रद्धाभाव से शीश झुकाकर पुण्य लाभ ले रहे हैं। इस झांकी के माध्यम से पंचकोशी यात्रा के पांचों महादेव मंदिरों, यात्रा मार्ग और उनकी दूरी की जानकारी दी जा रही है।छत्तीसगढ़ में राजिम मेला से एक माह पूर्व पंचकोशी यात्रा निकाली जाती है, जिसमें हजारों श्रद्धालु क्षेत्र के प्रमुख शिव मंदिरों की पदयात्रा कर भगवान शिव की पूजा-अर्चना करते हैं। यह यात्रा राजिम त्रिवेणी संगम में स्थित कुलेश्वर महादेव मंदिर से आरंभ होती है और वहीं समाप्त होती है।श्रद्धालु पाँच प्रमुख शिवलिंगों के दर्शन करते हुए यह यात्रा पूर्ण करते हैं। यात्रा के मुख्य पड़ाव इस प्रकार हैं। पटेश्वर महादेव मंदिर (पटेवा), राजिम से 5 किमी दूर, यहाँ भगवान शिव अन्नब्रह्मा के रूप में पूजे जाते हैं।

## विकलांग सामूहिक विवाह, कार्यक्रम में शामिल होंगे मुख्यमंत्री साय

**रायपुर.** राज्य स्तरीय विकलांग युवक-युवती सामूहिक विवाह 16 फरवरी को आशीर्वाद भवन में आयोजित किया जाएगा. इस आयोजन में शामिल होने वाले विकलांग वर-वधू को आज 15 फरवरी, शनिवार को शाम 4 बजे तेल-मेहंदी की रस्म अदा की जाएगी.

इस समारोह का आयोजन अखिल भारतीय विकलांग चेतना परिषद रायपुर, सेंट्रल मारवाड़ी युवा मंच, कान्य कुब्ज सभा, शिक्षा मंडल, और सीनियर सिटीजन वेलफेयर फोरम के संयुक्त तत्वाधान में निशुल्क संपन्न कराया जाएगा.

कार्यक्रम संयोजक वीरेंद्र पांडे और छत्तीसगढ़ प्रांत विकलांग चेतना परिषद के अध्यक्ष सत्येंद्र अग्रवाल ने बताया कि इस निशुल्क सामूहिक विवाह के आशीर्वाद समारोह में मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय होंगे.

कार्यक्रम अध्यक्ष- पूर्व मंत्री एवं रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल, समारोह भूषण- राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष विकलांग चेतना परिषद डॉ. विनय पाठक, विशिष्ट अतिथि- समाजसेवी चतुर्भुज अग्रवाल एवं धरसीवां विधायक अनुज शमा, 92 जोड़ों का विवाह संपन्न कराया जाएगा, जिसे पहले भी लिम्का बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज किया जा चुका है.



15 फरवरी- आगमन पर विकलांग युवक-युवतियों का स्वागत, पंजीयन, आवास व भोजन की निशुल्क व्यवस्था.

शाम 4 बजे- वर-वधू के लिए तेल, हल्दी, मेहंदी की रस्में.शाम 6 बजे- महिलाओं के गीत-संगीत और पारंपरिक रीति-रिवाज.संगीत संध्या- रामदास अग्रवाल व पार्टी डांस ग्रुप द्वारा विशेष प्रस्तुति.

16 फरवरी- वैवाहिक समारोह का भव्य आयोजन,सुबह 10 बजे- सामूहिक विवाह का शुभारंभवैदिक रीति-रिवाज से विवाह- आर्य समाज के छत्तीसगढ़ प्रमुख आचार्य जगबंधु और आचार्य विरोचन शास्त्री अपने सहआचार्यों के साथ विवाह संपन्न कराएंगे.शाम 4 बजे- वर-वधू का आशीर्वाद समारोह मुख्य अतिथियों की उपस्थिति में होगा.छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा प्रत्येक विकलांग नवविवाहित जोड़े को ?50,000 की प्रोत्साहन राशि दी जाएगी.

प्रत्येक नवदंपत्ति को गृहस्थ जीवन के लिए आवश्यक सामग्री प्रदान की जाएगी.

**छत्तीसगढ़/राजधानी प्रमुख समाचार**

## चुनाव परिणाम हमारी अपेक्षाओं के अनुरूप नहीं : दीपक बैज

**रायपुर।** नगरी निकाय चुनाव परिणामों पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुये प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि चुनाव परिणाम हमारी अपेक्षाओं के अनुरूप नहीं आये जनादेश शिरोधार्य है। कांग्रेस पार्टी ने पूरी ताकत और एक जुटता से चुनाव लड़ा। हमारे सभी वरिष्ठ नेता चुनाव अभियान का प्रमुख हिस्सा थे। कांग्रेस ने पूरे चुनाव में अपने सिद्धांतों पर समझौता नहीं किया। भारतीय जनता पार्टी नगरी निकाय चुनाव के पहले से ही सत्ता का दुरुपयोग कर रही थी। पहले चुनाव को टालने की कोशिश हुई, फिर चुनावो की तारीखो को आगे बढ़ाया गया। पहले घोषित किया गया चुनाव बैलेट पेपर से होगा, बाद में निर्णय हुआ मतदान ईवीएम से कराया जायेगा। ईवीएम से मतदान निश्चित किया गया तो अध्यक्ष और पार्षदों के मशीनो को एक साथ जोड़ा गया। उसमें वीवीपैड की व्यवस्था नहीं किया गया। जबकि ईवीएम के मामले सुप्रीम कोर्ट का स्पष्ट निर्देश है कि वीवीपैड जोड़ा जाना चाहिये। प्रदेश में मतदान के दौरान 100 से अधिक स्थानों पर ईवीएम बंद होने, खराब होने की शिकायते आई किसी प्रकार मतदान संपन्न हुआ।प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि भाजपा ने चुनाव में सत्ताबल, धनबल का दुरुपयोग किया। जनता को प्रभावित करने शराब बांटे गये।



## दीप्ति प्रमोद दुबे ने दी मीनल चौबे को बधाई

**रायपुर।** रायपुर नगर निगम चुनाव में कांग्रेस से पराजित प्रत्याशी श्रीमती दीप्ति प्रमोद दुबे ने जनादेश को स्वीकारते हुए रायपुर की जनता का आभार जतााया,साथ ही नगर निगम के महापौर बनने पर श्रीमती मीनल चौबे को नगर विकास से संबंधित मामलों पर हर प्रकार से सहयोग करने की बात कही।दीप्ति प्रमोद दुबे ने कहा कि वो एक साइकोलॉजिस्ट होने के नाते चुनाव प्रचार के दौरान लाखों लोगों से मिलकर उनकी भावनाओं को समझी है जिसे वो मीनल चौबे के साथ शेयर करेंगी।उन्होंने रायपुर की जनता के फैसले को शिरोधार्य करते हुए कहा कि वो आत्म मंथन कर आने वाले दिनों में जनता के बीच जाकर अपनी कमियों को पता लगाएंगी,तथा वो उनके कामों के प्रति सजग रह कर उन्हें पूरा करने के लिए सदैव तत्पर रहेंगी।उन्होंने यह भी कहा कि रायपुर शहर के विकास के लिए उनके पास ब्लू प्रिंट तथा रोड मैप है जिसे वो जरूर पूरा करने हेतु प्रयास करेगी। उन्होने उन असंख्य कार्यकर्ताओं के प्रति भी आभार जताया है जिन्होने चुनाव के समय पूरा सहयोग प्रदान किया। सभी 70 वार्डों से चुनकर आए पार्षदों को भी उन्होने अपनी ओर से शुभकामनाएं दी है।



## निकाय में सत्ताधारी पार्टी के ही मेयर जीतकर आते हैं: सिंहदेव

**रायपुर।** प्रदेश के नगरीय निकाय चुनाव में कांग्रेस को करारी हार मिली. निकाय चुनाव के नतीजे पर पूर्व डिप्टी टीएस सिंह देव ने सभी विजयी प्रत्याशियों को बधाई दी है. उन्होंने कहा, प्रदेश में जिसकी सत्ता रहती है अधिकांश नगरीय निकाय में सत्ता पक्ष के ही मेयर जीतकर आते हैं. आम जनता प्रदेश सरकार और निगम में काम कराने के उद्देश्य से वोट किया. छत्तीसगढ़ में निकाय चुनाव परिणाम के बीच कांग्रेस संगठन में उच्च स्तर पर बदलाव की चर्चा और तेज हो गई. इस चर्चा को बल पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के राष्ट्रीय महासचिव बनने के बाद से और मिल गया. खबर है कि दीपक बैज की छुट्टी होने वाली है. राष्ट्रीय नेतृत्व ने बैज को बदलने का निर्णय ले लिया है. अब सवाल यह है कि कांग्रेस का नया अध्यक्ष कौन होगा? इसे लेकर भी चर्चा तेज है और ज्यादातर जगहों से एक नाम चर्चा में है 'टीएस सिंहदेव'. सूत्र बताते हैं कि राष्ट्रीय नेता सिंहदेव के नाम पर सहमत हैं। उनके स्थान पर टीएस सिंहदेव को प्रदेश अध्यक्ष बनाए जा सकते हैं. प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष बनने के सवाल पर टीएस सिंहदेव कहा, राष्ट्रीय नेतृत्व मुझे जो भी जिम्मेदारी देगी मुझे मंजूर होगी.



## महिला सफाई कर्मचारियों के लिए शैक्षणिक स्वास्थ्य शिविर

**रायपुर।** भिलाई इस्पात संयंत्र के सीएसआर विभाग द्वारा भिलाई नगर निगम की महिला सफाई कर्मचारियों के लिए मिशन लक्ष्मी' के अंतर्गत 17 फरवरी 2025 को प्रात- 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक भिलाई इस्पात कल्याण चिकित्सालय में एक व्यापक शैक्षणिक स्वास्थ्य कार्यक्रम और निन्शुल्क स्त्री रोग निदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। शिविर में चिकित्सा परामर्शदाताओं द्वारा भिलाई नगर निगम में सफाई कार्य में लगी महिला कर्मचारियों की जांच की जाएगी।इस अवसर पर सीएसआर स्वास्थ्य टीम के साथ बीएसपी-सीएसआर के अधिकारीगण भी मौजूद रहेंगे। परामर्शदाताओं द्वारा एनीमिया और स्त्री रोग कैंसर पर शैक्षणिक सत्र और प्रश्नोत्तर और उसका समाधान सत्र भी आयोजित किया जाएगा।अधिक संख्या में आएं और व्यापक शैक्षणिक स्वास्थ्य शिविर का लाभ उठाएं।इससे पहले भी भिलाई इस्पात संयंत्र ने मिशन लक्ष्मी योजना के तहत ग्रामीण महिलाओं, सफाईकर्मी, स्कूली बालिकाओं के लिए स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया है। मिशन लक्ष्मी' के तहत युवा लड़कियों और महिलाओं को मुफ्त स्वास्थ्य जांच, स्वास्थ्य संबंधी जानकारी, आयरन, फोलिक एसिड और एल्बेंडाजोल टैबलेट जैसे स्वास्थ्य पूरक पदार्थों का वितरण और रक्त हीमोग्लोबिन स्तर परीक्षण और पैप स्मीयर जैसी नैदानिक सुविधाओं सहित व्यापक स्वास्थ्य सेवा प्रदान की जाएगी।

## नियुक्त चुनाव अधिकारियों ने पदभार संभाला

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कामर्स एंड इंडस्ट्रीज के चेंबर चुनाव समिति द्वारा नियुक्त चुनाव अधिकारियों ने पदभार ग्रहण कर क्षेत्रीय स्तर पर चुनावी प्रक्रिया का क्रियान्वयन तेजी से कर रहे हैं जिसमें मतदान केंद्र से संबंधित व्यवस्थाओं से लेकर चुनाव कार्य हेतु पीठासीन अधिकारियों एवं मतदान अधिकारियों की उपलब्धता करवाने से लेकर प्रशासन के मध्य सेतु का काम कर रहे हैं।विदित हो कि अब तक चेंबर चुनाव समिति के मुख्य निर्वाचन अधिकारी शिवराज भंसाली द्वारा विभिन्न जिलों से कुल 21 चुनाव अधिकारी नियुक्त किए गए हैं। जिनमें अंबिकापुर (सरगुजा) जिले से बाबूलाल अग्रवाल, अमित अग्रवाल, राजेश सोनी, बिलासपुर जिले से छेदीलाल सराफ, घनश्याम दास लालवानी, अजय सराफ, रायगढ़ जिले से बाबूलाल अग्रवाल, राजेश अग्रवाल, मनेंद्रगढ़ (एम.सी.बी) जिले से रमेशचंद्र सिंग, राजेश जायसवाल, धमतरी जिले से निर्मल बरडिया, अर्जुन जैसवानी, राजेंद्र सिंह छाबड़ा, राजनांदगांव जिले से योगेश खत्री, आशीष कुमार सुरे, समीर क्षत्री एवं भिलाई जिले से गिरीश बंसल, शिवराज शुक्ला, बंशी अग्रवाल, देवेंद्र भाटिया सहित दिलीप अग्रवाल हैं।

## श्रीकृष्ण का आशीर्वाद हम सभी पर बना रहे : सीएम साय

### मुख्यमंत्री साय ने श्रीमद्भागवत कथा में किया श्रीकृष्ण-सुदामा प्रसंग का श्रवण, छत्तीसगढ़ की समृद्धि और खुशहाली की कामना की

**रायपुर।** मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय आज राजधानी रायपुर के डुंडा स्थित अशोका पाम मिडोज कॉलोनी में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा में शामिल हुए। इस पावन अवसर पर उन्होंने भगवान श्रीकृष्ण और श्रीराधा रानी से समस्त छत्तीसगढ़वासियों की सुख-समृद्धि, शांति और मंगलमय जीवन की प्रार्थना की। मुख्यमंत्री ने व्यासपीठ का नमन करते हुए कथाव्यास पंडित श्री कृष्ण गौड़ शास्त्री से आशीर्वाद लिया और श्रीकृष्ण-सुदामा प्रसंग का श्रवण किया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कथाव्यास पंडित श्री कृष्ण गौड़ शास्त्री का माता कौशल्या की पावन भूमि छत्तीसगढ़ में हार्दिक स्वागत किया। उन्होंने कहा कि श्रीमद्भागवत कथा का श्रवण अत्यंत सौभाग्य की बात है। यह न केवल आध्यात्मिक शांति प्रदान करता है, बल्कि हमें धर्म, प्रेम और कर्तव्य के पथ पर आगे बढ़ने की प्रेरणा भी देता है। मैं आशा करता हूँ कि सभी श्रद्धालु इस कथा के दिव्य संदेश को आत्मसात करेंगे और इसे अपने जीवन में अपनाएंगे। भगवान श्रीकृष्ण हम सभी को शक्ति दें कि हम पूरे समर्पण और निष्ठा के साथ छत्तीसगढ़ की जनता की सेवा कर सकें।मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि भगवान श्रीराम के वनवास काल का अधिकांश समय छत्तीसगढ़ में बीता, और यहां उन्हें भांचा के रूप में सम्मान दिया जाता है। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ सरकार ने श्रीरामलला दर्शन योजना के तहत अब तक 20,000 से अधिक रामभक्तों को अयोध्या धाम में श्रीरामलला के दर्शन का सौभाग्य प्रदान किया है। इसके साथ ही मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रयागराज महाकुंभ के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि 144 वर्षों बाद यह शुभ संयोग आया है, और छत्तीसगढ़ सरकार ने श्रद्धालुओं के लिए महाकुंभ में %छत्तीसगढ़ पवेलियन% की विशेष व्यवस्था की है। इस पवेलियन में निःशुल्क आवास, भोजन और अन्य सुविधाएँ उपलब्ध कराई गई हैं, ताकि छत्तीसगढ़ से जाने वाले श्रद्धालु सुविधापूर्वक स्नान, दर्शन और धार्मिक अनुष्ठान कर सकें।

मुख्यमंत्री ने श्रीमद्भागवत कथा के सफल आयोजन के लिए सभी आयोजकों को बधाई देते हुए कहा कि ऐसे आध्यात्मिक आयोजन समाज में सकारात्मक ऊर्जा और धार्मिक चेतना का संचार करते हैं।

इस अवसर पर श्री भूपेंद्र सवन्नी, श्री राजीव अग्रवाल, श्री सरल मोदी सहित श्रीमद्भागवत कथा के आयोजकगण, स्थानीय गणमान्यजन और बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

## भोरमदेव शक्कर कारखाना द्वारा गन्ना किसानों को 44.99 करोड़ का भुगतान

**रायपुर।** राज्य शासन के निर्देशानुसार भोरमदेव सहकारी शक्कर कारखाना मर्यादित, कवर्धा ने पेराई सत्र 2024-25 के अंतर्गत अब तक गन्ना किसानों को कुल 44 करोड़ 99 लाख रुपये का भुगतान किया है। कारखाना प्रबंधन ने गन्ना उत्पादक किसानों से अपील की है कि वे परिपक्व, साफ-सुथरा, बिना अगवा और बिना जड़ वाला गन्ना आपूर्ति करें। इससे शक्कर की रिकवरी दर में वृद्धि होगी, जिससे किसानों को बेहतर लाभ मिलेगा।

अपनी स्थापना से अब तक भोरमदेव सहकारी शक्कर कारखाना गन्ना किसानों को समर्थन मूल्य, रिकवरी और बोनस मिलाकर लगभग 1210 करोड़ रुपये का भुगतान कर चुका है, जिससे क्षेत्र के किसानों की आर्थिक और सामाजिक उन्नति को नई दिशा मिली है। कारखाना प्रबंधन का मुख्य उद्देश्य किसानों के हितों को प्राथमिकता देना और उनके आर्थिक सशक्तिकरण को सुनिश्चित करना है। समय पर भुगतान मिलने से किसानों का कारखाने और शासन-प्रशासन पर विश्वास लगातार बढ़ रहा है।

वर्तमान पेराई सत्र 2024-25 में, कारखाने ने अब तक 2.72 लाख मीट्रिक टन गन्ने की पेराई कर 2.48 लाख क्विंटल शक्कर का उत्पादन किया है। इस उपलब्धि का श्रेय गन्ना उत्पादक किसानों के सहयोग, उनकी मेहनत और कारखाना प्रबंधन के कुशल संचालन को जाता है। कारखाना प्रबंधन ने गन्ना किसानों से अपील की है कि वे अपने गन्ने की आपूर्ति सीधे शक्कर कारखाने में करें, ताकि उन्हें समय पर उचित मूल्य प्राप्त हो सके।

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.